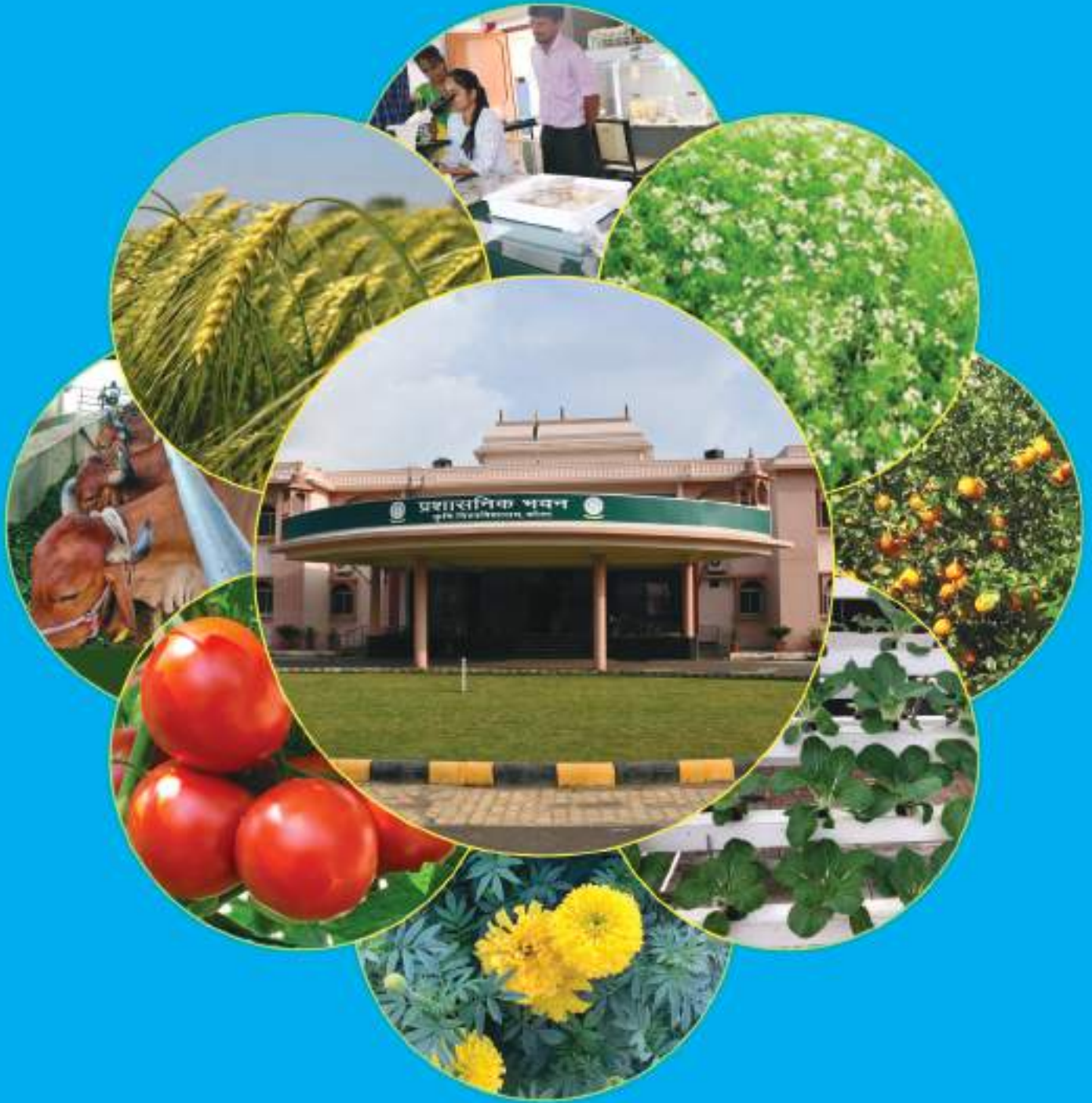


वार्षिक प्रतिवेदन – 2020



कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बाराँ रोड़, बोरखेड़ा, कोटा - 324001 (राजस्थान)



श्री कलराज मिश्र
माननीय राज्यपाल, राजस्थान एवं कुलाधिपति
कृषि विश्वविद्यालय कोटा



श्री अशोक गहलोत
माननीय मुख्यमंत्री राजस्थान



श्री लालचन्द कटारिया
माननीय कृषि एवं पशुपालन मंत्री
राजस्थान सरकार



प्रो. डी. सी. जोशी
माननीय कुलपति
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा



उद्घरण

वार्षिक प्रतिवेदन - 2020 कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
बारों रोड़, बोरखेड़ा, कोटा - 324001 (राजस्थान)

संरक्षक

प्रो. डी.सी.जोशी
कुलपति

प्रधान संपादक

डॉ. मुकेश चन्द गोयल
निदेशक प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन

तकनीकी सहयोग

डॉ. प्रताप सिंह
निदेशक, अनुसंधान

डॉ. एस.के. जैन
निदेशक, प्रसार शिक्षा

डॉ. ममता तिवारी
निदेशक, मानव संसाधन विकास

डॉ. आई.बी. मौर्या
अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी
महाविद्यालय, झालावाड़

डॉ. एम.सी. जैन
अधिष्ठाता, कृषि
महाविद्यालय, कोटा

डॉ. के.एम. गौतम
तकनीकी सलाहकार
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

प्रकाशन

निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन
कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, बारों रोड़, बोरखेड़ा, कोटा - 324001 (राजस्थान)
ई-मेल dpmeaukota2013@gmail.com, वेबसाइट-http:aukota.org



अनुक्रमणिका

क्र.सं.	विवरण	पृष्ठ संख्या
•	प्राक्कथन	1
•	सारांश	2 – 3
1.	कृषि विश्वविद्यालय – एक परिदृश्य	4 – 13
	विशिष्ट गतिविधियाँ व उपलब्धियाँ	
2.	शैक्षणिक	14 – 21
3.	अनुसंधान	21 – 36
4.	प्रसार शिक्षा	36 – 53
5.	बीज उत्पादन	53 – 54
6.	प्राथमिकता निगरानी व मूल्यांकन	54
7.	परीक्षा नियंत्रक	54 – 55
8.	सम्पदा कार्यालय	55 – 57
9.	मानव संसाधन	57 – 59
10.	वित्त एवं लेखा	60
11.	पुरस्कार/सम्मान	60
12.	प्रकाशन (शोध पत्र एवं लेख) विवरण	61 – 72
13.	वैज्ञानिकों द्वारा सेमिनार, कार्यशाला, प्रशिक्षण में सहभागिता	72 – 75
14.	प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों का अवलोकन	76 – 77
15.	कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय की विशेष गतिविधियाँ	78 – 80
16.	विश्वविद्यालय दीक्षान्त समारोह	81
17	परिशिष्ट (I-X)	82 – 87



कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बारों रोड, बोस्खेड़ा, कोटा - 324001 (राजस्थान)



प्रो. डी. सी. जोशी
कुलपति

प्राक्कथन

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के 2020 के वार्षिक प्रतिवेदन को प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है। इस विश्वविद्यालय की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को कृषि सम्बन्धित गुणवत्तायुक्त कृषि शिक्षा से सम्बन्धित क्षेत्रों, अनुसंधान व प्रसार में क्षमताओं का समुचित उपयोग करने के प्रयोजन से की गई, जिसके अंतर्गत आधुनिक प्रयोगशाला उपकरण, कक्षा-कक्षों का आधुनिकीकरण, नवीन प्रसंस्करण तकनीक, फार्म मॉडर्नाईजेशन तथा उच्च गुणवत्ता के बीज उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया गया।

इस वर्ष में कोविड-19 एवं लॉकडाउन की विषम परिस्थितियों के बावजूद विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों द्वारा सुव्यवस्थित तरीके से कृषि शिक्षा, अनुसन्धान व प्रसार संबंधी गतिविधियों एवं अन्य कार्यों को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया। ऑनलाईन व वर्चुअल मोड पर अध्यापन, कार्यशाला, सेमीनार, बैठकें एवं विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किये गये।

विश्वविद्यालय स्तर पर चल रही अनुसंधान और प्रसार गतिविधियों को प्रभावशाली तरीके से किसानों तक पहुंचाने के लिए गांव गोद लेकर नई प्रौद्योगिकियों को प्रसार के माध्यम से कृषकों तक पहुंचाया गया। कृषि उत्पादकता बढ़ाने के निरंतर प्रयास किये गये। इस संदर्भ में अनुसंधान परिषद, प्रसार शिक्षा परिषद, विद्या परिषद एवं वरिष्ठ अधिकारी परिषद की बैठकें सफलता पूर्वक प्रगति की समीक्षा और भविष्य के कार्यक्रमों को कारगर बनाने के लिए आयोजित की गई। युवाओं के लिए आजीविका संवर्धन हेतु कौशल उन्नयन प्रशिक्षण प्रशंसनीय हैं। महिलाओं एवं युवाओं द्वारा यहां से निरन्तर प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वयं के व्यवसाय स्थापित किये गये। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा वर्ष 2020 में कुल 14251 क्विंटल बीज उत्पादित किया गया। विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह नवम्बर 28, 2020 को वर्चुअल मोड पर सफलतापूर्वक आयोजित किया गया। साथ ही विश्वविद्यालय का अष्टम स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2020 को मनाया गया।

मैं धन्यवाद ज्ञापित करना चाहूंगा हमारे सभी निदेशक, अधिष्ठाता, कुलसचिव, वित्त नियंत्रक, परीक्षा नियंत्रक संपदा अधिकारी, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, फार्म प्रभारी, कोषाधिकारी, वैज्ञानिकों व कर्मचारियों के साथ-साथ छात्रों को जो विश्वविद्यालय को नई उंचाईयों पर ले जाने में सक्रिय भागीदार रहे हैं।

मैं डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक (प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन) को इस वार्षिक प्रतिवेदन-2020 के लिए आवश्यक संकलन एवं सफल प्रकाशन के लिए बधाई देता हूँ।

जनवरी 19, 2021

(डी. सी. जोशी)



सारांश

कृषि विश्वविद्यालय कोटा, ने वर्ष 2020 में कोविड-19 महामारी के बावजूद भी शिक्षा अनुसंधान और प्रसार शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां अर्जित कीं। प्रबन्ध मंडल की 14वीं बैठक दिनांक 26.06.2020 को, 15वीं बैठक दिनांक 12.11.2020 को एवं 16वीं बैठक दिनांक 30.12.2020 को आयोजित की गई। विश्वविद्यालय का अष्टम स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2020 को वर्चुअल मोड पर मनाया गया। साथ ही विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह 28.11.2020 को वर्चुअल मोड पर आयोजित किया गया। जिसमें कुल 135 विद्यार्थियों को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की उपाधियां प्रदान की गईं व 6 स्वर्णपदक प्रदत्त किये गये। विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन का ई-लोकार्पण 18 दिसम्बर, 2020 को माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं श्री लालचन्द कटारिया माननीय कृषि व पशुपालन मंत्री, राजस्थान सरकार द्वारा किया गया।

वर्ष के दौरान शिक्षा, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में कई मुद्दों पर नवीन पहल की गई तथा गुणवत्ता में सुधार किया गया। ग्रामीण विकास कृषि कार्यानुभव (RAW) द्वारा छात्रों को व्यवसायिक अनुभवात्मक तथा स्वयं अभ्यास प्रशिक्षण दिया जा रहा है जो उनके स्थापन में उपयोगी साबित हुआ है। विभिन्न क्षेत्रों में अनुसंधान तथा प्रसार कार्यक्रमों को सफलतापूर्वक सम्पादित किया गया। सत्र 2020 में अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर सम्मेलनों/सेमिनार में वैज्ञानिकों की भागीदारी के साथ-साथ विभिन्न वेशीनार कार्यक्रम आयोजित हुए। विश्वविद्यालय द्वारा इस वर्ष 56 शोध पत्र 83 तकनीकी बुलेटिनो, फोल्डर एवं अन्य प्रकाशन के साथ साथ संकाय के सदस्यों ने 44 सेमिनार/कार्यशाला/सम्मेलन आदि में भाग लिया। राज्य सरकार द्वारा, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में 20 शैक्षणिक, 06 शैक्षणिकोत्तर कर्मचारी एवं कृषि महाविद्यालय कोटा में शैक्षणिक 16 एवं 09 शैक्षणिकोत्तर कर्मचारी की नवीन पदों को भरने की स्वीकृति प्रदान की गई।

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ राजस्थान में उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान करने वाला पहला महाविद्यालय है। इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2004 में झालावाड़ में की गई वर्तमान में स्नातक स्तर पर उद्यानिकी (ऑनर्स) में 61 तथा वानिकी (ऑनर्स) में 66 सीटें, स्नातकोत्तर स्तर पर उद्यानिकी के फल विज्ञान में 05, सब्जी विज्ञान में 05, पुष्प विज्ञान एवं भूपरिदृश्य विज्ञान में 03, शस्योत्तर प्रौद्योगिकी विभाग में 02 तथा वानिकी में वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी में 05, जैव वानिकी एवं वृक्ष सुधार में 05, वनोत्पाद एवं उपयोग में 05 तथा अन्य जीव प्रबन्ध विभाग में 05 सीटें हैं। विद्यावाचस्पति उद्यानिकी (फल विज्ञान) में 03 तथा विद्यावाचस्पति वानिकी (वन संवर्धन एवं कृषि वानिकी) में 02 सीटें हैं। महाविद्यालय में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति कार्यक्रमों में प्रवेश JET /Pre-PG/PhD प्रवेश परीक्षा एवं ICAR प्रवेश परीक्षा के माध्यम से होता है।

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

कृषि महाविद्यालय, कोटा में चार वर्षीय कृषि स्नातक डिग्री के साथ ही सात विषयों में स्नातकोत्तर (शस्य विज्ञान, मृदा विज्ञान एवं कृषि रसायन, उद्यानिकी, कीट विज्ञान, पौध व्याधि, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन तथा प्रसार शिक्षा) साथ ही तीन विषयों में विद्यावाचस्पति (शस्य विज्ञान, अनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन तथा पादप रोग विज्ञान) के पाठ्यक्रम संचालित हैं। इस प्रकार अब तक कुल स्नातक में 127, स्नातकोत्तर में 54 तथा विद्यावाचस्पति में 11 विद्यार्थियों को प्रवेश दिया गया है। कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में वर्ष 2020 में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 192 रही। कृषि महाविद्यालय कोटा द्वारा माइक्रोस्कोप, स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, लेमीनार एयरफ्लो, डिजिटल रेफ्रेक्टोमीटर, के-यान आदि उपकरणों द्वारा प्रयोगशालाओं को सुदृढीकरण एवं नवीनीकरण किया गया। कृषि महाविद्यालय कोटा पर उपलब्ध पुरानी क्वार्टर को बालिका छात्रावास के रूप में उपयोग करने के लिए पुनर्निर्मित किया गया एवं स्नातकोत्तर छात्रावास का निर्माण किया गया।

अनुसन्धान निदेशालय

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के अधीन अनुसंधान इकाईयों के रूप में (1 कृषि अनुसन्धान केन्द्र, कोटा 2 कृषि अनुसन्धान उपकेन्द्र अकलेरा (झालावाड़), खानपुर (झालावाड़) एवं 2 बीज उत्पादन फार्म यांत्रिक कृषि फार्म कोटा व बीज उत्पादन फार्म, सुल्तानपुर (कोटा) में कार्यरत हैं। अनुसंधान निदेशालय के अधिकार क्षेत्र में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान की 14 परियोजनाएँ, 7 स्वैच्छिक परियोजनाएँ, 20 आर.के.वी.वाई परियोजनाएँ, 06 एडहोक परियोजनाएँ व 49 कोर्पोरेट सेक्टर परियोजनाएँ शामिल हैं। वर्ष 2020 में मसूर की कोटा मसूर-3 एवं 4, अलसी की कोटा बरानी अलसी-5, उड़द की कोटा उड़द-3 एवं 4, मटर की कोटा मटर-1, चना की कोटा देसी चना-1 व कोटा काबुली चना-1, कोटा काबुली चना-2 किस्में विकसित की गयीं।



प्रसार शिक्षा निदेशालय

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अपने कार्यक्षेत्र में किसानों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण, सलाह तथा सूचना द्वारा तकनीकी हस्तान्तरण कर कृषि विकास को बढ़ावा देना प्रमुख जिम्मेदारी है। समूह प्रदर्शन, तकनीक परीक्षण, तथा कौशल विकास प्रशिक्षण द्वारा फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा, पोषक तत्व प्रबन्धन, फसल प्रणाली, उद्यानिकी विकास, बंजर भूमि प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, यंत्रीकरण, शरयोत्तर प्रबन्धन, मूल्य संवर्धन आदि क्षेत्रों में तकनीकी हस्तान्तरण की मुख्य भूमिका है।

प्रसार शिक्षा निदेशालय विश्वविद्यालय के अधीन कृषि विज्ञान केंद्रों को दिशा निर्देश प्रदान करता है तथा उनके द्वारा किये गये प्रसार कार्यक्रमों की निगरानी एवं मूल्यांकन भी करता है।

निदेशालय प्राथमिकता निगरानी एवं मूल्यांकन

प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय द्वारा वर्ष 2020 में आवश्यकता आधारित नये कार्यक्रमों की योजना का प्रारूप तैयार करने के साथ योजनाओं की क्रियान्विति में सुधार तथा बजट की समीक्षा हेतु आवश्यक चर्चा एवं निर्देशों के लिए विश्वविद्यालय की वरिष्ठ अधिकारी परिषद (SOC) की बैठक दिनांक 03 जून 2020 को आयोजित की गई। विश्वविद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20 एवं अर्द्धवार्षिक विश्वविद्यालय समाचार पत्र, टेलीफोन डायरेक्टरी, विश्वविद्यालय एक परिदृश्य सहित अन्य प्रकाशन तैयार कराये हैं। विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के डाटा आधार से लिंक करना तथा विश्वविद्यालय स्टाफ हेतु पहचान पत्र बनाने आदि के कार्य सम्पादित किये गये।

शिक्षा निदेशालय

विश्वविद्यालय के शिक्षा निदेशालय अन्तर्गत वर्ष 2020 में अकादमिक परिषद की 03 बैठकें क्रमशः 14वीं बैठक 06.02.2020, 15वीं बैठक 06.10.2020 तथा 16वीं बैठक 19.12.2020 को आयोजित की गई जिसमें शिक्षा में सुधार हेतु कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय

राज्य सरकार के आदेशानुसार एवं कोविड 19 की गाईडलाइन्स के आधार पर 2019-20 के द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों को उनके मिडटर्म अंक व पूर्व के प्राप्तांकों के आधार पर प्रमोट किया गया। जबकि अंतिम वर्ष के छात्रों की परीक्षा कोविड 19 के बचाव उपायों के साथ सम्पन्न की गई। जिसमें विद्यार्थियों का परिणाम उद्यानिकी-100 प्रतिशत, वानिकी-86 प्रतिशत व कृषि-92 प्रतिशत प्रतिशत रहा।

28 नवम्बर, 2020 को आयोजित चतुर्थ दीक्षान्त समारोह (वर्चुअल माध्यम) के दौरान विज्ञान-स्नातक (आनर्स) उद्यानिकी में 51, वानिकी में 15, कृषि में 54 व विज्ञान स्नातकोत्तर (उद्यानिकी) में 15 छात्रों को उपाधि प्रदान की गई। साथ ही दीक्षान्त समारोह में एक कुलाधिपति स्वर्ण पदक, एक कुलपति स्वर्ण पदक व 4 स्वर्ण पदक भी प्रदान किये गये।

2020-21 सत्र के लिए जेट, प्री-पीजी व पीएचडी में प्रवेश प्रक्रिया हेतु विश्वविद्यालय द्वारा जेट परीक्षा का सफल आयोजन किया गया।

सम्पदा कार्यालय

इस विश्वविद्यालय के भू-सम्पदा कार्यालय द्वारा कई निर्माणाधीन कार्य पूरे कराये गये हैं एवं कुछ कार्य प्रगति पर हैं। विश्वविद्यालय के प्रशासनिक भवन एवं कुलपति आवास का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। इस भवन का निर्माण राजस्थान राज्य सड़क एवं विकास निर्माण निगम, कोटा द्वारा किया गया है। प्रशासनिक भवन की कुल लागत 12.63 करोड़ रुपये है। इस भवन का निर्माण कुल 4221 वर्गमीटर क्षेत्र में है जिसमें भूतल पर 34 व प्रथम तल पर 36 कमरों का निर्माण किया गया है।

भवन में विद्युत की निर्बाध आपूर्ति हेतु 100 किलावॉट का विद्युत सब स्टेशन स्थापित किया गया है। साथ ही पर्यावरण एवं ग्रीन टेक्नोलॉजी इनिशियेटिव को ध्यान में रखते हुए रूफ टाप सोलर पावर प्लांट की व्यवस्था की गई है।

भवन की छत से जल संग्रहण की पूर्ण व्यवस्था की गई है। छत से संग्रहित जल को फार्म पॉण्ड में संचय करके इसका उपयोग केम्पस में ही सूक्ष्म सिंचाई पद्धति द्वारा किया जा रहा है। भवन में हाई स्पीड इन्टरनेट कनेक्टिविटी, वाई-फाई, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम, सी.सी.टी.वी इन्टरकॉम इत्यादि की सम्पूर्ण व्यवस्था है।

1. कृषि विश्वविद्यालय कोटा : एक परिदृश्य

1.1 स्थापना एवं कार्यक्षेत्र

स्थापना

राजस्थान में कोटा संभाग कृषि की दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थान रखता है। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर एवं महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर से विघटित होकर राजस्थान सरकार के अधिनियम संख्या 22, 2013 द्वारा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को दक्षिणी-पूर्वी एवं पूर्वी राजस्थान के वर्षा आधारित एवं नहरी सिंचाई कृषि पारिस्थितिक स्थितियों में बहुमुखी कृषि विकास करने हेतु की गई। कृषि विश्वविद्यालय, कोटा राजस्थान के दक्षिणी-पूर्वी खण्ड में कोटा शहर के बोरखेड़ा में राष्ट्रीय राजमार्ग कोटा-बारां पर स्थित है।



कार्यक्षेत्र

इस विश्वविद्यालय का कार्य क्षेत्र छः जिलों कोटा, बून्दी, बारां, झालावाड़, करौली व सवाईमाधोपुर तक विस्तृत है। जिला कोटा, बून्दी, बारां व झालावाड़ राजस्थान जलवायु खण्ड V (आर्द्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं, जबकि सवाईमाधोपुर व करौली जिले राजस्थान जलवायु खण्ड III b (बाढ़ प्रभावित पूर्वी-मैदान क्षेत्र) के अन्तर्गत आते हैं। इस खण्ड का भौगोलिक क्षेत्रफल 34.37 लाख हैक्टेयर है तथा प्रदेश में इसका 9.98 प्रतिशत हिस्सा है।

1.2 लक्ष्य, उद्देश्य, मिशन एवं विजन

लक्ष्य और उद्देश्य

विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य किसानों, सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के संगठनों की जरूरत, बुनियादी आचरण के अनुरूप आवश्यकता आधारित कुशल जनशक्ति विकसित करना। मौजूदा एवं दीर्घकालीन समस्याओं का समाधान और ज्ञान के सशक्तिकरण के लिए मानव संसाधन विकास कार्यक्रमों का आयोजन करने के लिए अनुप्रयुक्त अनुसंधान, कृषक समुदाय के लिए प्रौद्योगिकी के लिए प्रभावी हस्तान्तरण करना है।

मिशन

इस विश्वविद्यालय का लक्ष्य इससे जुड़े क्षेत्रों में सतत कृषि उत्पादन वृद्धि हेतु नई एवं प्रभावी तकनीकी तथा मानव संसाधन का विकास करना है, जिससे अधिक खाद्यान्न उत्पादन, पोषण सुरक्षा, आय वृद्धि एवं वातावरण सुरक्षा बना रहे।

विजन

कृषि के सतत विकास के लिए व्यापक रूप में अनिवार्य कार्य और अन्य विकास एजेंसियों के साथ भागीदारी के माध्यम से कृषि विश्वविद्यालय, कोटा विशेष रूप से सामान्य और सेवा क्षेत्र में राजस्थान की ग्रामीण जनता के लिए आजीविका के संसाधन बढ़ाना है।

1.3 क्षेत्रफल, उत्पादन एवं उत्पादकता

राज्य में विश्वविद्यालय के कार्यक्षेत्र के अंतर्गत जलवायु खण्ड V व III b की खरीफ की प्रमुख फसलें सोयाबीन, धान, उड़द, मक्का, बाजरा एवं तिल हैं जिसका राज्य के कुल उत्पादन में क्रमशः 65.41, 65.07, 47.39, 5.66, 8.52 एवं 24.16 प्रतिशत हिस्सा है। इसी प्रकार रबी में गेहूँ, सरसों, चना, अलसी एवं मसूर हैं, जिनका राज्य की पैदावार में क्रमशः 28.85, 17.16, 15.71, 13.13 एवं 41.70 प्रतिशत हिस्सा है। मसाला फसलों में धनिया, लहसुन एवं मैथी में राज्य की पैदावार में क्रमशः 95.07, 68.02 एवं 8.29 प्रतिशत हिस्सा है। तथा आलू, प्याज एवं मटर में राज्य की पैदावार में क्रमशः 2.48, 1.38 एवं 8.00 प्रतिशत हिस्सा है। सन्तरा उत्पादन में पैदावार का 99.76 प्रतिशत हिस्सा है।



मुख्य फसलों का क्षेत्रफल, उत्पादन और उत्पादकता एवं विश्वविद्यालय का राजस्थान के परिपेक्ष में प्रतिशत हिस्सा

क्र. सं.	फसल	विश्वविद्यालय कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत			राज्य			राज्य के परिपेक्ष में विश्वविद्यालय क्षेत्र का हिस्सा (प्रतिशत)	
		क्षेत्रफल (हे०)	उत्पादन (टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे०)	क्षेत्रफल (हे०)	उत्पादन (टन)	उत्पादकता (किग्रा./हे०)	क्षेत्रफल	उत्पादन
1	धान	120226	312744	2601	219525	480554	2189	54.76	65.07
2	बाजरा	204532	430855	2105	424967	5052392	1189	4.81	8.52
3	मक्का	93280	64375	690	875162	1135433	1297	10.65	5.66
4	उड़द	280315	58609	209	502095	123671	246	55.82	47.39
5	मूंगफली	4515	8227	1822	734556	1612255	2195	0.614	0.510
6	तिल	59460	22117	372	279487	91524	327	21.27	24.16
7	सोयाबीन	726891	343605	472	1118566	525054	469	64.98	65.41
8	गेहूँ	827363	3729486	4507	3497209	13887656	3971	23.65	26.85
9	चना	231216	418267	1809	2463029	2660934	1080	9.38	15.71
10	सरसों	410457	738384	1799	2712609	4302785	1586	15.13	17.16
11	अलसी	1192	607	509	4795	4621	964	24.85	13.13
12	मसूर	7044	9806	1392	17024	23512	1381	41.37	41.70
13	मटर	796	2562	3218	13593	32012	2356	5.85	8.00
14	घनियाँ	65433	73229	1119	68784	77020	11198	95.12	95.07
15	मेथी	3735	5554	1487	46401	66925	1442	8.04	8.29
16	लहसून	57907	308104	5320	74926	452930	6045	77.28	68.02
17	आलू	426	6132	14394	12867	246419	19151	3.311	2.48
18	प्याज	3656	13805	3775	63101	997264	15804	5.79	1.38
19	सन्तरा	24143	482872	20000	24234.8	484002.2	19971	99.62	99.76

स्रोत : क्र.सं. 1 से 13 IVth advanced estimates 2019-20 Commissionerate of Agriculture, Rajasthan Jaipur,

स्रोत : क्र.सं. 14 से 19 Rajasthan Agricultural Statistics 2018-19

1.4 सूक्ष्म खेती परिस्थितियाँ

राजस्थान जलवायु खण्डों को खेती की परिस्थितियों जैसे वर्षा व मिट्टी के प्रकार आदि के आधार पर पुनः कई सूक्ष्म खेती परिस्थितियों में बांटा गया है इस विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाली सूक्ष्म खेती परिस्थितियाँ निम्न हैं :

1. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
2. वर्षा आधारित, अधिक वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
3. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, भारी कणाकार मृदायें
4. वर्षा आधारित, मध्यम वर्षा, मध्यम कणाकार मृदायें
5. सिंचित, भारी कणाकार मृदायें, केलकेरियस
6. सिंचित, मध्यम कणाकार मृदायें, नान-केलकेरियस
7. वर्षा आधारित, मध्यम भारी, कणाकार मृदायें

1.5 विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों में उपलब्ध भूमि का विवरण

क्र.सं.	इकाई का नाम	कुल भूमि (हे०)
1.	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	120.00
2.	कृषि महाविद्यालय, कोटा	39.75
3.	अनुसन्धान निदेशालय (कृषि अनुसन्धान केन्द्र, उपकेन्द्र एवं यांत्रिक कृषि फार्म)	682.09
4.	प्रसार शिक्षा निदेशालय (06 कृषि विज्ञान केन्द्र)	157.41
	कुल योग	999.25



1.6 संस्थागत संगठन



1.7 संगठनात्मक संगठन :



1.8 कार्यात्मक संगठन





1.9 विश्वविद्यालय अष्टम स्थापना दिवस

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की स्थापना 14 सितम्बर, 2013 को राज्य सरकार द्वारा की गई तथा अष्टम स्थापना दिवस 14 सितम्बर, 2020 को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में वर्चुअल मोड पर कोविड-19 की गाईड लाइन को ध्यान में रखते हुए मनाया गया। इस समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डी. सी. जोशी ने की जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. कर्नल ए.के. गहलोत सदस्य राज्यपाल सलाहकार मण्डल (राजस्थान) एवं पूर्व संस्थापक कुलपति, राजस्थान वेटेनरी एवं पशुधन विज्ञान विश्वविद्यालय, बीकानेर तथा मुख्य वक्ता एवं गेस्ट ऑफ ऑनर प्रो. एन. सी. पटेल पूर्व अध्यक्ष, भारतीय कृषि विश्वविद्यालय संघ (IAUA) एवं पूर्व कुलपति, जूनागढ़ व आनन्द कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात रहे।



मुख्य अतिथि ने कृषि क्षेत्र में नवीन योजनाओं व आयामों को अपनाने हेतु मुख्य रूप से नाहेप, कृषि, व्यापार एवं विपणन व नवीन शिक्षा नीति सहित संसाधन बढ़ाने तथा समन्वित कृषि पद्धति पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। मुख्य वक्ता ने कृषि के क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन तथा कटाई उपरान्त तकनीकों को अपनाने की आवश्यकता तथा कौशल विकास, स्टूडेंट रेडी व पशु पालन गतिविधियों को बढ़ाने की जरूरत बताई। कुलपति ने बीज से बाजार तक पहुँचने की आवश्यकता बताते हुए समस्त कर्मचारियों व विद्यार्थियों से अधिक समर्पण भाव से कार्य करने का आह्वान किया।

स्थापना दिवस समारोह में निदेशक अनुसंधान ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। समारोह का सीधा प्रसारण विश्वविद्यालय की सन्मी इकाईयों पर किया गया।

1.10 अकादमिक परिषद बैठक

विश्वविद्यालय के शिक्षा निदेशालय अन्तर्गत वर्ष 2020 में अकादमिक परिषद की 03 बैठकें क्रमशः 14वीं बैठक 06.02.2020, 15वीं बैठक 06.10.2020 तथा 16वीं बैठक 19.12.2020 को आयोजित की गईं जिनमें कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये। जिनमें मुख्य निम्न प्रकार हैं :-

14वीं अकादमिक परिषद बैठक दिनांक: 06.02.2020

- कृषि संकाय और उद्यानिकी एवं वानिकी संकाय हेतु विभिन्न विषयों की अध्ययनरत विषयवस्तु में आंशिक संशोधन का अनुमोदन।
- कृषि संकाय के विभिन्न विभागों की पाठ्यक्रम समितियों के पुनः संरचना का अनुमोदन।
- स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति हेतु परीक्षकों की सूची का अनुमोदन।
- पंचम डीन समिति के तहत उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में सामाजिक विज्ञान विभाग के सृजन का अनुमोदन।
- “राज्य स्तरीय जेट/प्री.पी.जी./पी.एच.डी. प्रवेश परीक्षा-2020” के बुकलेट, कमेटी, पारिश्रमिक एवं विशेषज्ञों का अनुमोदन।
- कृषि महाविद्यालय, कोटा के उद्यानिकी विभाग के अन्तर्गत विद्यावाचस्पति पाठ्यक्रम को प्रारम्भ किये जाने का अनुमोदन।

15वीं अकादमिक परिषद बैठक दिनांक :06.10.2020

- कोविड-19 महामारी के कारण महाविद्यालयों में ऑनलाईन कक्षाओं के संचालन की वजह से संसाधनों का विद्यार्थियों द्वारा सीमित उपयोग के कारण कुछ मदों में फीस की कटौती के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- शैक्षणिक पदों की भर्ती के चयन समिति के लिये 31 विषय के विशेषज्ञों की पैनल की अनुशंसा।
- कीट विज्ञान में स्नातकोत्तर एवं विद्या वाचस्पति की थिसिस के मूल्यांकन हेतु बाह्य परीक्षक सूची का अनुमोदन।



- संगठक महाविद्यालयों में नवसृजित 36 शैक्षणिक पदों का विषयवार बंटवारे का अनुमोदन।
- कैरियर एडवान्समेन्ट स्कीम के तहत शैक्षणिक पदों पर पदोन्नति हेतु स्क्रीनिंग, इवेल्यूवेशन एवं चयन समिति की सेमी ऑनलाईन मितिंग आयोजित करने का अनुमोदन।
- पुनः रचित विश्वविद्यालय कुलगीत का अनुमोदन।
- "जैविक खेती" एवं "संरक्षित फूल एवं सब्जी की खेती" में बारह सप्ताह की अवधि का प्रमाण पत्र, पाठ्यक्रम प्रारम्भ करने की सैद्धान्तिक अनुमति।
- चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में सत्र 2018-19 में उत्तीर्ण विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी में 51, विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) वानिकी में 15, विज्ञान-स्नातक (ऑनर्स) कृषि में 54 छात्रों को एवं विज्ञान-स्नातकोत्तर (उद्यानिकी) में 15 छात्रों, कुल 135 उपाधि प्रदान करने का ग्रेस पास का अनुमोदन।
- दीक्षान्त समारोह में सत्र 2018-19 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दिये जाने वाले विभिन्न स्वर्ण पदक यथा कुलाधिपति स्वर्ण पदक (1), कुलपति स्वर्ण पदक (1), विज्ञान स्नातकोत्तर स्वर्ण पदक (2) एवं विज्ञान स्नातक स्वर्ण पदक (2) का अनुमोदन।

16वीं अकादमिक परिषद बैठक दिनांक :19.12.2020

- शैक्षणिक पदों की भर्ती के चयन समिति के लिये राजस्थान लोक सेवा आयोग (RPSC) अजमेर द्वारा प्रदत्त सुझावों के अनुरूप 31 विषय के विशेषज्ञों की पैनल की अनुशंसा।



1.11 प्रबन्ध मंडल बैठक

प्रबन्ध मंडल की तीन बैठकें क्रमशः 14वीं बैठक दिनांक 26.06.2020, 15वीं बैठक दिनांक 12.11.2020 एवं 16वीं बैठक दिनांक 30.12.2020 को आयोजित की गई। इन बैठकों में लिये गये निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

14वीं प्रबन्ध मंडल बैठक दिनांक: 26.06.2020

- विशेषज्ञ पैनल को पुनः विचार हेतु विद्या परिसर को प्रेषित कर दिशा निर्देशानुसार कार्यवाही करने का निर्णय।
- वित्तीय वर्ष 2019-20 के संशोधित बजट एवं वित्तीय वर्ष 2020-21 के अनुमानित बजट का अनुमोदन। इसके साथ ही विश्वविद्यालय की आय एवं केन्द्र/राज्य सरकार से प्राप्त ब्लॉक ग्रांट बढ़ाने हेतु सुझाव।
- सेवानिवृत्त कर्मचारियों को परिलाभ दिये जाने का अनुमोदन करते हुए अन्तिम कार्यवाही करने से पूर्व राज्य सरकार से मार्ग दर्शन प्राप्त करने का निर्णय।
- झालावाड़ कृषि विज्ञान केन्द्र के फार्म की भूमि अधिग्रहण के बदले भूमि एवं मुआवजा प्राप्त करने हेतु प्रयत्न करने का निर्णय।
- सेवानिवृत्त कर्मचारियों की सेवा अवधि में विस्तार के लिये राज्य सरकार को कार्यवाही हेतु भिजवाने का निर्णय।
- कृषि महाविद्यालय कोटा में नवसृजित सहायक आचार्य के पद का विषय परिवर्तन हेतु अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न निदेशालयों एवं अन्य इकाईयों के लिये नवीन पद सृजन हेतु प्रस्ताव का अनुमोदन किया एवं जब तक राज्य सरकार से ये पद स्वीकृत किये जाकर भर्ती की जाये तब तक विभिन्न इकाईयों में उपलब्ध आयोजना भिन्न पदों को पुर्ननियुक्ति किये जाने हेतु सहमति।
- न्यायिक दावों से बचने के लिये समानान्तर शेष प्रकरणों का डॉ मनोज शर्मा एवं डॉ बच्चू सिंह के समान कैरियर एडवांसमेन्ट स्कीम के तहत विश्वविद्यालय स्तर की समिति द्वारा उचित परीक्षण करवाया जाकर निस्तारित किये जाने का निर्णय।



- कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज कोटा के प्रस्तावित भवन एवं कृषि विश्वविद्यालय कोटा के अतिथि गृह की डिजाईन एवं नक्शों का अनुमोदन।

15 वीं प्रबन्ध मंडल बैठक दिनांक: 12.11.2020

- व्यवसायिक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रमों की फीस रुपये 6000/ से घटाकर रुपये 4000/ करने का निर्णय।
- राज्य सरकार द्वारा स्वीकृत पदों पर अशैक्षणिक कर्मचारियों की भर्ती किसी एक विश्वविद्यालय द्वारा कॉमन भर्ती से करने के प्रस्ताव को अनुमोदित कर राज्य सरकार को भिजवाने का निर्देशन।
- कृषि विश्वविद्यालय कोटा से सम्बद्धता फीस 60 छात्रों की प्रवेश क्षमता के निजी कृषि महाविद्यालयों की 9.00 लाख रुपये तथा 120 छात्रों की प्रवेश क्षमता की सम्बद्धता फीस 12.00 लाख रुपये प्रतिवर्ष रखने का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय के परिनियम अध्याय-4 के क्लॉज 09 के तहत विभिन्न बोर्ड/देश एवं विदेश के विश्वविद्यालय द्वारा प्रदत्त उपाधि/परीक्षाओं की अनुरूपता पर विचार करने के लिये एक एक्ज्यूटेलेन्स समिति गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय के परिनियम अध्याय-4 के क्लॉज 10 के तहत शिक्षा परिषद के गठन करने का अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय के परिनियम अध्याय-4 के क्लॉज 11 के तहत स्पोर्ट्स बोर्ड गठन करने का अनुमोदन।
- राज्य सरकार द्वारा जारी किये गये निर्देशानुसार आरक्षण रोस्टर विश्वविद्यालय पर लागू किये जाने की अनुशंसा।
- विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में सत्र 2018-19 में उत्तीर्ण विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी में 51, विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) वानिकी में 15, विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) कृषि में 54 छात्रों को एवं विज्ञान स्नातकोत्तर (उद्यानिकी) में 15 छात्रों सहित कुल 135 उपाधि प्रदान करने का ग्रेस पास अनुमोदन।
- विश्वविद्यालय के चतुर्थ दीक्षान्त समारोह में सत्र 2018-19 में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को दिये जाने वाले विभिन्न स्वर्ण पदक यथा कुलाधिपति स्वर्ण पदक (1), कुलपति स्वर्ण पदक (1), विज्ञान स्नातकोत्तर स्वर्ण पदक (2) एवं विज्ञान स्नातक स्वर्ण पदक (2) का अनुमोदन।



16 वीं प्रबन्ध मंडल बैठक दिनांक: 30.12.2020

विश्वविद्यालय के नियम एवं परिनियम अनुसार एवं The Rajasthan Universities' Teachers and Officers (Selection for appointment) Act, 1974 के दिशा-निर्देशानुसार विद्या परिषद में अनुमोदन उपरान्त आर.पी.एस.सी. समिति द्वारा निर्धारित प्रारूप में कैरियर एडवान्समेंट स्कीम (सी.ए.एस.) एवं शैक्षणिक पदों पर सीधी भर्ती हेतु 31 विषयों के विशेषज्ञों के पैनल का अनुमोदन।

1.12 वरिष्ठ अधिकारी परिषद (SOC) बैठक

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की "वरिष्ठ अधिकारी परिषद" की पंचम बैठक कुलपति प्रो. डी. सी. जोशी की अध्यक्षता में दिनांक 03.06.2020 को आयोजित की गई। बैठक के दौरान निदेशक (प्रसार शिक्षा) ने पिछले वर्ष की बैठक की कार्यवाही विवरण, अनुशंसा एवं क्रियान्वयन की स्थिति से अवगत कराया।

कुलपति महोदय ने कोविड-19 एवं लॉकडाउन की विषम परिस्थितियों के दौरान विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों द्वारा समयबद्ध कृषि एवं अन्य कार्यों को सफलतापूर्वक अंजाम देने पर प्रसन्नता व्यक्त की और बताया कि शिक्षकों द्वारा





ऑनलाईन विधि से पाठ्यक्रम पूरे कराये गये। इस महामारी के दौरान भी अनुसंधान वैज्ञानिकों द्वारा अनुसंधान प्रस्ताव व प्रगति प्रतिवेदन तैयार किये गए। प्रसार वैज्ञानिकों द्वारा किसानों से निरन्तर संवाद रखते हुए ई-प्रशिक्षण व प्रदर्शन आयोजित किये। प्रशासन एवं वित्त स्टाफ द्वारा समन्वय बनाते हुए कार्यों को सम्पन्न करवाया। भारत सरकार एवं राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर दिये गये निर्देशानुसार कोविड-19 गाइड लाईन की पालना की गई।

कुलपति महोदय ने बैठक के दौरान विश्वविद्यालय के होने वाले एक्रिडिटेशन हेतु तैयारी, अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएँ AICRP परियोजनाएँ जिनमें केवल एक सीजन का कार्य हो उनके अन्तर्गत कार्यरत वैज्ञानिकों को दूसरी जिम्मेदारियाँ, फार्मों की उत्पादकता बढ़ाने की आवश्यकता पर ध्यान देने के निर्देश प्रदान किये।

कुलसचिव द्वारा वार्षिक मूल्यांकन प्रतिवेदन, सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार भर्ती हेतु आरक्षण रोस्टर, पुराने रिकॉर्ड्स के निस्तारण हेतु गाइड लाईन सहित केन्द्रों के सिव्युरिटी प्रबंधन पर विस्तृत जानकारी दी। वित्त नियंत्रक द्वारा ऑडिट पैरा अनुपालना रिपोर्ट, विश्वविद्यालय के रिबोल्विंग फण्ड क्रियान्वयन के लिये गाइड लाईन व पेंशन हेतु राज्य सरकार से सहायता प्रदान करने इत्यादि पर चर्चा की। अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, कोटा द्वारा राज्य के सभी विश्वविद्यालयों की सभी उपाधियों हेतु समान फीस ढांचा, निदेशक मानव संसाधन द्वारा सी.ए.एस. एवं सीपी भर्ती हेतु स्कोर कार्ड की जानकारी, निदेशक छात्र कल्याण द्वारा राज्य स्तरीय साहित्यिक, सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिता संबंधी जानकारी, जन सम्पर्क अधिकारी द्वारा कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय के विभिन्न इकाईयों द्वारा किये गये कार्यों की रिपोर्ट, नोडल अधिकारी वेबसाइट द्वारा विश्वविद्यालय की वेबसाइट को अधिक प्रभावी बनाने हेतु कार्यक्रमों की जानकारी, अतिरिक्त निदेशक बीज द्वारा निदेशक (बीज एवं फार्म) पद सुजित किये जाने की आवश्यकता संबंधी जानकारी दी।



1.13 वित्त समिति बैठक

वित्तीय वर्ष 2020-21 के दौरान विश्वविद्यालय वित्त समिति की 6वीं बैठक दिनांक 08.06.2020 को आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से जो निर्णय लिये गये उनमें वर्ष 2019-20 में भविष्य निधि पर दिये जाने वाले ब्याज का निर्धारण तथा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों को दिये जाने वाले कर्मचारी कल्याण कोष का पुनः निर्धारण शामिल है।

1.14 प्रसार शिक्षा परिषद बैठक

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की प्रसार शिक्षा परिषद की तृतीय बैठक दिनांक 27.01.2020 को कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार में प्रोफेसर डी. सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक के विशिष्ट अतिथि डॉ. घनश्याम तिवारी, पूर्व निदेशक प्रसार शिक्षा, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर एवं डॉ. इन्द्र नारायण गुप्ता, पूर्व निदेशक, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय कोटा रहे। बैठक में निम्नलिखित मुख्य निर्णय लिए गये :-

- विश्वविद्यालय के कृषि विज्ञान केन्द्रों पर ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव कार्यक्रम हेतु निजी कृषि विश्वविद्यालय/निजी महाविद्यालयों के छात्रों से रु. 5000/- मासिक तथा राज्य के अन्य कृषि विश्वविद्यालयों के छात्रों से रु. 3000/- मासिक शुल्क निर्धारित।
- कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र के सभागार को उपयोग में लेने हेतु एन. जी. ओ. एवं निजी संस्थाओं से रु. 10,000/- प्रतिदिन किराया निर्धारित।





- प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका "अभिनव कृषि" के सम्पादक मण्डल का गठन किया गया तथा पत्रिका में विज्ञापन की दरों तथा सदस्यता शुल्क का अनुमोदन किया गया।
- विश्वविद्यालय में रोजगार उन्मुख कौशल दक्षता पाठ्यक्रम क्रमशः "उद्यानिकी फसलों की संरक्षित खेती" तथा "जैविक खेती" पर प्रारम्भ किया जाना।
- सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर जैविक खेती की जीवन्त इकाई लगाना।
- विश्वविद्यालय में शैक्षणिक म्यूजियम विकसित करने हेतु कमेटी का गठन किया गया तथा विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों की डॉक्यूमेंट्री बनाने हेतु कमेटी का गठन किया गया।



1.15 अनुसंधान परिषद बैठक

अनुसंधान परिषद की तृतीय बैठक दिनांक 15.01.2020 को कृषि अनुसंधान केन्द्र के सभागार में आयोजित की गई जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो. डी. सी. जोशी द्वारा की गई। बैठक के विशिष्ट अतिथि डॉ. ए. आर. पाठक पूर्व कुलपति नवसारी व जूनागढ़ कृषि विश्वविद्यालय गुजरात एवं डॉ. जेड. एस. सोलंकी संस्थापक कुलपति कृषि विश्वविद्यालय, कोटा रहे। बैठक में निम्नलिखित विशेष निर्णय लिये गये :-



- विभिन्न विषयों पर रिसर्च सब कमेटी का गठन
- विश्वविद्यालय स्तर पर उन्नत बीज उत्पादन सूक्ष्म सिंचाई, बागवानी फसलों के विकास, जैविक खेती समन्वित कृषि प्रणाली एवं कीट प्रबन्धन आदि पर अनुसंधान पर महत्व।
- विश्वविद्यालय की बीज नीति, ब्रान्ड नेम, रजिस्ट्रेशन आदि पर चर्चा
- क्षेत्रीय, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के अनुसार अनुसंधान व विकास कार्यों की रूप रेखा तैयार करने हेतु वैज्ञानिकों को निर्देश



1.16 बोर्ड ऑफ स्टडीज बैठक विवरण (कृषि महाविद्यालय कोटा)

कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज कोटा के बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक दिनांक 30.12.2019 को आयोजित की गई जिसमें लिये गये अनुमोदित निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

- सभी विभागों के स्नातक/स्नातकोत्तर/विद्यावाचस्पति के पाठ्यक्रम सामग्री में गौण बदलाव।
- अनुभवात्मक शिक्षण ईकाईयों का अनुमोदन।
- विभिन्न विभागों की कोर्स कमेटियों का पुनः निर्धारण।
- आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को आरक्षण देने के लिए स्नातक पाठ्यक्रम में 10 प्रतिशत सीटों की बढ़ोतरी।
- महाविद्यालय विकास परिषद का गठन किया गया।

1.17 बोर्ड ऑफ स्टडीज बैठक विवरण (उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़)

विश्वविद्यालय के उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ के बोर्ड ऑफ स्टडीज की बैठक दिनांक 08.11.2020 को आयोजित की गई जिसमें लिये गये अनुमोदित निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

- पांचवी बोर्ड ऑफ स्टडीज के मिनट्स की पुष्टि।
- महाविद्यालय के लिये विभिन्न विभाग के पाठ्यक्रम समिति के पुनर्गठन को मंजूरी।



- बोर्ड ऑफ स्टडीज के पुनर्गठन को मंजूरी।

1.18 शिक्षा परिषद बैठक विवरण

विश्वविद्यालय की शिक्षा परिषद की प्रथम बैठक दिनांक 02.09.2020 को आयोजित की गई जिसमें लिये गये निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

- पी.जी. नियमों में रिवीजन संबंधी चर्चा।
- विद्यार्थियों द्वारा मिनिमम वांछित सेमेस्टर की पूर्णता होने पर जिसमें केवल थिसिस बाकी है, से अगले सेमेस्टर की रजिस्ट्रेशन फीस थिसिस सबमिट या सेमेस्टर की अपर लिमिट तक ही चार्ज की जावेगी।
- प्रोविजनल डिग्री प्रमाण पत्र फाईनल थिसिस सबमिट कराने के उपरान्त ही जारी किया जावेगा।
- थिसिस के ले-आउट एवं बाह्य व अन्दर के पृष्ठों पर लिखित मेटर पर चर्चा।
- विद्यार्थी द्वारा फाईनल थिसिस जमा कराने व मिनिमम आवासीय अर्हता पूर्ण होने पर उसे जोब करने की अनुमति।
- पी. जी नियमों के लिये बैक-लॉक व विदडॉल सेमेस्टर के दौरान स्नातक उपाधि अनुसार पूर्ण करने संबंधी चर्चा।
- थिसिस जमा कराने संबंधी पत्र के फॉर्मेट का निर्धारण।
- 2019-20 सत्र के दौरान द्वितीय सेमेस्टर के फाईनल परीक्षा न होने की स्थिति में विद्यार्थियों को प्रमोट करने के फॉर्मूला का अनुमोदन।

1.19 बिल्डिंग समिति बैठक विवरण

विश्वविद्यालय की बिल्डिंग समिति की दो बैठकें यथा 6वीं बैठक दिनांक 05.02.2020 एवं 7वीं बैठक दिनांक 23.06.2020 को आयोजित की गई जिसमें लिये गये निर्णयों का विवरण निम्न प्रकार है :-

6वीं बिल्डिंग समिति की बैठक दिनांक: 05.02.2020

- आर.एस.आर.डी.सी. द्वारा निर्मित विश्वविद्यालय के नये प्रशासनिक भवन का चार्ज लेने का निर्णय।
- आर. एस. आर. डी. सी. द्वारा प्रशासनिक भवन के पास में पार्किंग शेड निर्माण कराने का निर्णय।
- विश्वविद्यालय के गेस्ट हाउस, कृषि महाविद्यालय कोटा के प्रशासनिक भवन, क्लासरूम व परीक्षा हॉल के डिजाइन व ड्रॉइंग का अनुमोदन।
- कृषि महाविद्यालय परिसर के मुख्य अप्रोच रोड निर्माण हेतु चर्चा।
- विश्वविद्यालय भवन पर सोलर सिस्टम स्थापना संबंधी चर्चा।

7वीं बिल्डिंग समितिकी बैठक दिनांक: 23.06.2020

- कृषि महाविद्यालय कोटा के मुख्य भवन संबंधी तकनीकी स्वीकृति पर चर्चा।
- कृषि महाविद्यालय कोटा के नये भवन का कार्य आर.एस.आर.डी.सी. द्वारा कराये जाने का निर्णय।
- कृषि महाविद्यालय कोटा के गर्ल्स होस्टल निर्माण संबंधी चर्चा।
- विश्वविद्यालय प्रशासनिक भवन के नजदीक बनाये जाने वाले पार्किंग शेड हेतु यू.डी.एफ. से कराये जाने की सहमति।



1.20 स्वतंत्रता दिवस एवं गणतंत्र दिवस समारोह

गणतंत्र दिवस

कृषि विश्वविद्यालय कोटा, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड एवं कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज, कोटा सहित विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों द्वारा 26 जनवरी 2020 को 71वां गणतंत्र दिवस बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। मुख्य समारोह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया जिसमें कुलपति प्रो. डी. जोशी ने अपना संदेश देते हुए सम्बोधित किया। इस समारोह में वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्ट सेवाओं के लिए विभिन्न पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



स्वतंत्रता दिवस

कृषि विश्वविद्यालय कोटा, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड एवं कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज, कोटा सहित विश्वविद्यालय की सभी इकाईयों द्वारा 15 अगस्त 2020 को 74वां स्वतंत्रता दिवस कोविड-19 गाईड लाईन को ध्यान में रखते हुए मनाया गया। कुलाधिपति एवं राज्यपाल के निर्देशानुसार विश्वविद्यालय परिसर में वृक्षारोपण भी किया गया। मुख्य समारोह विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित किया गया जिसमें कुलपति प्रो. डी.सी. जोशी ने अपना संदेश देते हुए सम्बोधित किया। इस मौके पर सभी अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।



1.21 कृषि विश्वविद्यालय का प्रशासनिक भवन का ई-लोकार्पण

कृषि विश्वविद्यालय कोटा के प्रशासनिक भवन का ई-लोकार्पण राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत एवं माननीय कृषि व पशुपालन मंत्री श्री लालचन्द्र कटारिया द्वारा दिनांक 18.12.2020 को किया गया। प्रशासनिक भवन का निर्माण 4221 वर्गमीटर क्षेत्र में किया गया जिसमें भूतल पर 34 व प्रथम तल पर 36 कमरे निर्मित किये गए तथा कुल लागत 12.63 करोड़ रुपये रही।

इस भवन में कुलपति सचिवालय, कुलसचिव कार्यालय, वित्त नियंत्रक कार्यालय, विभिन्न निदेशालय एवं अन्य विभागों के कार्यालयों के लिए पर्याप्त स्थान है। इसके अतिरिक्त इसमें सुसज्जित कान्फ्रेंस हॉल एवं मीटिंग हॉल सम्मिलित हैं। भवन में हाई स्पीड इन्टरनेट कनेक्टिविटी, वाई-फाई, विडियो कॉन्फ्रेंसिंग सिस्टम, सी.सी.टी.वी इन्टरकॉम इत्यादि की सम्पूर्ण व्यवस्था है।



विद्युत की निर्बाध आपूर्ति हेतु 100 किलोवॉट का विद्युत सब स्टेशन स्थापित किया गया है। साथ ही पर्यावरण एवं ग्रीन टेक्नोलॉजी इनिशियेटिव को ध्यान में रखते हुए रूफ टाप सोलर पावर प्लांट की व्यवस्था की गई है।

छत से जल संग्रहण की पूर्ण व्यवस्था की गई है। छत से संग्रहित जल को फार्म पॉण्ड में संचय करके इसका उपयोग कैम्पस में ही सूक्ष्म सिंचाई पद्धति द्वारा किया जा रहा है।





विशिष्ट गतिविधियाँ एवं उपलब्धियाँ

2. शैक्षणिक

2.1 उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में उद्यानिकी एवं वानिकी में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति की उपाधि प्रदान करने वाला पहला महाविद्यालय है। इस महाविद्यालय की स्थापना वर्ष 2004 में झालावाड़ में की गई।

इस महाविद्यालय की स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी में 61, स्नातक (ऑनर्स) वानिकी में 66, स्नातकोत्तर उद्यानिकी में कुल 15 (सब्जी विज्ञान 05, फल विज्ञान 05, पुष्प व भूपरिदृश्य में 03, फसलोत्तर तकनीक में 02) स्नातकोत्तर वानिकी में कुल 20 (सिल्वी कल्चर व एग्रो फोरेस्ट्री 05, वन उत्पाद एवं उपयोग 05, वन जीव विज्ञान एवं वृक्ष सुधार 05, वाईल्ड लाईफ साइन्स में 05) व विद्यावाचस्पति उद्यानिकी में 03 एवं विद्यावाचस्पति वानिकी में 02 सीट सहित कुल 167 सीट की प्रवेश क्षमता है। इस समय महाविद्यालय में कुल 426 विद्यार्थी पंजीकृत हैं जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-



2.1.1 कुल पंजीकृत विद्यार्थी ;(अकादमिक सत्र 2019-20)

क्र.सं.	शैक्षणिक उपाधि	छात्रों की संख्या											
		अनुसूचितजाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		विदेशी		कुल	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1	स्नातक	46	17	25	8	152	57	35	13	0	0	258	95
2	स्नातकोत्तर	8	2	9	2	22	6	6	7	1	0	46	17
3	विद्यावाचस्पति	3	0	1	1	3	1	1	0	0	0	8	2
4	कुल योग	57	19	35	11	177	64	42	20	1	0	312	114

2.1.2 कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा

कृषि महाविद्यालय, उम्मेदगंज, कोटा में स्नातक (आनर्स) कृषि, स्नातकोत्तर कृषि (शस्य विज्ञान, उद्यान विज्ञान, मृदा विज्ञान, पादप रोग विज्ञान, आनुवांशिकी व प्रजनन विज्ञान, कीट विज्ञान, प्रसार विज्ञान) तथा विद्यावाचस्पति कृषि (शस्य विज्ञान, आनुवांशिकी एवं प्रजनन विज्ञान व पादप रोग विज्ञान) के पाठ्यक्रम संचालित किये जा रहे हैं। जिसमें 192 विद्यार्थी पंजीकृत हैं। जिनका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :-

2.1.3 कुल पंजीकृत विद्यार्थी (अकादमिक सत्र 2019-20)

क्र. सं.	शैक्षणिक उपाधि	छात्रों की संख्या													
		अनुसूचित जाति		अनुसूचित जनजाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		ईडब्ल्यूएस		एमबीसी		कुल	
		छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा	छात्र	छात्रा
1	स्नातक	18	05	08	02	50	06	20	05	05	04	03	01	104	23
2	स्नातकोत्तर	04	01	15	04	13	07	05	03	01	-	-	-	38	16
3	विद्यावाचस्पति	01	-	01	02	04	02	01	-	-	-	-	-	06	05
4	कुल	23	06	24	08	67	15	26	08	06	04	03	01	148	44



इस महाविद्यालय की स्नातक (ऑनर्स) कृषि में 68, स्नातकोत्तर कृषि में कुल 30 (शस्य विज्ञान 05, उद्यान विज्ञान 04, मृदा विज्ञान 04, पादप रोग विज्ञान 04, आनुवांशिकी व प्रजनन विज्ञान 05, कीट विज्ञान 04, प्रसार विज्ञान 04) व विद्यावाचस्पति कृषि में कुल 06 (शस्य विज्ञान 02, आनुवांशिकी एवं प्रजनन विज्ञान 02 व पादप रोग विज्ञान 02) की कुल 102 सीट की प्रवेश क्षमता है।

2.1.4 शैक्षणिक उन्नयन हेतु नई पहल

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में जनवरी-फरवरी 2020 के दौरान भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अनुसूचित जाति सब प्लान के तहत स्नातक और स्नातकोत्तर (उद्यानिकी एवं वानिकी) के छात्रों के लिए कॉलेज द्वारा ट्यूटोरियल लेक्चर सीरीज का आयोजन किया गया। नवसारी कृषि विश्वविद्यालय, नवसारी (गुजरात) वानिकी महाविद्यालय, रानी चौरी, केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान नई दिल्ली, रानी लक्ष्मीबाई कृषि विश्वविद्यालय, झाँसी और राजस्थान कृषि महाविद्यालय, उदयपुर के विशेषज्ञों ने लेक्चर श्रृंखला के दौरान अपने व्याख्यान दिये।

2.1.5 प्रशिक्षण / वेबिनार आयोजन विवरण

क्र. सं.	शीर्षक	अवधि	प्रतिभागी विवरण	आयोजक
1	वेबिनार- i. कोविड-19 प्रकोप के पश्चात् गुणवत्ता युक्त उत्पादन में जैविक खेती की उपयोगिता	10.06.2020	देश के विभिन्न प्रान्तों से 3300 से भी अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया जिसमें 15 से अधिक प्रतिभागी नेपाल से थे।	कृषि महाविद्यालय, कोटा
	ii. कोविड-19 महामारी के दौरान कृषकों के हितार्थ कृषि प्रसार एवं सलाहकार सेवाएँ	24.07.2020	देश के विभिन्न प्रान्तों से 450 से भी अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया इस वेबिनार में 06 नाइजरिया, 03 नेपाल एवं 02 प्रतिभागी बांग्लादेश से थे।	कृषि महाविद्यालय, कोटा
	iii. कृषि में सतत उत्पादन के लिए जलवायु परिवर्तन के मध्य नजर अनुकूलन और रणनीतियाँ	11.08.2020	देश के विभिन्न प्रान्तों से 875 से भी अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की।	कृषि महाविद्यालय, कोटा
	iv. पादप कार्बिकी एवं जैव रसायन विभाग द्वारा खाद्य एवं पोषण सुरक्षा	16.09.2020	देश के विभिन्न प्रान्तों से 515 से भी अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।	कृषि महाविद्यालय, कोटा
	v. National Webinar on Avenues in Horticulture in post covid scenario	08.06.2020	83 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	vi. National Webinar on Food and immunity in fight against COVID	19.06.2020	85 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	vii. National webinar on SCM and value addition of perishable horticultural crops during covid-19	23.06.2020	80 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	viii. Webinar on Forest Conservation and Tree improvement in India	27.06.2020	87 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	ix. National Webinar on Wildlife Conservation.	01.07.2020	93 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	x. Webinar on Avenues in Forestry for Farmers and Students.	3-4.07.2020	100 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	xi. National webinar on Recent biotechnological advancement in horticultural crops	15.07.2020	100 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

प्रशिक्षण :				
2	i. मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण	13-19.02.2020	30 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	ii. फल उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण	19-20.02.2020	50 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	iii. बागवानी फसलों की उन्नत उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण	24.02.2020	30 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	iv. नर्सरी कामगार प्रशिक्षण	26.02.2020 to 21.03.2020	20 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	v. मशरूम उत्पादन प्रशिक्षण	27.02.2020 to 04.03.2020	30 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	vi. फल उत्पादन तकनीक प्रशिक्षण	06.03.2020	50 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
	vii. पौधशाला प्रबंधन प्रशिक्षण	12-13.03.2020	30 प्रतिभागी	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

ऑनलाइन वेबिनार आयोजन



2.1.6 राष्ट्रीय संगोष्ठी :- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के सहयोग से 30-31 जनवरी 2020 के दौरान राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा कार्यक्रम (NAHEP) – आईजी ग्रांट के तहत “स्मार्ट हॉर्टिकल्चर” विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन डी.आर.डी.ओ. नई दिल्ली के पूर्व निदेशक पद्मश्री डॉ. बहूमा सिंह, डॉ. के. के. सिंह, पूर्व डी.डी.जी बागवानी, आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली, कृषि विश्वविद्यालय कोटा के पूर्व कुलपति डॉ. जीएल केशवा, कृषि विश्वविद्यालय कोटा के माननीय कुलपति प्रो.डी.सी. जोशी और निदेशक एन.आर.सी.एस, अजमेर ने किया। राष्ट्रीय संगोष्ठी में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों और संस्थानों के 250 वैज्ञानिकों, संकाय सदस्यों और विद्वानों ने भाग लिया और देश में बागवानी के वर्तमान परिदृश्य और बागवानी उत्पादन को बढ़ाने के लिए स्मार्ट बागवानी के तरीकों के कार्यान्वयन पर चर्चा की



2.1.7 उद्यमिता के लिए सॉफ्ट स्किल्स के विकास पर कार्यशाला :- झालावाड़ के उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय में 12 फरवरी 2020 को कृषि स्नातकों के बीच उद्यमिता के लिए सॉफ्ट स्किल्स के विकास पर राष्ट्रीय कृषि उच्च शिक्षा कार्यक्रम (NAHEP) घटक 2ए के तहत आईसीएआर-राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रबन्ध अकादमी, हैदराबाद द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़



के डीन डॉ आई बी मौर्य, कृषि विश्वविद्यालय कोटा के निदेशक छात्र कल्याण डॉ जितेंद्र सिंह, तथा प्रोफेसर एन. सी. गोयल ने किया। कार्यशाला के दौरान चार सत्र हुए जिसमें विशेषज्ञों ने प्रस्तुति और खेल के माध्यम से व्यक्तित्व विकास पर छात्रों का मार्ग दर्शन किया।



2.1.8 ग्रामीण कृषि कार्य अनुभव (RAWE/HWE)

2.1.8.1 स्नातक (उद्यानिकी)

उद्यानिकी (ऑनर्स) चतुर्थ वर्ष के छात्रों को 24 अप्रैल से 16 मई 2020 तक विभिन्न बागवानी आधारित उद्योग जैसे इंडियन ओवरसीज एग्रीकल्चर प्लैनेट बीकानेर, धनवंत्री नर्सरी, झालावाड़, सरोनिया संतरा किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड, स्वामी विवेकानंद जैविक कृषि अनुसन्धान केंद्र, मानपुरा, और पंजाब नेशनल बैंक फार्मर ट्रेनिंग सेंटर, झालावाड़ में ऑनलाइन माध्यम से 21 दिवसीय औद्योगिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। ऑनलाइन माध्यम से समिति के सदस्यों द्वारा छात्रों की अंतिम प्रस्तुति का मूल्यांकन किया गया।

2.1.8.2 स्नातक (वानिकी)

स्नातक वानिकी (ऑनर्स) के आठवें सेमेस्टर छात्रों का वानिकी कार्य अनुभव कार्यक्रम गुणवत्ता रोपण सामग्री का उत्पादन और विपणन विषय पर चलाया गया। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न वन वृक्ष प्रजातियों के बीजों के द्वारा जैसे अल्बिसिया प्रॉसेरा, बौहिनिया वेरगेट, कैसिया फिस्टुला, डालबर्गिया सिस्सो, होलोप्टेलिया इन्डोप्रिफोलिया, मैनिलकारा हेक्सेंद्र, थेस्पेसिया पोपलनिया, राइटिया टिटोरिया तथा लॉसोनिया इनरमिस और बोगेनविलिया ग्लैब्राबीजों को कटिंग के द्वारा उगाने का प्रशिक्षण दिया गया।

2.1.9 विद्यार्थी गतिविधियाँ

2.1.9.1 सांस्कृतिक गतिविधियाँ

निबंध प्रतियोगिता :- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में 5 जून 2020 के छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा "कोविड 19 और लॉकडाउन एवं प्रदूषण में कमी" विषय पर ऑनलाइन राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न कृषि विश्वविद्यालयों के कुल 60 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

चित्रकला एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता :- 10 जून 2020 को छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में राष्ट्रीय ऑनलाइन चित्रकला एवं फोटोग्राफी प्रतियोगिता 2020, "कोविड 19 अभिशाप वन्य जीवों के लिए वरदान" विषय पर आयोजित की गई। चित्रकला और फोटोग्राफी प्रतियोगिता में देश भर के विभिन्न विश्वविद्यालयों के 500 से अधिक छात्रों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय ऑनलाइन एकल नृत्य प्रतियोगिता :- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में छात्र कल्याण निदेशालय के तत्वाधान में राष्ट्रीय ऑनलाइन एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें शास्त्रीय एवं लोक नृत्य श्रेणी के एकल नृत्य प्रतियोगिता में देश के सभी कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान के विश्वविद्यालय का विद्यार्थियों की अर्हता थी। इस प्रतियोगिता में दोनों वर्गों में 54 प्रतिभागियों को योग्य माना गया। प्रतियोगिता में ओडिशा, गुजरात, केरल, महाराष्ट्र, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, असम, बिहार, तेलंगाना, कर्नाटक, मेघालय, उत्तराखंड एवं कश्मीर के कृषि एवं पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालयों से विद्यार्थियों ने भाग लिया।

2.1.9.2 राष्ट्रीय सेवा योजना

कृषि महाविद्यालय कोटा द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई का विशेष शिविर 25-31.01.2020 तक ग्राम उम्मेदगंज में आयोजित किया गया। जिसमें कृषि स्नातक प्रथम वर्ष के 67 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना विशेष शिविर :- महाविद्यालय की एनएसएस इकाई





द्वारा 15-21 फरवरी 2020 के दौरान एनएसएस स्वयं सेवियों के लिए विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान संकाय सदस्यों द्वारा भारतीय नागरिकों के मौलिक कर्तव्यों और अधिकारों, भारतीय संविधान, गांधीवादी जीवन, नेतृत्व गुणों और लक्ष्यों को तय करने और कार्य रणनीतियों को तय करने के तरीकों पर विभिन्न व्याख्यान दिए गए। शिविर के दौरान छात्रों ने संचार कौशल सुधार, पोस्टर मेकिंग, परिसर और आसपास के गांव में श्रमदान, निबंध, भाषण और वाद-विवाद प्रतियोगिता और मॉक पार्लियामेंट जैसी कई गतिविधियों में भाग लिया।



राष्ट्रीय सेवा योजना ई-क्वज प्रतियोगिता :- एनसीसी यूनिट, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा 18 जून 2020 को "कोविड-19 महामारी सामान्य जागरूकता" पर ई-क्वज प्रतियोगिता आयोजित की गई।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस :- एनएसएस स्थापना दिवस 24 सितंबर 2020 को मनाया गया। अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय डॉ. आई. बी. मौर्य, कृषि विश्वविद्यालय कोटा के निदेशक छात्र कल्याण, डॉ जितेन्द्र सिंह, द्वारा एनएसएस स्वयं सेवकों को संबोधित किया गया।



2.1.9.3 शैक्षणिक भ्रमण

शैक्षणिक भ्रमण :- 18 से 27 फरवरी 2020 के दौरान के चतुर्थ वर्ष के छात्रों के लिए एक शैक्षणिक भ्रमण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 10 दिनों के शैक्षणिक भ्रमण के दौरान स्टूडेंट्स ने कृषि महाविद्यालय जोधपुर, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान जोधपुर, स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय, बीकानेर, बीकाजी इन्डस्ट्री, बीकानेर, केन्द्रीय कटाई उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना, रॉक एण्ड रोज गार्डन, चण्डीगढ़, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, बिरला प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान संस्थान पिलानी और श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय जोबनेर का भ्रमण किया।



2.1.9.4 गणतंत्र दिवस / स्वतंत्रता दिवस / सदभावना दिवस

गणतंत्र दिवस :- कृषि महाविद्यालय, कोटा व उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ के कॉलेज परिसर में 71वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। कॉलेज के छात्रों ने अपनी सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।





स्वतंत्रता दिवस :- कृषि महाविद्यालय, कोटा व उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ के कॉलेज परिसर में 74वां स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। स्वतंत्रता दिवस पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ जितेंद्र सिंह और अन्य संकाय सदस्यों ने अपना भाषण दिया। कृषि विश्वविद्यालय कोटा से प्राप्त निर्देशानुसार 15 अगस्त 2020 को महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में कॉलेज स्टाफ ने भाग लिया और कॉलेज परिसर में गुलमोहर, मौलसिरी, नीम और सागौन के पौधे लगाए।



सद्भावना दिवस :- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में 20 अगस्त 2020 को सद्भावना दिवस कार्यक्रम को ऑनलाइन मोड में आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एनएसएस छात्रों को निदेशक कल्याण और महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई. बी. मौर्य ने सम्बोधित किया एवं भारतीय समुदायों के बीच सांप्रदायिक सद्भाव राष्ट्रीय अखंडता शांति और भलाई को बढ़ावा देने के लिए भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर इस दिन के महत्व की जानकारी दी।

2.1.9.5 वृक्षा रोपण कार्यक्रम

कृषि महाविद्यालय, कोटा के नवनिर्मित छात्रावास के परिसर में कुलपति महोदय प्रो. डी. सी. जोशी एवं विश्वविद्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा दिनांक 21.07.2020 को वृक्षा रोपण किया गया।

15 अगस्त 2020 को महाविद्यालय में वृक्षारोपण कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में कॉलेज स्टाफ ने भाग लिया और कॉलेज परिसर में गुलमोहर, मौलसिरी, नीम और सागौन के पौधे लगाए।

2.1.9.6 राष्ट्रीय मतदाता दिवस :- 25 जनवरी 2020 को झालावाड़ कॉलेज में दसवां राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया गया। इस दिन छात्रों ने प्रतिभागियों के साथ मतदाता पंजीकरण और मतदान प्रक्रिया पर अपने ज्ञान को साझा किया। कृषि विश्वविद्यालय कोटा के निदेशक छात्र कल्याण और सहायक निदेशक छात्र कल्याण ने राष्ट्रीय लोकतंत्र में चुनाव की भूमिका और देश में चुनाव के महत्व पर व्याख्यान दिया। अन्य संकाय सदस्यों ने भी छात्रों को संबोधित किया और उनसे अपील की कि वे प्रत्येक प्रकार के चुनाव में भाग लें। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों द्वारा मतदाता दिवस की शपथ ली गई।



2.1.9.7 अंतरराष्ट्रीय योग दिवस :- महाविद्यालयों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं छात्रों द्वारा 21 जून को उनके घर पर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया। इस अवसर पर स्टाफ और छात्रों ने परिवार के सदस्यों के साथ विभिन्न प्राणायाम और आसनो का अभ्यास किया।



2.1.9.8 युवा महोत्सव

विश्वविद्यालय के 12 विद्यार्थियों ने इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़ में 08 से 12 फरवरी 2020 तक आयोजित एग्री - यूनिफेस्ट 2020 में भाग लिया और माइम प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।



2.1.9.9 पार्थेनियम उन्मूलन सप्ताह :-18 से 22 अगस्त 2020 पार्थेनियम उन्मूलन

कार्यक्रम का आयोजन उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ एवं कृषि महाविद्यालय कोटा के परिसर में आयोजित किया गया और महाविद्यालय के छात्रों ने भी अपने घर के आस पास पार्थेनियम हटाकर ऑनलाइन प्रतिक्रिया भेजी। सभी कर्मचारियों और महाविद्यालय के संकाय सदस्य इस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर कॉलेज परिसर में और उसके आसपास पार्थेनियम उखाड़ने में अपनी सेवा प्रदान की। टीम का नेतृत्व महाविद्यालय के अधिष्ठाता और कृषि विश्वविद्यालय कोटा के छात्र कल्याण निदेशक ने किया।



2.1.9.10 शिक्षक दिवस :-

ऑनलाइन मोड पर 05 सितम्बर 2020 को शिक्षक दिवस मनाया गया। माननीय कुलपति प्रो. डी. सी. जोशी ने छात्रों और शिक्षकों को संबोधित किया और छात्रों को सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय रूप से शामिल होने के लिए प्रेरित किया और संकाय सदस्यों को कोविड-19 लॉकडाउन अवधि के दौरान प्रौद्योगिकी और ई शिक्षण उपकरणों के द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर निदेशक छात्र कल्याण डॉ. जितेन्द्र सिंह, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय डॉ. आई. बी. मौर्य, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, कोटा डॉ. एम. सी. जैन ने भी छात्रों को संबोधित किया।



2.1.9.11 हिंदी दिवस :-

महाविद्यालय में हिंदी दिवस के मौके पर 14 सितम्बर 2020 को कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय व निदेशक छात्र कल्याण, संकाय सदस्य और एनएसएस स्वयंसेवक, हिंदी दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए तथा हिन्दी के महत्त्वता के बारे में प्रकाश डाला।



2.1.9.12 महात्मा गाँधी जयंती :-

उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ व कृषि महाविद्यालय, कोटा में 2 अक्टूबर 2020 को राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की शुरुआत महापुरुषों को श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. प्रणव देव, सह प्राध्यापक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झालावाड़ ने महापुरुषों के जीवन मूल्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आई. बी. मौर्य, एवं कृषि विश्वविद्यालय कोटा के निदेशक छात्र कल्याण डॉ. जितेन्द्र सिंह द्वारा भी विचार व्यक्त किये गए। इस अवसर पर महात्मा गाँधी पर लिखी पुस्तकों का प्रदर्शन किया गया।



2.1.9.13 अन्य गतिविधियाँ

नो मास्क-नो एंट्री :- कोविड-19 जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ एवं कृषि महाविद्यालय, कोटा में 06 अक्टूबर 2020 को हुआ। कोविड-19 सुरक्षा और जागरूकता के लिए छात्रों और शिक्षकों के लिए महाविद्यालय में शपथ ग्रहण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।



2.1.9.14 संविधान दिवस :- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ में 26 नवंबर 2020 को ऑन लाइन मोड में संविधान दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के अधिष्ठाता ने संविधान के मूल उद्देश्य एवं कर्तव्यों पर प्रकाश डाला। निदेशक, छात्र कल्याण ने भी प्रतिभागियों को मूल कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में बता कर सभी से राष्ट्र के विकास में भागीदारी का आव्हान किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के कर्मचारियों, एन एस एस, एन सी सी एवं छात्रों ने सक्रिय भागीदारी की।



2.1.9.15 कृषि शिक्षा दिवस :- कृषि महाविद्यालय, कोटा एवं एनएसएस यूनिट, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा प्रथम राष्ट्रपति श्री राजेंद्र प्रसाद की जयंती "कृषि शिक्षा दिवस" के रूप में 3 दिसंबर 2020 को ऑनलाइन मोड के माध्यम से मनाई गई। भारत रत्न श्री राजेन्द्र प्रसाद जी के कार्यों को याद किया और इनसे प्रेरणा लेने को प्रोत्साहित किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के छात्रों ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्कूल के छात्रों को कृषि क्षेत्र में अवसरों के बारे में अवगत कराया गया।



2.1.9.16 मृदा दिवस :- 5 दिसंबर 2020 को महाविद्यालय में मृदा दिवस मनाया गया। प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग द्वारा एक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें महाविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया।

2.1.10 महाविद्यालय में संचालित विशेष परियोजनाओं का विवरण

क्र. सं.	परियोजना का नाम	अवधि	प्रारम्भ	स्थान
1	National Agricultural Higher Education Project (NAHEP)	3 years	2017-18	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़
2	Bio efficacy and phyto toxicity evaluation of fungicide GPF 1617 against diseases of cucumber	2 years	Oct 2020	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़

3. अनुसंधान निदेशालय

3.1 अनुसंधान निदेशालय अंतर्गत विभिन्न इकाइयों पर उपलब्ध भूमि का विवरण

क्र.सं.	इकाई का नाम	उपलब्ध कुल भूमि (हेक्टेयर)
1.	कृषि अनुसंधान केंद्र, कोटा	80.05
2.	यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा	485.00
3.	कृषि अनुसंधान उपकेंद्र, अकलेरा	43.29
4.	कृषि अनुसंधान उपकेंद्र, खानपुर	52.80
5.	कृषि अनुसंधान उपकेंद्र, सुल्तानपुर	21.50
	कुल योग	682.09



3.2 उद्देश्य, मुख्य कार्य एवं जाँचीय कार्य

उद्देश्य

- आवश्यकतानुसार कृषि अनुसंधान की योजना, समन्वय एवं परिवेक्षण करना।
- टिकाऊ उत्पादन हेतु उपयुक्त उत्पादन तकनीकियों का विकास करना।
- बीज उत्पादन कार्यक्रम का समन्वय एवं परिवेक्षण करना।
- विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान कार्य हेतु राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ संबंध स्थापित करना।
- परामर्श सेवाओं का विस्तार करना

विश्वविद्यालय क्षेत्र की आवश्यकतानुसार खेत एवं प्रयोगशाला संबन्धित अनुसंधान कार्यो को मुख्य व जांच कार्य में वर्गीकृत किया है जो निम्न प्रकार से है :-

मुख्य कार्य

- सोयाबीन, मूलार्प (मूंग, उड़द, मसूर, खेसारी, राजमा व मटर), रोपित/सीधी बुआई धान, अरहर, समन्वित कृषि प्रणाली, सिंचाई जल प्रबंधन, चना, आलू, गन्ना, अलसी, सरसों, जल व मृदा प्रबंधन एवं सूक्ष्म पोषक तत्व प्रबंधन गेहू व जी, मसूर, मटर (बटला), शुष्क क्षेत्र फल (बील, इमली, सीताफल, लहसोडा), संतरा, अमरूद, इत्यादि पर अनुसंधान कार्य सम्पादित करना।

जाँचीय कार्य

- बीजीय मसाले, गेहू व जी, बारानी कृषि परियोजना, प्याज व लहसुन एवं मौसम विज्ञान सलाह।

3.3 क्षेत्रीय अनुसन्धान एवं विस्तार सलाहकार समिति बैठक

खरीफ बैठक

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर संभागीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक दिनांक 20-21 मई, 2020 को आयोजित की गई। जिसमें कोटा खण्ड हेतु सोयाबीन की नई किस्में एन. आर. सी. 127 की सिफारिश की गई। उत्पादन तकनीकी सिफारिश में मूंग की खड़ी फसल में सोडियम एसीपलोरफिन 16.5 प्रतिशत+क्लोडिनाफॉप प्रोपारजिल 8 प्रतिशत का 187.5 ग्राम सक्रिय तत्व/हे (व्यवसायिक दर 750 मिली/हे.) बुवाई के 15-20 दिन बाद छिड़काव की सिफारिश की गई। अरबी फसल को वृहत क्यारी कूड विधि (90 सेमी. वृहत क्यारी पर दो पक्तियां) या मेंड कूड विधि (60 सेमी. की दूरी) से बुवाई कर सिंचाई आई. डब्ल्यू./सी.पी.ई 1.0 अनुपात पर सिंचाई करके अधिक उत्पादन लिया जा सकता है। उक्त बैठक में डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, डॉ. एन. एल. मीणा, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, डॉ. रामावतार शर्मा संयुक्त निदेशक (कृषि), कोटा खण्ड, श्री पी. के. गुप्ता संयुक्त निदेशक (उद्यानिकी), कोटा खण्ड एवं कृषि अनुसंधान केन्द्र व कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिकों तथा कोटा खण्ड के कृषि अधिकारियों ने भाग लिया।



रबी बैठक

कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा पर संभागीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति रबी 2020 की बैठक दिनांक 17-18 सितम्बर, 2020 को डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में रबी की विभिन्न फसलों के लिए 12 एवं उद्यानिकी फसलों के लिए 5 कुल 17 तकनीकी





सिफारिशें अनुमोदित की गईं। जिसमें देशी चना की देरी से बुवाई के लिए किस्म जी.एन.जी. 2144, देशी चना कोटा चना-1, कोटा काबुली चना-1, मसूर की कोटा मसूर-3, मटर (बटला) की कोटा मटर 1 तथा अलसी की कोटा बाराणी अलसी 5 आदि किस्मों की कोटा खण्ड के लिए सिफारिश की गई हैं। बैठक में डॉ. रामावतार शर्मा, संयुक्त निदेशक कृषि, श्री पी. के. गुप्ता, संयुक्त निदेशक उद्यान, श्री बलवन्त सिंह, परियोजना निदेशक (सी.ए.डी.), उप निदेशक (ए.टी.सी., बूंदी), प्रोजेनी ऑर्गनाइज, उप निदेशक, (ए.टी.सी.) नान्ता तथा कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं कोटा, बूंदी, बारा, झालावाड़, सवाईमाधोपुर व करौली के कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं ग्राह्य अनुसंधान केन्द्रों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में विगत वर्ष 2019-20 के रबी सीजन के अनुसंधान व प्रसार कार्यों का प्रस्तुतीकरण किया गया तथा आगामी रबी सीजन 2020-21 की फसलों के अनुसंधान एवं प्रसार की कार्य योजनाएं बनाई गईं।

3.4 प्रशिक्षण आयोजन

क्र. स.	दिनांक	विषय	प्रतिभागी संख्या	
1.	24-25 जनवरी 2020	मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण	27 मधुमक्खी पालक	
2	24 जनवरी 2020	आलू में व्याधि प्रबंधन प्रशिक्षण	50 किसान	
3	13-14 फरवरी 2020	मसाला फसलों की उन्नत खेती	75 किसान	MIDH योजनाअन्तर्गत
4	16-17 फरवरी 2020	मसाला फसलों की उन्नत खेती	101 किसान	MIDH योजनाअन्तर्गत
5	17-18 फरवरी 2020	आलू की उन्नत खेती	25 किसान	
6	19-20 फरवरी 2020	सरसों उत्पादन तकनीक पर प्रशिक्षण	20 कृषि पर्यवेक्षक	
7	06-07 मार्च 2020	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत दक्षिण पूर्वी राजस्थान क्षेत्रों में किनोवा एवं चिया की उत्पादकता एवं लाभप्रदता बढ़ाने के लिए उन्नत तकनीकियाँ	50 किसान	

3.4.1 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अन्तर्गत मधुमक्खी पालन पर आयोजित प्रशिक्षण

क्र. सं.	प्रशिक्षण स्थल	प्रशिक्षण की अवधि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज- कोटा	24-25 जनवरी 2020	27 प्रशिक्षित मधुमक्खी पालक
2.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज- कोटा	27-28 जनवरी 2020	29 प्रशिक्षित मधुमक्खी पालक
3.	पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना	04-06 फरवरी 2020	19 प्रशिक्षित मधुमक्खी पालक
4.	राज्य कृषि प्रबन्ध संस्थान, कोटा	17-18 फरवरी 2020	28 ग्रामीण युवक
5.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज- कोटा	27-28 फरवरी 2020	24 ग्रामीण युवक
7.	ग्राम- डगावद, जिला- कोटा	11-12 मार्च 2020	46 ग्रामीण युवक
8.	ग्राम- खड़िया, जिला- कोटा	13-14 मार्च 2020	40 ग्रामीण युवक
9.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज- कोटा	15-16 मार्च 2020	26 ग्रामीण युवक
10.	कृषि विज्ञान केन्द्र, प्रतापगढ़	17-18 मार्च 2020	55 ग्रामीण युवक
11.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज- कोटा	19-20 मार्च 2020	28 ग्रामीण युवक




3.4.2 भारतीय कृषि कौशल परिषद द्वारा प्रायोजित मधुमक्खी पालन प्रशिक्षण (200 घण्टे)

क्र. सं.	प्रशिक्षण स्थल	प्रशिक्षण की अवधि	
1.	कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज- कोटा	13 फरवरी से 08 मार्च 2020 (25 कार्य दिवस) प्रतिभागियों की संख्या : 20 युवक	



3.5 अनुसन्धान की मुख्य उपलब्धियाँ




3.5.1 विभिन्न फसलों की विकसित की गई किस्में

क्र. सं.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएँ	
1	2020	अलसी	कोटा बारानी अलसी 5 (आर एल-290 05)	यह किस्म राजस्थान के असिधित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त पाई गयी है। इस किस्म के फूल सफेद एवं दाने मोटे होते हैं। यह किस्म 132-135 दिन में पककर 11-14 किंघ/हे- दाना उपज देती है एवं इसमें 36 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म झुलसा एवं उखटा रोग व कलिका मक्खी कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।	
2	2020	मसूर	कोटा मसूर 3 (RKL 605-03)	शीघ्र बढ़ने वाली सूखा एवं पकाव अवधि में अधिक तापमान के लिए सहनशील एवं बड़े व आकर्षक दानों वाली परिधियाँ रोयेदार एवं उकठा के प्रति मध्यम प्रतिरोध पकाव अवधि 105 दिन उपज 18-20 किंवटल/हेक्टर प्राप्त हो जाती है।	
3	2020	उड़द	कोटा उड़द 3 (KPU 524-65)	राजस्थान राज्य के लिए विकसित शीघ्र व एक साथ 92 दिन में पकने वाली किस्म एवं फलियाँ मुख्य तना पर लगती हैं। दाना बड़ा एवं काला व आकर्षक होता है। पीत चितकबरा रोग (MYMV), पत्ती धब्बा रोग व एन्थ्रक्नोज के लिए प्रतिरोधी है व उपज 11-13 किंवटल /हेक्टर प्राप्त हो जाती है।	
4	2020	उड़द	कोटा उड़द 4 (KPU 12-1735)	उत्तरी पूर्वी मैदानी क्षेत्र (झारखण्ड एवं पश्चिमी बंगाल एवं उड़ीसा, असम, सिक्किम तथा पूर्वी राज्यों के मैदानी क्षेत्र सम्मिलित हैं) के लिए बसंतकालीन बुवाई हेतु संस्तुत किस्म से 12-13 किंवटल /हेक्टर प्राप्त होती है। शीघ्र बढ़ने वाली एवं मोटे आकर्षक दाने वाली एवं सक्रोस्पोरा पत्ती धब्बा रोग एवं पीत चितकबरा रोग(MYMV),एवं वेब ब्लाइट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी किस्म है।	
5	2020	मटर	कोटा मटर 1 (KPF 101)	राजस्थान राज्य के लिए संस्तुत मटर की शीघ्र व एक साथ पकने वाली किस्म कोटा मटर 1 (के पी एफ-101) मध्यम आकार का गोल दाना है (100 दानों का भार 19.6 ग्राम). यह किस्म भी 110-115 दिनों में परिपक्व होकर प्रति हेक्टर 19-21 किंवटल तक उपज देने में सक्षम है। यह किस्म छाछया व तुलरिता रोग व जड़ गांठ सुत्रकृमि व लोजिंग के प्रति प्रतिरोधी है।	



3.5 अनुसन्धान की मुख्य उपलब्धियाँ

3.5.1 विभिन्न फसलों की विकसित की गई किस्में

क्र. स.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएँ	
6	2020	मसूर	कोटा मसूर 4 (RKL 58 F 3715)	शीघ्र बढ़ने वाली एवं मध्यम पकाव अवधि (112 दिन) एवं दाना बड़ा (3.33 ग्राम प्रति 100 दानों का वजन) एवं उपज 18 से 29 क्विंटल / हेक्टर। रस्ट एवं स्टेमफीलियम झुलसा के लिए मध्यम प्रतिरोधी किस्म है। फली छेदक व माहू (चेंपा) का प्रकोप कम होता है।	
7	2020	चना	आर के जी 13-515 (कोटा देसी चना 1)	मध्यम छोटे दाने की किस्म है (100 दानों का भार 18-20 ग्राम), जो 105-115 दिनों में परिपक्व होकर 18-20 क्विंटल प्रति हेक्टर तक उपज देने में सक्षम है। यह किस्म उकटा और जड़ गलन के प्रति प्रतिरोधी से मध्यम प्रतिरोधी है।	
8	2020	चना	आर के जी 13-271 (कोटा काबुली चना-1)	मध्यम आकार का गोल दाना है (100 दानों का भार 30-32 ग्राम), यह किस्म भी 110-120 दिनों में परिपक्व होकर प्रति हेक्टर 15-18 क्विंटल तक उपज देने में सक्षम है। यह किस्म उकटा और जड़ गलन के प्रति प्रतिरोधी से मध्यम प्रतिरोधी है।	



3.5.2 विभिन्न फसलों की सिफारिश की गई किस्में

क्र. स.	वर्ष	फसल	किस्म	प्रमुख विशेषताएँ
1.	खरीफ 2020	सोयाबीन	एन आर सी 127	फूल सफेद, बीज मध्यम आकार का पीला रंग एवं काली नाभिका। पकाव अवधि 97-101 दिन उत्पादन क्षमता 20-23 क्विंटल/हेक्टर तेल की मात्रा 18-19 प्रतिशत पीतशिरा मोजेक रोग से प्रतिरोधी सोयाबीन के बीज में भोजन के उपयोग के लिये एन्टी न्यूट्रीशनल कारक के रूप में कुनित्ज ट्रिपसिन इन्हीबीटर नामक तत्व मौजूद
2.	रबी 2020-21	चना	जी.एन.जी. 2144	इस किस्म में दोहरे फूल एवं फलियाँ आती हैं व यह देरी से बुवाई हेतु (दिसंबर के पहले सप्ताह) उपयुक्त है। इसका दाना छोटा (100 दानों का भार 16-17 ग्राम) होता है। यह किस्म 125-130 दिन में परिपक्व होकर 25 क्विंटल प्रति हेक्टर उपज देती है। इसमें प्रोटीन की मात्रा 21 प्रतिशत है और यह उखटा, जड़ गलन एवं झुलसा रोग के लिए सहिष्णु होती है।
3.	रबी 2020-21	चना	आर के जी 13-515 (कोटा देसी चना 1)	मध्यम छोटे दाने की किस्म है (100 दानों का भार 18-20 ग्राम), जो 105-115 दिनों में परिपक्व होकर 18-20 क्विंटल प्रति हेक्टर तक उपज देने में सक्षम है। यह किस्म उकठा और जड़ गलन के प्रति प्रतिरोधी से मध्यम प्रतिरोधी है।
4.	रबी 2020-21	चना	आर के जी 13-271 (कोटा काबुली चना-1)	मध्यम आकार का गोल दाना है (100 दानों का भार 30-32 ग्राम), यह किस्म भी 110-120 दिनों में परिपक्व होकर प्रति हेक्टर 15-18 क्विंटल तक उपज देने में सक्षम है। यह किस्म उकठा और जड़ गलन के प्रति प्रतिरोधी से मध्यम प्रतिरोधी है।
5.	रबी 2020-21	मसूर	आर के एल 605-03 13-271(कोटा मसूर-3)	मोटा आकार का दाना है (100 दानों का भार 3.17 ग्राम), यह किस्म भी 105 दिन में परिपक्व होकर प्रति हेक्टर 18-20 क्विंटल तक उपज देने में सक्षम है। यह किस्म उकठा के प्रति मध्यम प्रतिरोधी व फली छेदक व चैपा कीट का प्रकोप कम पाया गया है।
6.	रबी 2020-21	बटला	कोटा मटर 1 (के पी एफ-101)	मध्यम आकार का गोल दाना है (100 दानों का भार 19.6 ग्राम), यह किस्म भी 113 दिनों में परिपक्व होकर प्रति हेक्टर 19-21 क्विंटल तक उपज देने में सक्षम है। यह किस्म छाछया व तुलसिता रोग व जड़ गाठ सूत्रकृमि व लोजिंग के प्रति प्रतिरोधी है।
7.	रबी 2020-21	अलसी	कोटा बारांनी अलसी 5 (आर एल-29005)	यह किस्म राजस्थान के असिचित क्षेत्रों हेतु उपयुक्त पाई गयी है। इस किस्म के फूल सफेद एवं दाने मोटे होते हैं। यह किस्म 132-135 दिन में पककर 11-14 विंव/हे- दाना उपज देती है एवं इसमें 36 प्रतिशत से अधिक तेल की मात्रा पायी जाती है। यह किस्म झुलसा एवं उखटा रोग व कलिका मक्खी कीट के प्रति मध्यम प्रतिरोधी पायी गयी है।



3.5.3 राजस्थान जलवायु खण्ड V के लिये फसल, फल एवं सब्जी उत्पादन हेतु तकनीक विकसित एवं सिफारिशों का विवरण

क्र.सं.	फसल	सिफारिश
1.	मूंग	मूंग के अधिक उत्पादन हेतु सोडियम एसीपलोरफेन 16.5 प्रतिशत + क्लोडिनाफॉप प्रोपारजिल 8 प्रतिशत ई.सी. (मिश्रित उत्पाद) का 187.5 ग्राम सक्रिय तत्व/हे (व्यवसायिक दर 750 मिली/हे) की दर से बुवाई के 15-20 दिन बाद छिड़काव करने पर संकरी एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों का प्रभावी नियंत्रण पाया गया।
2.	अरबी	अरबी फसल को वृहत ब्यारी कूड (2 पंक्तियां) या मेंड कूड में बुवाई करके आई.डब्ल्यू./सी.पी.ई. 1.0 अनुपात से सिंचाई करने पर अधिक राईजोम उपज प्राप्त होती है।
3.	सरसों	सिंचित क्षेत्रों में सरसों की बुवाई 10 से 30 अक्टूबर तक करें तथा पंक्ति से पंक्ति की दूरी 30 से 45 सेमी और पौधे से पौधे की दूरी 10 सेमी रखनी चाहिए।
4.	सरसों	सिंचित क्षेत्रों में द्वि-फसलीय चक्र (प्रणाली) में 100 किलोग्राम नाइट्रोजन, 50 किलोग्राम फास्फोरस, 30 किलोग्राम पोटेशियम, 50 किलोग्राम सल्फर और 30 किलोग्राम जिंक सल्फेट प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करने से सरसों में प्रति बीघा फलियों की संख्या, बीज की उपज, शुद्ध आय व लाभ में वृद्धि पायी गई है।
5.	गेंहू	गेंहू फसल में एक सिंचाई कल्ले निकलने की उत्तरावस्था पर रोककर एवं पुट्रिशसिन 75 पी.पी.एम. का पर्णाय छिड़काव कल्ले निकलने की उत्तरावस्था पर करने से अधिक दाना उपज (4375 किग्रा. प्रति है.) जल उपयोग दक्षता (15.62 किग्रा. प्रति है. प्रति मिमी.), शुद्ध आय (रु.61286 प्रति है.) एक सिंचाई वाली निकलने व दूधिया अवस्था की तुलना में अधिक प्राप्त होती है। परन्तु एक सिंचाई कल्ले निकलने की उत्तरावस्था पर रोककर एवं पुट्रिशसिन 25 पी.पी.एम. का पर्णाय छिड़काव कल्ले निकलने की उत्तरावस्था पर करने से अधिक लाभ: लागत अनुपात (2.13) पुट्रिशसिन के अधिक सान्द्रता का पर्णाय छिड़काव कल्ले निकलने की उत्तरावस्था की तुलना में अधिक प्राप्त हुआ।
6.	अरबी	अरबी फसल को वृहत ब्यारी कूड विधि (2 पंक्ति) रोपाई/बुवाई के साथ सिंचाई श्यूडूल आई.डब्ल्यू./सी.पी.ई. अनुपात 1.0 पर करने से अधिक कन्द उपज (209.0 किग्रा. प्रति है.), जल उपयोग दक्षता (20.1 किग्रा. प्रति है. प्रति मिमी.), शुद्ध आय (रु.190322 प्रति है.) एवं लाभ: लागत (1.55) समतल विधि से रोपाई/बुवाई के साथ सिंचाई श्यूडूल आई.डब्ल्यू./सी.पी.ई. अनुपात 0.6 की तुलना में अधिक प्राप्त हुई।
7.	राई घास	राई घास की बुवाई 25 अक्टूबर से 5 नवम्बर के मध्य करने पर हरे चारे की अधिक उपज प्राप्त होती है। नत्रजन 150 किलो प्रति हेक्टर देने से अधिक उपज व लाभ प्राप्त होगा।
8.	टमाटर	टमाटर की संकर किस्मों को 75 x 45 सेमी पर रोपाई करने की सिफारिश की जाती है। टमाटर की संकर किस्मों के लिये एनपीके (225:150:100) किलोग्राम प्रति हेक्टर उर्वरक प्रयोग की सिफारिश की जाती है।
9.	मैथी	मैथी की फसल में वैपा नियन्त्रण हेतु रसायन थायोमिथोक्साम 25 डब्ल्यू.जी./ 0.5 ग्राम प्रति लीटर पानी का छिड़काव 15 दिन के अन्तराल से आवश्यकतानुसार करने पर प्रभावी नियन्त्रण पाया गया।
10.	धनियाँ	धनियाँ की फसल में वैपा नियन्त्रण हेतु फूल आने के 30 दिन बाद डाईपेन्थूरान 50 डब्ल्यू.पी. / 1 ग्राम प्रति लीटर या जैव रसायन एजाडीरेक्टिन 10000 पीपीएम / 2 एम.एल प्रति लीटर पानी का छिड़काव नैपतेक स्प्रेयर द्वारा प्रभावी पाया गया। धनियाँ की फसल में वैपा नियन्त्रण हेतु सामान्य खरपतवार पत्तियों का अर्क लेन्टाना पत्तियों का अर्क 10 प्रतिशत, पार्थनियम पत्तियों का अर्क 10 प्रतिशत, धतूरा पत्तियों का अर्क 10 प्रतिशत का छिड़काव 10 दिन के अन्तराल से आवश्यकतानुसार करने पर प्रभावी नियन्त्रण पाया गया।
11.	अनार	अनार में वैपा नियन्त्रण हेतु बायोएजेन्ट ब्यूवेरिया बैसियाना / 5 एम.एल प्रति लीटर पानी का पर्णाय छिड़काव 10 दिन के अन्तराल से आवश्यकतानुसार करने पर प्रभावी नियन्त्रण पाया गया।



3.5.4 किसानों के खेत पर आयोजित अग्रिम पक्ति प्रदर्शन

रबी 2019-20 एवं जायद 2020 में कुल 135 प्रदर्शन 79.2 हेक्टेयर में लगाये गये प्रदर्शनों में स्थानीय तकनीक के तुलना में 7.75 से 30.97 प्रतिशत उत्पादन में वृद्धि हुई। इसके अतिरिक्त खरीफ में 104 प्रदर्शन 57 हेक्टेयर में लगाये गये। प्रदर्शनों में स्थानीय तकनीकी की तुलना में 15.06 से 26.96 प्रतिशत वृद्धि हुई। विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र. सं.	फसल	किरम	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्रफल	परिणाम (किग्रा/हे०)		प्रतिशत वृद्धि	शुद्ध आय में वृद्धि (रु/हे)
					प्रदर्शन	स्थानीय		
रबी 2019-20								
1.	सरसो	गिरिराज	30	15	22.78	19.71	16.19	10642
2.	चना	जी.एन.जी 1958	10	10	23.25	19.60	18.62	13969
3.	मसूर	कोटा मसूर-2	25	25	17.81	13.61	30.97	—
4.	गेहूँ	राज. 4238	18	7.2	55.69	58.83	13.65	4206
5.	आलू	कुफरी बहार	32	13	325.1	301.7	7.75	15070
6.	अलसी (सिंचित)	प्रताप अलसी-2	05	02	18.05	15.87	13.87	7810
6.	अलसी (असिंचित)	कोटा बारानी अलसी-3 कोटा बारानी अलसी-4	05	02	14.34	12.51	14.62	6535
7.	मूंग (जायद)	आई.पी.एम	10	05	12.13	9.73	24.91	10963
खरीफ 2020								
1.	सोयाबीन	आर के एस-113	10	04	13.35	11.28	19.98	4282
2.	सोयाबीन	जे एस-20-34	20	08	13.88	12.01	15.6	4300
3.	उड़द	प्रताप उड़द-1	84	45	10.17	8.01	26.96	8019





3.5.5 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन पर प्रक्षेत्र दिवस का आयोजन

दिसम्बर 2020 तक 05 प्रक्षेत्र दिवस आयोजित किये गये जिसमें 150 किसानों ने भाग लिया।

क्र.सं.	दिनांक	गांव का नाम	फसल	प्रतिभागियों की संख्या
1	24.01.2020	अर्जुनपुरा	आलू	50 किसान
2	03.02.2020	जखाना	आलू	36 किसान
3	15.12.2020	सालरी	अरहर	22 किसान
4	15.12.2020	चंदलोही	अरहर	23 किसान
5	15.12.2020	आटरवाड़ा	अरहर	19 किसान



3.6 अनुसंधान निदेशालय अन्तर्गत संवाहित विभिन्न परियोजनाएं

कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा पर वर्तमान में विभिन्न फसलों/विषयों पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद द्वारा वित्त पोषित 14 अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजनाएं और 7 वॉलेंटर अनुसंधान परियोजनाएं विश्वविद्यालय परिक्षेत्र के लिए उच्च उत्पादकता के लिए फसल सुधार और उत्पादन और संरक्षण प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए संवाहित की जा रही हैं। इनके अलावा 20 राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजनाएं, 6 एडहॉक परियोजनाएं और 49 कॉर्पोरेट क्षेत्र की वित्त पोषित परियोजनाएं क्षेत्र की जरूरत के अनुसार बुनियादी ढांचे और उत्पादन प्रौद्योगिकियों को विकसित करने के लिए ली जा रही हैं।

I. अखिल भारतीय समन्वित सिंचाई जल प्रबंधन अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- विभिन्न कृषि-परिस्थिति प्रणाली के लिए जल उपयोग दक्षता और जल उत्पादकता बढ़ाने के लिए छोटे भूमि धारकों हेतु सतह एवं दाबीय सिंचाई प्रणालियों का डिजाइन, विकास और शोधन करना।
- सिंचाई जल प्रबंधन के बदलते परिदृश्य के तहत मिट्टी-पौधे-जल-पर्यावरण संबंध पर बुनियादी अध्ययन।
- सतत फसल उत्पादन के लिए सतही जल और भूजल संसाधनों के संयुक्त उपयोग के लिए प्रबंधन रणनीति विकसित करना।



II. अखिल भारतीय समन्वित चावल अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- निर्यात हेतु चावल की ज्यादा उपज, कम ऊंचाई, नहीं बिखरने वाली, पतले लंबे दाने की खुसबूदार किस्मों को विकसित करना
- प्रतिरोपित एवं सीधी धान की अधिकतम उपज प्राप्त करने के लिए उपयुक्त फसल ज्यामिति, बुवाई विधि, कुशल उर्वरक प्रबंधन एवं आर्थिक खरपतवार प्रबंधन तकनीकी आदि के लिए पैकेज विकसित करना।
- धान की कम अवधि की देरी से बुवाई के लिये उपयुक्त किस्मों को विकसित करना।
- चावल की मध्यम समय में पकने वाली बौनी किस्मों में जल्दी पकने के साथ अच्छे गुणवत्ता युक्त लक्षणों का समावेश करना
- पारंपरिक प्रजनन विधियों द्वारा नयी प्रजनन सामग्री को विकसित करना
- नाभिकिय एवं प्रजनन बीज उत्पादन





III. अखिल भारतीय समन्वित सोयाबीन अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- सोयाबीन के आनुवंशिक संसाधनों का मूल्यांकन।
- स्थान विशिष्ट की उच्च उपज के साथ अन्य वांछनीय लक्षणों और बेहतर कृषि पद्धतियों वाली किस्मों का विकास करना।
- आनुवंशिक शुद्धता का रखरखाव और प्रजनक बीज का उत्पादन।
- पोषक तत्वों, कीटों, बीमारियों, पानी और खरपतवारों के एकीकृत प्रबंधन का शोधन और स्थापन।
- प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण।



IV. अखिल भारतीय समन्वित अलसी अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- समन्वित परीक्षण एवं स्टेशन परीक्षणों का संचालन करना।
- नई कम अवधि में पकने वाली और उच्च उपज की किस्मों की पहचान और विकास करना।



V. अखिल भारतीय समन्वित मुलार्प अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- उड़द, मसूर, व मटर के जनन द्रव्य का संग्रहण, मूल्यांकन तथा रखरखाव।
- संकरण एवं प्रेरित उत्परिवर्तन द्वारा विभिन्नता उत्पन्न करना।
- उड़द की मुख्य बीमारियों (पीत सिरा वायरस, पत्ती कुंचन, सर्कोस्फोरा एवं पत्ती धब्बा रोग) की प्रतिरोधक एवं विभिन्न पकाव अवधि वाली पादप वंशावलियां विकसित करना।
- मसूर की शीघ्र पकने वाली, कोलर रोट की प्रतिरोधक एवं मोटे दाने वाली किस्में विकसित करना।
- मटर की अधिक उपज व शीघ्र पकने वाली किस्में विकसित करना।
- सिंचित व उच्च उर्वरता हेतु राजमा की शीघ्र पकने वाली व अधिक उपज वाली किस्में व महत्वपूर्ण किस्मों के प्रजनक बीज का उत्पादन करना।
- उत्पादकता बढ़ाने हेतु उपयुक्त शस्य तकनीक विकसित करना, दालो को शामिल करते हुए अधिक उत्पादक फसल पद्धति का चिन्हीकरण।





VI. अखिल भारतीय समन्वित चना अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- चने की विभिन्न जनन द्रव्यों का संकलन, मूल्यांकन एवं विशिष्टीकरण
- जैविक एवं अजैविक कारको के प्रति प्रतिरोधक किस्में विकसित करना
- स्थायी उत्पादन हेतु बीमारी प्रतिरोधक किस्मों का विकास
- प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण।
- प्रजनक बीज का उत्पादन



VII. अखिल भारतीय समन्वित गन्ना अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- अधिक उपज, उच्च शर्करा, वाली अगेती एवं मध्यम पछेती किस्मों को विकसित करना,
- अधिक उपज, उच्च शर्करा, एवं उच्च रेटून क्षमता वाली, सूखा सहन क्षमता, रोग व कीट रोधिता वाली किस्मों को विकसित करना,
- उच्च गुणवत्ता का बीज उत्पादन करना
- प्रथम पंक्ती प्रदर्शन में शस्य तकनीक व किस्मों का प्रसार कर, किसानों तक पहुँचाना।
- लाल सड़नरोग वाली किस्मों का सर्वे कर छंटनी करना।



VIII. अखिल भारतीय समन्वित सरसों अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- अधिक तेल एवं जैविक/अजैविक कारको के प्रति सहनशील किस्मों का विकास करना
- उपयुक्त स्थान विशेष के लिए अधिक उपज हेतु प्रौद्योगिकी विकास, शोधन एवं सत्यापन करना।
- कीट, व्याधि, सूखे एवं लवणता से बचाने के लिए तकनीक विकसित करना।
- जनन द्रव्यों का संग्रहण, रखरखाव एवं मूल्यांकन करना।
- उन्नत किस्मों का आधार एवं प्रजनक बीज उत्पादन करना
- प्रदर्शन और प्रशिक्षण के माध्यम से प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण।





IX. अखिल भारतीय समन्वित आलू अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- नई किस्मों का विकास करना।
- नई शस्य क्रियाओं का विकास।
- पादप संरक्षण की उपयुक्त तकनीकी का विकास।
- बीज उत्पादन के लिए रोग रहित क्षेत्र उत्पन्न करना।



X. अखिल भारतीय समन्वित कृषि प्रणाली अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- समेकित कृषि प्रणाली के अन्तर्गत उन्नत उत्पादन तकनीकी द्वारा फसल पद्धति में सुधार एवं संसाधन दक्षता बढ़ाने के लिए अनुकूलिय अनुसंधान कार्य करना।
- विभिन्न क्षेत्रों के लिए कुशल, आर्थिक रूप से व्यवहार्य व पर्यावरणीय रूप से टिकाऊ समेकित कृषि प्रणाली मॉडल विकसित करना।
- समेकित कृषि प्रणाली के द्वारा क्षमता निर्माण व मानव संसाधन विकास करना।



XI. अखिल भारतीय समन्वित मौन पालन अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- विभिन्न कृषि पारिस्थितिकी क्षेत्रों में परागण कर्ताओं के संरक्षण, पालन एवं उपयोग की तकनीक विकसित पर अनुसंधान करना।
- मधुमक्खी में रोगप्रतिरोधक क्षमता विकसित करने एवं उच्च उत्पादन क्षमता हेतु अनुसंधान
- क्षेत्रानुसार मधुमक्खी में रोग एवं शत्रु एवं उनके प्रबंधन पर अनुसंधान कार्य।
- विभिन्न कृषि पारिस्थितिकी में विभिन्न फसलों पर स्थानीय परागण कर्ताओं की प्रभावशालीता पर डाटाबेस तैयार करना।



XII. अखिल भारतीय समन्वित अरहर अनुसंधान परियोजना

उद्देश्य

- अरहर में अल्प अवधि में पकने वाली, जैविक व अजैविक दबाओं के प्रति सहिष्णु तथा अधिक उपज वाली किस्मों की पहचान व विकास करना।
- अरहर में अन्तरफसली व्यवस्था का विकास करना।
- अरहर में उत्पादन वृद्धि हेतु उपयुक्त शस्य क्रियाओं का विकास करना।
- अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन के माध्यम से अरहर में बेहतर तकनीकी का हस्तांतरण।
- आनुवांशिक शुद्धता में वृद्धि हेतु प्रजनक बीज का उत्पादन





3.7 निजी संस्थाओं द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजनाएँ:

कुल परियोजनाएँ	स्थान	प्रायोजक संस्थाएँ	बजट (लाख) रु.
35	कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा/वानिकी एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, झालावाड	यू.पी.एल. / धानुका / ड्यूफोन्ट / शारदा कॉर्प केमिकल्स / एरिस्टा / सरस्वती एग्रो केमिकल्स इत्यादि	78.00

3.8 राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत संचालित परियोजनाएँ :

वर्ष 2020 में कृषि विश्वविद्यालय कोटा में राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत 11 परियोजनाएँ संचालित हैं तथा वर्ष 2020-21 में 444 लाख का बजट स्वीकृत किया गया है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	परियोजना का नाम	कुल राशि (लाख)	वर्ष 2020-21 हेतु SLSC द्वारा स्वीकृत राशि (लाख)
1.	Strengthening of infrastructure to enhance the quality seed production of soybean at research farms of AU, Kota.	606.5	125.00
2.	Enhancing Breeder Seed Production Farm Modernization	485.5	100.00
3.	Establishment of "Agriculture Technology and Management Quality Improvement Centre (ATMQIC) at Directorate of Extension Education, Agriculture University, Kota.	292.70	15.00
4.	Strengthening of infrastructure to enhance the quality seed production including planting material at K.V.K. Farms.	511.00	70.00

5.	Development of Integrated Farming System modal for enhancing livelihood security of small and marginal farmers in South Eastern Rajasthan	93.44	9.00
6.	Conaider improvement for yield, quality and export for financial security to farmers of Hadoti region.	62.28	10.00
7.	Evaluation of Organic Production System for Improving Soil Health Vis -a-Vis Crop Productivity and Quality in the Hadoti Region of Rajasthan	124.23	15.00
8.	Development of improved Agro-techniques for enhancing productivity and profitability of quinoa (<i>Chenopodium quinoa</i>) and Chia (<i>Salvia hispanica</i>) in South-eastern Rajasthan	70.94	21.00
9.	Standardization of crop geometry for enhancing quality tonnage and yield of annual perennial drumstick in Kota district	47.28	10.00
10.	Establishment of Sirohi goat demonstration unit for raising income and skill development of rural youth of south eastern Rajasthan	186.34	69.00
11.	Establishment of Bio-pesticide unit for rapid mass production of bio-agent (<i>Tricoderma viride</i>)	156.00	0.00
	कुल	2301.00	444.00

3.8 जीवंत इकाइयाँ

3.8.1 जैविक और प्राकृतिक खेती मॉडल इकाई

कृषि अनुसंधान केंद्र, कोटा में महर्षि पाराशर कृषि शोध पीठ (MPKSP) के तहत जैविक और प्राकृतिक खेती मॉडल इकाई की स्थापना 2019 में की गई। इस इकाई में प्राकृतिक खेती, तरल खाद और जैव कीटनाशकों यानि जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत, एवं नीम के अर्क के विभिन्न रूपों पर आधारित है। हाडौती क्षेत्र की प्रमुख फसलों के लिए जैविक और प्राकृतिक कृषि मॉडयूल के विकास पर चल रहे प्रयोगों में, मक्खन दूध, ब्रन्हास्त्र, नीमास्त्र और अग्निस्त्र तैयार किए जा रहे हैं। प्रयोगात्मक कार्यों को जारी रखा जा रहा है।



3.8.2 मधुमक्खी पालन एवं शहद प्रसंस्करण इकाई

कृषि अनुसंधान केंद्र, कोटा पर मधुमक्खी पालन परियोजना इकाई की स्थापना 2009 में की गई थी। मधुमक्खी पालन पर अनुसंधान के साथ-साथ मधुमक्खी उत्पादकों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भी प्रदर्शन के लिए इस इकाई का प्रयोग किया जा रहा है।

मधुमक्खी पालन करने वालों को शहद प्रोसेसिंग और बॉटलिंग की सुविधा कच्चे शहद पर 5 रु प्रति किग्रा की दर से प्रदान की जाती है जिससे प्रसंस्करण के बाद वे अपने शहद को अच्छे दाम पर बेचते हैं।





3.8.3 समेकित कृषि प्रणाली मॉडल इकाई

कृषि अनुसंधान केन्द्र, उम्मेदगंज, कोटा पर समेकित कृषि प्रणाली परियोजना अन्तर्गत एक समेकित कृषि प्रणाली मॉडल की स्थापना की गई है। इस इकाई का उद्देश्य लघु व सीमांत कृषकों को कम जोत में अधिक उत्पादन एवं आय, रोजगार सृजन, पोषण सुरक्षा, मृदा एवं वातावरण सुरक्षा प्राप्त करने के लिए कृषि से जुड़े विभिन्न आयामों जैसे फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन एवं इनसे संबंधित पूरक इकाईयों का समावेश कर उपलब्ध संसाधनों का समुचित उपयोग करने के लिए मॉडल विकसित किया गया है। केन्द्र पर स्थापित 1.0 हेक्टेयर मॉडल में फसल उत्पादन (0.45 है.), अमरूद/नींबू बगीचा+अन्तःशस्य सब्जियाँ (0.30 है.), गीर गाय, मुर्गा भैंस व सिरोंही बकरी, हरा चारा, केंचुआ इकाई, नाडेप कम्पोस्ट, अजोला इकाई, बायो-गैस इकाई (0.25 है.) एवं बाउन्ड्री प्लांट्स (सहजन/अरंडू/अनार+करौंदा+बेल वाली सब्जियाँ) आदि शामिल हैं।



4. प्रसार शिक्षा निदेशालय

प्रसार शिक्षा निदेशालय के अपने कार्यक्षेत्र में किसानों तथा प्रसार कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण, सलाह तथा सूचना द्वारा तकनीकी हस्तान्तरण कर कृषि विकास को बढ़ावा देना प्रमुख जिम्मेदारी है। समूह प्रदर्शन, तकनीक परीक्षण, तथा कौशल विकास प्रशिक्षण द्वारा फसल उत्पादन, फसल सुरक्षा, पोषक तत्व प्रबन्धन, फसल प्रणाली, उद्यानिकी विकास, बंजर भूमि प्रबन्धन, जल प्रबन्धन, यंत्रीकरण, शस्योत्पन्न प्रबन्धन, मूल्य संवर्धन आदि क्षेत्रों में तकनीकी हस्तान्तरण की मुख्य भूमिका है। प्रसार शिक्षा निदेशालय के अन्तर्गत 06 कृषि विज्ञान केन्द्र कार्यरत है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-



क्र. सं.	कृषि विज्ञान केन्द्र	जिला	कृषि जलवायु क्षेत्र	कुल भूमि उपलब्धता(हे०)
1.	कृषि विज्ञान केन्द्र बोरखेडा कोटा	कोटा	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	46.36
2.	कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी	बून्दी	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	37.12
3.	कृषि विज्ञान केन्द्र, झालावाड़	झालावाड़	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	22.06
4.	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता	बारां	खण्ड V (आद्र दक्षिण-पूर्वी मैदानी क्षेत्र)	15.04
5.	कृषि विज्ञान केन्द्र सवाई माधोपुर	सवाई माधोपुर	जोन -III बी बाढ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र	16.58
6.	कृषि विज्ञान केन्द्र हिण्डौन, करौली	करौली	जोन -III बी बाढ प्रभावित पूर्वी मैदानी क्षेत्र	20.25
कुलयोग				157.41



4.1 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर स्थित जीवन्त/मॉडल प्रदर्शन इकाइयों का विवरण

जीवन्त/मॉडल प्रदर्शन इकाइयां

●मॉडल नर्सरी- उच्च गुणवत्ता के पौधे किसानों को उपलब्ध कराने हेतु विश्वविद्यालय द्वारा प्रति वर्ष फलदार एवं सजावटी पौधे तथा सब्जियों की पौध लगभग दो लाख से अधिक तैयार की जाती है।



● मातृ फल वृक्ष उद्यान- जिले की प्रमुख फलदार फसल संतरा सहित अमरुद, अनार, नींबू, आंवला, चीकु आदि का मातृ फल वृक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र पर स्थापित है जिसमें माँग अनुसार उन्नत पौध प्रवर्धन सामग्री तैयार कर जिले के कृषकों को उपलब्ध कराई जाती है।





- **वर्मी कम्पोस्ट इकाई**— विश्वविद्यालय द्वारा 280–300 क्विंटल वर्मी कम्पोस्ट एवं 800–900 कि.ग्रा. वर्मीकल्चर का उत्पादन किया जा रहा है।



- **पादप रोग निदान इकाई**— पादप रोग निदान इकाई से कृषकों की समस्या का समाधान कीट एवं रोगों की पहचान कर हजारों कृषकों को उचित परामर्श एवं मार्गदर्शन किया जा रहा है।



- **अजोला उत्पादन इकाई**— प्रदर्शन इकाई का उपयोग कृषक प्रशिक्षण, भ्रमण एवं इकाई स्थापना हेतु अजोला बीज का विक्रय किया जा रहा है।



- **पोषण वाटिका (न्यूट्री-गार्डन)**— ग्रामीण बच्चों एवं माता पिता के स्वास्थ्य में सुधार हेतु पोषण के प्रति जागरूकता लाने हेतु इकाई की स्थापना की गई है।

- **म्यूजियम गैलरी**— क्षेत्र में नवीनतम एवं उन्नत प्रौद्योगिकी में प्रदर्शन हेतु केन्द्र पर स्थित इस इकाई का कृषक समुदाय स्वयं अतिरिक्त समय में लाभ उठा सकते है।

- **फसल कैफेटेरिया**— कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा रबी व खरीफ मौसम में विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों के प्रदर्शन हेतु लगाई जाती है।



- **नेपियर घास इकाई**— पशुओं के वर्ष पर्यन्त हरा चारा उपलब्धता हेतु उपयुक्त नेपियर घास की छोटी इकाई जिससे कृषक खेतों पर इकाई स्थापना हेतु बीज उपलब्ध कराया जा रहा है।



- **गृह वाटिका इकाई**— ग्रामीण कृषकों के रोजमर्रा की सब्जी आवश्यकता की आपूर्ति हेतु इस इकाई की स्थापना की गई है। जिसका उपयोग विभिन्न प्रशिक्षणों, भ्रमण आदि में किया जा रहा है।



- **डेयरी इकाई**—कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा एवं बूंदी पर किसानों को डेयरी एवं पशुपालन प्रबन्धन से सम्बन्धित प्रशिक्षण आयोजित किये गये। इस डेयरी में 20 गिर नस्ल की गावें है तथा वार्षिक दुध उत्पादन लगभग 24500 लीटर प्रति वर्ष हो रहा है।





- **बकरी पालन इकाई**—कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी व हिण्डौन में बकरी पालन की इकाईयों स्थापित है। ग्रामीण युवाओं को बकरी पालन का प्रशिक्षण दिया जाता है।



- **वेस्ट डिकम्पोजर इकाई**— कृषि एवं अन्य अपशिष्ट पदार्थों के सुगम एवं शीघ्र विघटन द्वारा तरल जैव (सूक्ष्म जीव) उत्पाद द्वारा मृदा में भौतिक एवं रासायनिक सुधार हेतु प्रयोग किया जा रहा है।



- **मधुमक्खी पालन इकाई**— कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता पर मधुमक्खी पालन इकाई में 10 कॉलोनीयों की स्थापना की गयी है। जिसमें युवक-युवतियों को प्रशिक्षणों के दौरान प्रायोगिक प्रशिक्षण देकर स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया जाता है।



- **खाद्य प्रसंस्करण इकाई**— कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर महिलाओं किसानों, युवाओं एवं प्रसार कार्मिकों को आधुनिक खाद्य प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन में कौशल विकास हेतु एक वृहत इकाई की स्थापना की गई है जिसने सोयाबीन प्रसंस्करण, ऑयला प्रसंस्करण व लहसुन प्रसंस्करण की मशीनें व उत्पादों का प्रदर्शन किया गया है। खाद्य प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन के क्षेत्र में अब तक 1000 से अधिक युवाओं को प्रशिक्षित किया गया है व 100 से अधिक उद्यमी तैयार किये गये हैं।



- **मुर्गी पालन इकाई** :-कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता एवं बून्दी पर मुर्गीपालन इकाई स्थित है इन इकाईयों का उपयोग किसानों एवं युवाओं को मुर्गीपालन का प्रशिक्षण देने में उपयोग किया जाता है। इन इकाईयों में मुर्गीयों की प्रताप घन, अंकलेश्वर एवं कडकनाथ नस्लें हैं।



- **ट्राईकोडर्मा उत्पादन इकाई**:- कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा पर ट्राईकोडर्मा इकाई स्थापित है इसमें जनवरी से दिसम्बर तक 984 किलोग्राम ट्राईकोडर्मा विरिडी का उत्पादन कर किसानों को उपलब्ध कराया गया जिसे जैव फफुन्दनाशी के रूप में बीज एवं मृदा उपचार के काम में लिया गया।



4.2 प्रमुख प्रसार गतिविधियाँ

4.2.1 प्रशिक्षण कार्यक्रम विवरण

कृषि विज्ञान केन्द्र का नाम	कृषक एवं कृषक महिला प्रशिक्षण						प्राथमिक युवा प्रशिक्षण		प्रसार कार्यकर्ता प्रशिक्षण		कुल योग	
	संस्थागत		असंस्थागत		अन्य		संस्थागत		असंस्थागत		अन्य	
	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी	प्रशिक्षण	प्रतिभागी
कोटा	24	598	29	648	00	00	7	154	9	107	69	1507
बुन्देली	18	375	29	990	00	00	2	40	1	35	48	1440
झातावाड़	05	153	02	65	00	00	07	141	03	105	17	464
सवाई माझीपुर	10	221	24	545	12	403	2	44	2	48	50	2061
अन्ना(बारा)	17	373	47	1317	00	00	7	241	2	40	73	1871
हिण्डौन (करोली)	15	375	19	549	23	876	04	65	02	54	63	1939
कुल योग	87	2095	150	4114	35	1279	29	705	19	389	320	9382



4.2.2 अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन (दलहन, तिलहन, खाद्यान्न, उद्यानिकी, पशुपालन व अन्य)

कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा रबी 2019-20 एवं खरीफ 2020 में 2876 प्रदर्शन दलहन, तिलहन खाद्यान्न मसाले उद्यानिकी एवं पशुपालन पर उन्नत तकनीकी के प्रसारण हेतु किसानों के खेतों पर लगाये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-



केन्द्र का नाम	फसल	किस्म/ तकनीक	प्रदर्शन संख्या	क्षेत्र (हे०)	औसत पैदावार (क्विं/ हे०)		उपज वृद्धि प्रतिशत	लागत लाभ अनुपात
					प्रदर्शन	स्थानीय		
कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा	रबी 2019-20							
	सरसों	गिरिराज	25	10	23.49	19.10	22.98	3.47
	चना	जी.एन.जी. 1958	50	20	22.37	19.08	21.96	3.70
	गेहूँ	राज. 4079	20	8	53.52	47.14	13.53	3.16
	घनियॉ	आर.के.डी-18	10	4	19.50	16.30	20.00	4.07
	रबी 2019-20 (टी.एस.पी.)							
	चना	जी.एन.जी. 1958	49	19.6	22.78	19.40	17.42	3.84
	सरसों	गिरिराज	16	8	21.88	18.00	21.55	3.76
	गेहूँ	राज. 4079	37	14.8	46.83	42.30	10.70	2.95
	लहरसुन	जी 50	10	0.5	71.53	65.00	10.04	8.48
	रबी 2019-20 (निकरा)							
	सरसों	गिरिराज	5	2	21.66	17.50	23.77	3.72
	चना	जी.एन.जी. 1958	20	8	23.59	18.35	28.7	3.98
	गेहूँ	राज. 4079	8	3.20	54.21	51.18	5.92	3.34
	घनियॉ	आर.के.डी-18	2	0.8	20.25	17.35	16.71	4.48
	जायद 2020							
	मूंग	एस.एन.एल. 668	7	2.80	5.25	4.10	28.04	2.11
	खरीफ-2020							
	उड़द	प्रताप उड़द 1	25	10	5.92	4.40	34.55	1.86
	सोयाबीन	जे.एस. 20-29	20	10	12.02	9.80	22.65	1.76
	सोयाबीन (निकरा)	जे.एस. 20-34	5	2	15.8	12.5	26.4	2.43
उड़द (निकरा)	प्रताप उड़द 1	20	8	5.1	3.40	50	1.68	
कृषि विज्ञान केन्द्र बुन्दी	रबी 2019-20							
	गेहूँ	राज-4238	38	14.4	5096	4744	7.42	3.05
	सरसों	डी.आर.एम.आर-आई.जे 31	100	80	1930	1776	8.67	3.35
	चना	जी.एन.जी.-1958	40	20	2003	1773	19.68	3.55
	चना	जैविक खेती	20	20	1935	2246	-13.85	3.61
	घनियॉ	आर.के.डी-18	20	10	1438	1248	15.17	2.30
	चारा	पी.पी-2	20	8	680	620	9.67	
	खरीफ-2020							
	उड़द	प्रताप उड़द-1	40	20	694	549	26.41	1.88
	धान (सोयी बुवाई)	पूसा बासमती-1509	24	9.6	3733	4071	-8.3	2.23
	सोयाबीन	JS-2034	40	20	1274	1016	25.39	1.55
कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़	रबी 2019-20							
	सरसों (एनएफएसएम)	गिरिराज (डीआरएमआर आईजे-31)	125	50	1763	1336	32.80	2.75
चना (एनएफएसएम)	जीएनजी-1958	150	60	1929	1426	35.73	3.03	



	खरीफ-2020							
	उड़द (एनएफएसएम)	प्रताप उड़द-1	50	20	384	295	29.85	1.34
कृषि विज्ञान केन्द्र सवाई माधोपुर	रबी 2019-20							
	चना	(एनएफएसएम)	25	10	20.48	15.88	29.88	3.63
	सरसों	(एनएफएसएम)	125	50	21.27	16.82	26.69	4.20
	गहूँ	(टी.एस.पी.)	20	8	46.2	40.7	13.59	2.72
	शीमकालीन मूंग	(एनएफएसएम)	50	20	5.02	3.95	29.02	2.00
कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता (बारा)	जई चारा	(टी.एस.पी.)	30	3.0	376	272	38.23	1.32
	खनिज लवण (मैस)	(बी.एफ.आई)	30	30 पशु	6.82	6.00	13.67	3.33
	पपीता	(टी.एस.पी.)	25	1.0	46.52	43.82	8.44	5.24
	खरीफ-2020							
	उड़द (TSP)	प्रताप उड़द 1	60	24	4.8	3.5	38.00	1.50
उड़द (एनएफएसएम)	प्रताप उड़द 1	50	20	5.11	3.66	39.45	1.73	
कृषि विज्ञान केन्द्र करीली	रबी 2019-20							
	सरसों	गिरिराज	200	80	23.75	21.45	24	3.73
	चना	जीएनजी 1958	50	20	25.7	23.89	26	2.98
	प्याज	एल. 883	12	2	396.75	289.27	371.5	8.46
	मैथी	अजमेर मैथी 3	15	10	21.15	18.35	15.26	2.48
	पपीता	रेड लेडी	10	3	932	785	18.73	5.06
	गहूँ	राज 4037 / जैविक खेती	20	20	45	52.5	-14.29	2.34
	खरीफ-2020							
	सोयाबीन	जे. एस. 20-34	50	20	1618.65	1240.8	23.35	1.64
	उड़द	पी.यू.-1, मुकुन्दरा उड़द-2	20	8	740.5	543.8	26.59	1.86
तिल	आर. टी. 346	20	10	560	480	14.28	2.58	
धान	पूसा 1121	20	10	4800	3364	29.91	2.16	
कृषि विज्ञान केन्द्र करीली	रबी 2019-20							
	सरसों	गिरिराज	180	82.0	20.36	20.43	-0.34	2.88-3.02
	सरसों	पूसा जगन्नाथ	11	6.00	19.8	21.1	-6.16	2.79-2.97
	सरसों	पी.एम 30	07	4.50	18.82	20.7	-9.09	2.65-2.92
	चना	सी.एस.जे 515	75	30.0	20.75	16.35	26.91	3.01-2.84
	गहूँ	एच.डी. 2967	20	8.00	61.5	57.89	6.23	3.17-2.97
	गहूँ	एच.डी. 3237	11	3.00	59.9	58.5	2.4	3.08-2.95
	जौ	आर.टी. 2907	16	4.80	62.9	54.4	15.62	2.62-2.29
		कुल	320	138.0				
	मुर्गीपालन	कायलर	20	50 यूनिट	148	55	169	5.29-2.89



	मैसों में विशेष आहार का प्रभाव	सूखा चारा + 1 किग्रा . खल + 2 किग्रा गेहूँ दलिया + 100 ग्राम मिश्रण (20 ग्राम शतावरी + 20 ग्राम मैथी + 20 ग्राम अजवाइन + 40 ग्राम मिश्रण प्रति पशु प्रति दिन परिणाम - 25 प्रतिशत दुग्ध उत्पादन में वृद्धि
कृषि विज्ञान केंद्र अन्ता-बारा	पपीते में रोपण समय का आंकलन	पपीते की रोपाई मई में दूसरे पखवाड़े में करने से फलन मुख्य तनों के 125 सेमी ऊँचाई से शुरू हो जाता है, जिसके फलस्वरूप पौधे के गिरने की संभावना कम होती है तथा उपज में 19-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी होती है। इसके विपरीत जुलाई में रोपाई करने से फलन मुख्य तनों के 210 सेमी की ऊँचाई पर फलन होता है। जिससे तुड़ाई में समस्या व पौधे गिरने की संभावना रहती है।
	गेहूँ रोपाई के तरीकों का आंकलन	गेहूँ की फसल की बुवाई नवम्बर के प्रथम सप्ताह में 130 कि. ग्रा./हे. की दर से सूखे में बुवाई कर, फसल को टर्मिनल डिट स्ट्रेस से बचाकर अधिक उत्पादन लिया जा सकता है। नहरी क्षेत्र होने के कारण प्लेवा के लिए किसानों को सिंचाई के लिए पानी देरी से मिलता है, तथा काली मिट्टी होने की वजह से प्लेवा के बाद जुताई योग्य अवस्था में आने में काफी समय ले लेती है, जिससे बुवाई में देरी हो जाती है। इसलिए सूखे में समय पर बुवाई कर इस समस्या से बचा जा सकता है।
	गेहूँ की किस्मों का आंकलन	हादोती क्षेत्र में सबसे ज्यादा प्रचलित गेहूँ की राज-4037 व राज-4079 किस्म है इसलिए अधिक उत्पादन वाली किस्म एचडी-2967 व एचडी-3088 किस्मों का भी मूल्यांकन किया जा रहा है।
कृषि विज्ञान केंद्र करौली	घने की फसल में फ्यूज़ेरियम विल्ट का प्रबंधन	बुवाई के 75 दिन बाद रोग का प्रकोप कृषक क्रिया (23.50 प्रतिशत) की तुलना में कम (5.30 प्रतिशत) पाया गया, साथ ही लाभ लागत अनुपात 2.44:2.93 के साथ 37.41 प्रतिशत उपज में बढ़ोतरी पाई गई
	टमाटर की फसल में अली ब्लाइट बीमारी का प्रबंधन	कृषक क्रिया में प्रतिशत रोगप्रकोप (42.50), पौधे की लम्बाई (74.5 से.मी.) तथा प्रति पौधा फलों की संख्या (30.2) पाया गया, जबकि आकलन में रोग प्रकोप (10.75 प्रतिशत) एवं पौधे की लम्बाई (75.95 से.मी.) पाया गया। साथ ही उपज में बढ़ोतरी 55.32 प्रतिशत पाई गई
	मिर्च की फसल में फूलों के झड़ने का प्रबंधन	कृषक क्रिया में प्रति पौधा फलों की संख्या (68) तथा फलों का औसत वजन (10 ग्राम) पाया गया, जबकि आकलन में क्रमशः 75 व 12 पाया गया। साथ ही लाभ लागत अनुपात 3.49:3.97 के साथ उपज में बढ़ोतरी 15.12 प्रतिशत पाई गई।
	बायपास फीड का मैसों के दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव का आंकलन	दुग्ध उत्पादन में 22.98 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ प्रतिदिन प्रति पशु शुद्ध आय रुपये 282 पाई गई तथा लाभ लागत अनुपात 2.68 : 2.88 रहा।
	सतावरी पाउडर का मैसों के दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव का आंकलन	दुग्ध उत्पादन में 17.10 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ प्रतिदिन प्रति पशु शुद्ध आय रुपये 295 पाई गई तथा लाभ लागत अनुपात 2.39 : 2.54 रहा।



	सतावरी पाउडर का भैंसों के दुग्ध उत्पादन पर प्रभाव का आकलन	दुग्ध उत्पादन में 17.10 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ प्रतिदिन प्रति पशु शुद्ध आय रुपये 295 पाई गई तथा लाभ लागत अनुपात 2.39 : 2.54 रहा।
	तिल की फसल में आल्ट्रा रिया ब्लाइट का प्रबंधन	<p>बुवाई के 75 दिन बाद रोग का प्रकोप कृषक क्रिया(54.70 प्रतिशत) की तुलना में कम (11.40 प्रतिशत)पाया गया,साथ ही लाभ लागत अनुपात 0.84:46 के साथ 81.64 प्रतिशत उपज में बढ़ोतरी पाई गई</p> 
	बाजरे की फसल में समन्वित व्हाईट सब का प्रबंधन	<p>प्रति फेरामोन ट्रेप के किये गये बीटल की संख्या तथा प्रति वर्ग मीटर सब की संख्या कृषक क्रिया (5.63)की तुलना में कम (1.33)पाई गई। साथ ही लाभ लागत अनुपात 1.98 :2.49 के साथ 27.99 प्रतिशत उपज में बढ़ोतरी पाई गई</p> 

4.2.4. अन्य प्रसार गतिविधियाँ

क्र.सं.	प्रसार गतिविधियाँ विवरण	शुद्धि विज्ञान केंद्र का नाम													
		रौंटा		बुन्दी		प्रास्तासाद		सवाई साधोपुर		बारा		करींती		कुल योग	
		संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी	संख्या	प्रतिभागी
1	शुद्धि विज्ञान मेला	00	00	00	00	00	00	00	00	1	144	00	00	1	144
2	प्रवेश दिवस	3	210	3	198	04	264	5	376	11	640	06	324	33	1984
3	प्रदर्शनी	00	00	00	00	02	770	2	1810	0	0	00	00	04	2580
4	वैज्ञानिकों का कृषक क्षेत्र पर भ्रमण	24	197	30	333	49	280	31	325	25	573	67	708	248	2406
5	शुद्धि तकनीकी फिल्म शो	00	00	1	48	07	276	5	215	0	0	04	83	17	619
6	किसानों का क्रीक के भ्रमण	00	940	00	1252	00	1660	00	490	00	2850	00	1140	00	7926
7	टेलीफोन/मोबाइल सलाह	00	1108	00	1713	00	2295	00	790	00	4354	00	1572	00	32132
8	प्रकार न्यून उपकरण प्रदर्शित	25	00	27	00	57	00	17	00	52	00	16	00	197	00
9	नर्दीय कैम्पेस्टिंग प्रोपन विवरण	1	172	1	42	07	198	1	43	13	00	01	45	24	492
10	प्रमुख दिवसों का आयोजन	1	25	1	32	1	32	1	27	1	23	01	45	6	174
	i. शुद्धि शिक्षा दिवस।	1	27	1	35	01	62	1	75	1	42	01	58	6	299
	iii. विश्व मूत्र दिवस	1	70	1	48	01	57	1	40	1	72	01	38	6	325
11	कृषक गोष्ठी।	00	00	6	597	03	141	3	95	0	0	03	110	15	931
12	अन्य प्रसार कार्यक्रम।	00	00	6	48	09	885	00	00	13	685	00	00	28	1638
	कुल योग	59	2349	79	4304	141	27226	67	4264	118	9383	120	4216	585	51742



4.3 वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक

सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर प्रतिवर्ष वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित की जाती है। इस बैठक में गत वर्ष में किये गये कार्यों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाता है तथा आगामी वर्ष की कार्य योजना सभी सदस्यों के सुझावों का समावेश करते हुए तैयार की जाती है। वर्ष 2020 में आयोजित की गई वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	एस.ए.सी. बैठक दिनांक	बैठक का संक्षिप्त विवरण
1	कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	16 जनवरी 2020	<p>कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार 16 जनवरी, 2020 को प्रो. डी. सी. जोशी कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में हुई। बैठक में विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि, उद्यान, पशुपालन, नाबार्ड, लीड बैंक, बीज प्रमाणीकरण, इफको, एनएचआरडीएफ, आकाशवाणी आदि विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष ने वैज्ञानिक सलाहकार समिति की गत बैठक 20.12.2018 की अनुपालना रिपोर्ट समिति के अनुमोदन हेतु रखी जिसका सभी सदस्यों ने सर्व सहमति से अनुमोदन किया। इस अवसर पर समिति के समक्ष केन्द्र की वर्ष 2019 की वार्षिक प्रगति एवं 2020 की कार्य योजना प्रस्तुत की।</p> 

	<p>17 दिसम्बर, 2020</p>	<p>कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा की वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक गुरुवार 17 दिसम्बर, 2020 को प्रो. डी.सी. जोशी कृषि विश्वविद्यालय, कोटा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में विश्वविद्यालय, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्य पालन, नाबार्ड, इफको, एनएचआरडीएफ, बीज प्रमाणीकरण, आकाशवाणी आदि विभागों के दो दर्जन से अधिक अधिकारियों एवं कृषक प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कृषि विज्ञान केन्द्र के परिष्कृत वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष ने केन्द्र की वर्ष 2020 की प्रगति एवं 2021 की कार्य योजना प्रस्तुत की इस बैठक की अध्यक्षता करते हुए कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के कुलपति, प्रो. डी. सी. जोशी ने बताया कि भारत सरकार द्वारा कोटा जिले के लिए एक जिला एक उत्पाद तहत धनिया का घयन किया गया है। कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा पर धनिया प्रोसेसिंग इन्क्यूबेशन सेन्टर की स्थापना हेतु भारत सरकार के प्रसंस्करण मंत्रालय को 345 लाख रुपये का प्रोजेक्ट भेजा गया है। धनिया प्रोसेसिंग इन्क्यूबेशन सेन्टर की स्थापना से राजस्थान के धनिया प्रसंस्करण से जुड़े उद्यमियों, अनुसंधानकर्ताओं, किसान उत्पादक संगठनों, किसानों, विद्यार्थियों आदि को एकल छिड़की से सभी तकनीकी जानकारी उपलब्ध करायी जा सकेगी। प्रो.जोशी ने बताया कि धनिया पाउडर बनाते समय करीब 80 प्रतिशत एरोमा का वाष्पन हो जाता है इसलिए धनिया पाउडर कारोपेनिक ग्राइडर से बनाना चाहिए जिससे धनिये की गुणवत्ता एवं एरोमा बनी रहेगी। इस केन्द्र पर धनिया पाउडर कारोपेनिक ग्राइडर से बनाया जावेगा।</p>	
<p>2</p>	<p>कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी 06 जनवरी 2020</p>	<p>वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक प्रो. डी.सी. जोशी कुलपति कृषि विश्वविद्यालय कोटा की अध्यक्षता में आयोजित की गई तथा निदेशक अटारी के प्रतिनिधि डॉ. एम.एस. मीणा, डॉ. के. एम. गौतम एवं संयुक्त निदेशक कृषि डॉ. रामावतार शर्मा, कृषि एवं उद्यानिकी एवं अन्य विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बून्दी क्षेत्र में सब्जी उत्पादन का अधिक क्षेत्रफल होने की वजह से सब्जी उत्पादन में वृद्धि के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा सतत प्रयास किये जाये एवं इस केन्द्र पर चल रही आर्य योजना के अन्तर्गत युवाओं को पशुपालन, मधुमक्खी पालन एवं खाद्य प्रसंस्करण के कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित कर युवाओं का गांव से शहर की ओर पलायन को कम करें।</p>	
<p>3</p>	<p>कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़ 13 जनवरी, 2020</p>	<p>निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. के. एम. गौतम ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि केन्द्र द्वारा पशुपालन के क्षेत्र में बढ़ावा देने की आवश्यकता है तथा इसके साथ-साथ सैंजना (ड्रमस्टिक) की उपयोगिता किसानों को समझाते हुए जागरूक किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि केन्द्र द्वारा ASCI व ARYA परियोजनाओं के अन्तर्गत मधुमक्खी पालन पर जो प्रशिक्षण दिये जा रहे हैं उन्हें</p>	

			<p>प्रायोगिक बनाते हुए उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालरापाटन, झालावाड़ पर स्थित 'शहद प्रसंस्करण इकाई' में प्रतिभागियों को शहद का प्रसंस्करण सिखाया जा सकता है। केन्द्र द्वारा जिले में एक आदर्श एफ.पी.ओं को विकसित करने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाकर उदाहरण प्रस्तुत करे।</p> <p>डॉ. आई.बी.मौर्य, अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालरापाटन, झालावाड़ ने सुझाव दिया कि केन्द्र को कुछ प्रगतिशील कृषकों को बीज उत्पादन में प्रशिक्षित कर बीज उत्पादन कार्यक्रम पर जोर दिया जाना चाहिए। झालावाड़ में लगभग 11 हजार वर्गमीटर में संरक्षित खेती की जा रही है इसको ध्यान में रखते हुए किसानों के खेत पर संरक्षित खेती से संबंधित प्रशिक्षण दिए जाए। किसानों को फल पौधों की तरह सब्जियों की पौध तैयार कर समय पर उपलब्ध कराने की कोशिश करें। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के अनुसंधान केन्द्रों पर विकसित तकनीकों के साथ ही किसानों द्वारा विकसित तकनीकों का संप्रहण कर किसानों तक प्रसार किया जाए।</p>
4	कृषि विज्ञान केन्द्र सवाई माधोपुर	09.12.2020	<p>माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर डी.सी. जोशी, निदेशक अटारी, जोधपुर र.डॉ. एस.के. सिंह की अध्यक्षता में वर्चुअल माध्यम से तथा निदेशक, प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा डॉ. एस.के. जैन की उपस्थिति में किया गया। बैठक में उपनिदेशक कृषि विस्तार, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष एवं जिले के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष तथा किसानों सहित कुल 43 सदस्यों ने भाग लिया।</p> 
5	कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता -बारा	07.01.2020	<p>बैठक की अध्यक्षता करते हुए माननीय कुलपति महोदय प्रोफेसर डी. सी. जोशी ने बताया कि कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता पर सभी प्रकार की प्रदर्शन इकाई ह लेने चाहिए तथा केन्द्र द्वारा विकसित लहसुन की किस्म, कृषि विज्ञान केन्द्र, अन्ता लहसुन-1 की प्रशंसा की। इसके अलावा खेती व्यवसाय परख करने हेतु पशुपालन पर संख्या के आधार पर प्रोजेक्ट तैयार करना, नवाचार, विभिन्न प्रकार के फसलों का विविधिकरण, औषधीय फसलों की खेती, सब्जी उत्पादन व कृषि के कुटीर घन्धों की आवश्यकता बताई। मानव जीवन को स्वस्थ रहने के लिये केन्द्र के फार्म पर भी जैविक खेती पर प्रदर्शन इकाई होना चाहिए।</p> 
6	कृषि विज्ञान केन्द्र करौली	10.12.2020	<p>वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक की अध्यक्षता माननीय कुलपति प्रो.डी.सी. जोशी द्वारा ऑनलाईन माध्यम से की। कुलपति महोदय ने निर्देशित किया कि राज्य एवं केन्द्र सरकार द्वारा संचालित समस्त योजनाओं का विवरण प्रदर्शन बोर्ड के माध्यम से केन्द्र पर प्रदर्शित की जाये। केन्द्र द्वारा आयोजित प्रदर्शनों व प्रशिक्षणों में नवीन तकनीकी का प्रयोग किया जाये। केन्द्र की सभी जीवंत इकाईयों को आधुनिक बनाया गया व जल संरक्षण इकाई की स्थापना की जाये। निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ. एस.के. जैन ने अपने सम्बोधन में वैज्ञानिकों को खाद्यान्न, फल व सब्जियों के प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन पर प्रशिक्षण किये जायें।</p> 

4.4 मानव संसाधन विकास कार्यक्रम

प्रसार शिक्षा निदेशालय द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र, महाविद्यालय एवं अन्य वैज्ञानिकों के लिये दो कार्यशाला आयोजित की गई जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र.सं.	कार्यशाला का नाम	संख्या	प्रतिभागी	सम्मिलित कृषि विज्ञान केन्द्र की संख्या
1	National workshop on Medicinal and Underutilized Plant Species for Health and Nutritional Security was organized at KVK Anta (Baran) 3- 4 March, 2020	01	352	06
2	Workshop on "Communication Skills for Effective Extension Services" 5 – 7 March, 2020 at KVK Jhalawar	01	33	06

	
Medicinal and Underutilized Plant Species for Health and Nutritional Security	Workshop on "Communication Skills for Effective Extension Services"

4.5 कृषि विज्ञान केन्द्रों पर संचालित अन्य परियोजनाएँ

4.5.1 परम्परागत कृषि विकास योजना –जैविक खेती को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय के सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों पर 20 हैक्टर के समूह प्रदर्शन आयोजित करके जैविक खेती की सम्पूर्ण जानकारी किसानों के खेत तक पहुँचाई।

4.5.2 जलवायु समोत्थरीय कृषि पर राष्ट्रीय नवाचार परियोजना (NICRA) कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा द्वारा इस परियोजना में तहसील दीगोद के ग्राम चौमाकोट में प्राकृतिक संसाधन प्रबन्धन के अन्तर्गत तालाबों का जीर्णोद्धार, फसल उत्पादन, उड़द, सरसों, घना, धनिया, गेहूँ, मूँग, बरसीम, अमरुद एवं पपीता पर कुल 35 हैक्टर में प्रदर्शन, पशु पालन में 142 स्वास्थ्य केंद्र आयोजित करके कृमिहरण की औषधी एवं अन्य बीमारियों जैसे मुहखरपा रोग इत्यादि के लिए टीकाकरण किया गया। इसी परियोजना में संस्थागत अभिवृद्धि के लिए गाँव में बीज बैंक की स्थापना करके उड़द की किस्म प्रताप-1 एवं मुकन्दरा 2 की किस्मों का बीज उत्पादन कार्यक्रम 22.7 हैक्टर में लेकर उत्पादित बीज किसानों को उपलब्ध कराया गया। इसी परियोजना के अन्तर्गत कस्टम हायरिंग सेन्टर की स्थापना की गई, जिसमें विभिन्न प्रकार के कृषि उपकरण लघु एवं सीमान्त कृषकों को वाजिब किराये की दर पर उपलब्ध कराये गये। वर्ष 2020 में 71 किसानों ने कृषि उपकरण किराये पर लेकर 150 हैक्टर क्षेत्रफल में विभिन्न कृषि परिक्रियाएँ समय पर सम्पादित की।





4.5.3 आर्या परियोजना (ARYA) – यह परियोजना भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी एवं झालावाड़ पर स्वीकृत की गई। वर्ष 2020 में 218 ग्रामीण युवाओं को पौधशाला प्रबन्धन, संरक्षित खेती, केचुआ खाद, मधुमक्खी पालन, कुक्कुट पालन, बकरी पालन एवं प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन में प्रशिक्षित किया गया, जिनमें से 21 युवाओं ने उपरोक्त में स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ कर दिया है।



4.5.4 जिला कृषि मौसम वेद्यशाला इकाई (DAMU) – भारतीय मौसम विभाग द्वारा वर्ष 2018-19 में कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता (बारा) एवं हिण्डौन (करौली) में कृषि मौसम वेद्यशाला इकाई स्थापित करने की स्वीकृति दी गई, एवं वर्ष 2020-21 में कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी, झालावाड़ एवं सवाईमाधोपुर में स्वीकृति प्राप्त हुई। प्रत्येक इकाई में एक-एक पद मौसम विज्ञान विषय विपेशज्ञ एवं एग्रोमेट आबजरवर के स्वीकृत किये गये। इन इकाई द्वारा मौसम की भविष्य वाणी एवं मौसम परिवर्तन अनुसार फसलों, उद्यानिकी एवं पशुओं के लिए आवश्यक किये जाने वाले कार्यों की सूचना ब्लॉक स्तर पर किसानों को दी जाती है।

4.5.5 भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) द्वारा प्रायोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम – वर्ष 2019-20 में कौशल दक्षता उन्नयन के 200 घण्टे अवधि के 13 प्रशिक्षण विश्वविद्यालय एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा ग्रीन हाउस आपरेटर, क्वालिटी सीड ग्रोवर, बी कीपर, आग्नेयिक ग्रोवर, स्माल प्रोलट्री फार्मर, नर्सरी वर्कर इत्यादि पर आयोजित करके 260 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया ताकि वो स्वयं का व्यवसाय प्रारम्भ कर आत्म निर्भर बन सके।



4.5.6 दलहन बीज केन्द्र:- दलहनों के उन्नत बीज के उत्पादन बढ़ाने के लिये भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने 1.5 करोड़ रूपये के बजट प्रावधान के साथ तीन दलहन बीज केन्द्र कोटा, बून्दी एवं झालावाड़ कृषि विज्ञान केन्द्र पर वर्ष 2017-18 में स्वीकृति प्रदान की इन प्रत्येक दलहन बीज केन्द्रों पर 1000 किबंटल दलहन बीज उत्पादित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया। खरीफ में उड़द, मुग एवं रबी में चना एवं मसूर का प्रमाणित/आधार/प्रजनक उत्पादित किया गया तथा गतवर्षों में 80 से 90 प्रतिशत लक्ष्य हासिल किया गया।



4.5.7 प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम- कृषि विज्ञान केन्द्र सवाईमाधोपुर एवं झालावाड़ के लिए 48 दिवसीय (DAESI) डीप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन सर्विस इनपुट डीलर के लिए एवं 15 दिवसीय समन्वित पौषक प्रबन्धक 10 प्रशिक्षण खुर्दरा खाद्य विक्रेताओं के लिए आयोजित किये गये।



4.5.8 प्रकाशन – प्रसार शिवा निदेशालय द्वारा अभिनव कृषि त्रैमासिक पत्रिका का नियमित रूप से प्रकाश किया जा रहा है जिसमें वैज्ञानिकों द्वारा फसलों, उद्यानिकी, पशुपालन से सम्बन्धित आलेख प्रकाशित किये जा रहे हैं जो प्रसार कार्य कर्ताओं एवं छात्रों के लिए लाभदायक सिद्ध हो रही है। निदेशालय द्वारा प्रतिवर्ष 1000 कृषि कलैण्डर भी प्रकाशित करवाकर किसानों को उपलब्ध करवाये जा रहे हैं, जिसमें महावार किसानों द्वारा की जाने वाली विभिन्न सक्रियाओं की जानकारी दी जा रही है।





4.5.9 फार्म प्रोड्यूसर ओरगेनाईजेशन (FPO) – कृषि विज्ञान केन्द्र वृन्दी के तकनीकी एवं नाबार्ड के वित्तीय सहयोग से कुरेल फार्मर प्रोड्यूसर ओरगेनाईजेशन की स्थापना की गई जिसमें 805 सदस्य हैं एवं मुख्य मंत्री द्वारा इस FPO को कृषि एवं ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कृत किया गया।



4.5 उद्यानिकी पौध उत्पादन व वितरण विवरण

क्र. सं.	केन्द्र का नाम	फसल	किस्म	उत्पादित पौधों की संख्या	विक्रय पौधों की संख्या
1	कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा	सब्जी पौध		3000	1129
		फलदार पौधे		27000	17206
		सजावटी पौधे		4500	1315
2	कृषि विज्ञान केन्द्र वृन्दी	अमरुद, पपीता, गुलाब, कटहल, करोंदा, सजावटी पौधे	-	15000	10846
3	कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़	पपीता	रेड लेडी-786	7800	7800
		नींबू	कागजी	13000	7500
		सजावटी पौधे	-	8000	3500
		गुलाब	गंगानगरी	2000	800
4	कृषि विज्ञान केन्द्र सवाई माधोपुर	पपीता	ताईदान	20870	20090
		नींबू	कागजी	290	217
		अनार	मूदुला	800	504
		अन्य	-	540	201
		टमाटर पौध	अर्का रक्षाक, अर्का सम्राट	10000	8424
		मिर्ची पौध	अर्का मेघना	510	255
5	कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता	टमाटर	अर्कारक्षक	45000	44000
		मिर्च	बहुवर्षिय	32000	32000
		पपीता	रेड-लेडी	17000	17000
		अमरुद	एल-49	1200	1200
		नींबू	कागजी नींबू	3202	3200
		गुलाब	गंगानगरी	2800	2800
		रबर	-	380	380
		ग्वार-पाटा	आकांक्षा	649	600
		सागवान	-	920	920
		6	कृषि विज्ञान केन्द्र करीली	सहजना	पी.के.एम 1
जामुन	बीजू			200	-
आंवला	बीजू			1500	-
बैंगन				5000	5000
मिर्च				5000	5000
टमाटर				5000	5000
रोजा / लेमन घास				50000	50000



5. बीज उत्पादन

विश्वविद्यालय के 13 केन्द्रों पर बीज उत्पादन का कार्य किया जाता है। इनमें सबसे अधिक बीज उत्पादन यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज, कोटा पर किया जाता है। कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा, कृषि अनुसंधान केन्द्र, खानपुर/अकलैरा एवं सुल्तानपुर फार्म पर भी मुख्य रूप से बीज उत्पादन का कार्य ही किया जाता है। छः कृषि विज्ञान केन्द्रों पर भी उपलब्ध भूमि के अनुसार कुछ मात्रा में बीज उत्पादन का कार्य किया जा रहा है। यांत्रिक कृषि फार्म, कोटा पर मुख्य रूप से राष्ट्रीय बीज उत्पादन परियोजना के तहत प्रजनक बीज का उत्पादन वैज्ञानिक तरीके से किया जाता है। किस्म एवं मात्रा का आवंटन एवं वितरण कृषि सहकारिता एवं कृषक कल्याण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली के निर्देशानुसार किया जाता है। (वर्ष 2019-20) कृषि विश्वविद्यालय, कोटा, शिक्षा, कृषि प्रसार शिक्षा एवं अनुसंधान के अतिरिक्त एक और महत्वपूर्ण कार्य गुणवत्तायुक्त विभिन्न श्रेणी के बीजों का उत्पादन भी कर रहा है। नाभिकीय बीज प्रजनक बीज, आधार बीज, प्रमाणित बीज एवं सत्य चिन्हित बीज का उत्पादन वर्ष 2019-20 में निम्न प्रकार रहा

5.1 फसलवार बीज उत्पादन (किंवा.) 2019-20

क्र. स.	फसल	बीज की श्रेणी			कुल
		प्रजनक	आधार एव प्रमाणित	सत्यचिन्हित	
1	गेहूँ	4018.90	341.80	3651.54	8012.24
2	चना	1369.93	569	22.40	1961.33
3	सरसों	11.49	721.10	449.50	1182.09
4	मटर	88.30	-	-	88.30
5	मसूर	128.70	-	-	128.70
6	अलसी	7.28	-	-	7.28
7	धनिया	-	-	185.81	185.81
8	मेथी	-	-	72.03	72.03
9	जौ	-	10.00	78.10	88.10
10	जई	-	-	6.20	6.20
11	लहसुन	-	-	108.00	108.00



12	कलोजी	-	-	2.50	2.50
13	चिया	-	-	0.50	0.50
14	किनोआ	-	-	1.00	1.00
15	तारामीरा	-	6.00	-	6.00
16	प्याज	-	-	4.00	4.00
17	सोयाबीन	1275.30	241.00	13.07	1529.37
18	चावल	-	-	645.95	645.95
19	मूंग	100.44	-	4.70	105.14
20	उड़द	29.60	33.50	7.25	70.35
21	ढेचा	-	-	5.75	5.75
22	भिंडी	-	-	27.00	27.00
23	तिल	-	3.00	-	3.00
24	ग्वार	-	8.00	-	8.00
25	अरहर	2.48	-	-	2.48
कुल (रबी+खरीफ)					14251.04

वर्ष 2020 कुल रॉ बीज का उत्पादन 14251.04 कि.व. रहा। जिसमें प्रजनक बीज का उत्पादन 3145.52 कि.व., आधार एवं प्रमाणित बीज का उत्पादन 1933.40 कि.व. एवं सत्यचिह्नित बीज का उत्पादन 5285.30 कि.व. रहा है।

इनका वितरण मांग के अनुसार लगभग 16 राज्यों को किया गया है। इसमें मुख्य रूप से राज्यों के बीज निगम, राष्ट्रीय बीज निगम, कृषको, नेफेड, तिलहम संघ एवं पंजीकृत बीज कंपनियां ही होती है। तीन दलहन एवं दो तिलहन सीड हब के माध्यम से भी आधार एवं प्रमाणित बीज का उत्पादन विश्वविद्यालय के फार्मों या किसान के खेत पर किया जा रहा है। आधार बीज का वितरण बहुगुणित करने हेतु विभिन्न संस्थाओं को मांग के आधार पर वितरण किया जाता है। प्रमाणित एवं सत्यचिह्नित बीज का वितरण कृषकों को पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाता है।

6. निदेशालय प्राथमिकता, निगरानी व मूल्यांकन गतिविधियाँ

प्राथमिकता, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशालय द्वारा वर्ष 2020 में आवश्यकता आधारित नये कार्यक्रमों की योजना का प्रारूप तैयार करने के साथयोजनाओं की क्रियान्विति में सुधार तथा बजट की समीक्षा हेतु आवश्यक चर्चा एवं निर्देशों के लिए विश्वविद्यालय की वरिष्ठ अधिकारी परिषद (SOC) की बैठक दिनांक 03 जून 2020 को आयोजित की गई। विश्वविद्यालय वार्षिक प्रतिवेदन 2019-20, अर्द्धवार्षिक विश्वविद्यालय समाचार पत्र, टेलीफोन डायरेक्टरी, विश्वविद्यालय एक परिदृश्य सहित अन्य प्रकाशन किये गये। विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के डाटा आधार से लिंक करना तथा विश्वविद्यालय स्टाफ हेतु पहचान पत्र बनाने आदि के कार्य सम्पादित किये गये।

7. परीक्षा नियंत्रक कार्यालय

परीक्षा नियंत्रक कार्यालय द्वारा विश्वविद्यालय के सभी महाविद्यालय की परीक्षा संबंधित प्रश्न पत्र तैयार करके समय पर स्नातक, स्नातकोत्तर एवं विद्यावाचस्पति की परीक्षाएँ सम्पादित करके समय पर परिणाम घोषित करना मुख्य कार्य हैं। इस वर्ष राजस्थान के सभी कृषि महाविद्यालयों में स्नातक, स्नातकोत्तर व विद्यावाचस्पति में प्रवेश हेतु जेट-2020 प्री-पीजी व पी. एच.डी. परीक्षा सफलतापूर्वक आयोजित करके प्रवेश प्रक्रिया को समय पर सम्पादित किया। इस वर्ष 2020 में 53 बी एस सी (आनर्स) कृषि, 51 बी एस सी (आनर्स) उद्यानिकी, 25 बी. एस. सी (आनर्स) वानिकी, 52 एम एस सी कृषि/ उद्यानिकी/ वानिकी छात्रों ने परीक्षाएँ उत्तीर्ण की एवं परिणाम 94 प्रतिशत रहा।

28 नवम्बर, 2020 को आयोजित चतुर्थ दीक्षान्त समारोह (वर्चुयल माध्यम) का सफल आयोजन किया गया। जिसमें विज्ञान-स्नातक (आनर्स) उद्यानिकी में 51, वानिकी में 15, कृषि में 54 व विज्ञान स्नातकोत्तर (उद्यानिकी) में 15 छात्रों को



उपाधि प्रधान की गई, दीक्षान्त समारोह में 1 कुलाधिपति स्वर्ण पदक, 1 कुलपति स्वर्ण पदक व 4 स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।

8. सम्पदा कार्यालय विवरण

विश्वविद्यालय में राज्य सरकार, आर.के.वी.वाई, एवं आई.सी.ए.आर. से प्राप्त विभिन्न मदों में प्राप्त धन राशि से अनेक निर्माण कार्य सम्पदा अधिकारी द्वारा करवाये गये जिनका विवरण निम्न प्रकार है :-

8.1. वर्ष 2020 में पूर्ण किये गये कार्य

क्र.सं.	कार्य का विवरण	कुल खर्च (रूपये लाखों में)
1	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा में मेसनरी बाउंड्री वॉल (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	14.71 लाख
2	यांत्रिक कृषि फार्म, उम्मेदगंज कोटा में इम्प्लीमेंट शेड (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	19.50 लाख
3	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में जल संयंत्र संरचना का निर्माण	69.63 लाख
4	कृषि महाविद्यालय कोटा में छात्रावास के लिए इमारतों की मरम्मत और नवीनीकरण	127.73 लाख
5	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय,झालावाड़ में मरम्मत, नवीनीकरण और आधुनिकीकरण काम	63.10 लाख
6	कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज कोटा में बालिका छात्रावास का निर्माण	97.88 लाख
7	कृषि विज्ञान केंद्र हिण्डौन, (करीली) बाउंड्री वॉल का निर्माण	23.02 लाख
8	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में चन्द्रलॉई नदी पर विंटेड कॉजवे (सबमर्सिबल ब्रिज) का निर्माण	23.70 लाख
9	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में कमरों का निर्माण	13.33 लाख
10	कृषि विज्ञान केंद्र बोरखेड़ा कोटा, बाउंड्री वॉल की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य का निर्माण	5.02 लाख
11	कृषि विज्ञान केंद्र बोरखेड़ा कोटा के गोदाम में कोटा स्टोन फ्लोरिंग कार्य	0.65 लाख
12	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में इम्प्लीमेंट शेड (अंडर आरएफ) का निर्माण	12.9 लाख
13	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में बाउंड्री वॉल का निर्माण	8.69 लाख
14	कृषि विज्ञान केंद्र बोरखेड़ा कोटा कैम्पस में जल आपूर्ति लाइन प्रदान करना और बिछाना	1.97 लाख
15	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में गेस्ट हाउस, लेबलिंग, ओवर हेड वाटर जलाशय और डब्ल्यू / एस पाइप लाइनों को बिछाने का कार्य	2.07 लाख
16	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में फार्म एप्रोच ग्रेवल सड़क (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	9.16 लाख
17	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में आरसीसी सिंचाई चैनल (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	13.39 लाख
18	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में प्रायोगिक क्षेत्र (आरकेवीवाई के तहत) की घेन लिक फेंसिंग का कार्य	12.4 लाख
19	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में वर्मी कम्पोस्ट और एजोला यूनिट (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	12.60 लाख
20	कृषि विज्ञान केंद्र सवाई माधोपुर में बाउंड्री वॉल (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	25.00 लाख
21	कृषि विज्ञान केंद्र हिंडौन करीली में इम्प्लीमेंट शेड (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	6.05 लाख
22	कृषि विज्ञान केंद्र कोटा में इम्प्लीमेंट शेड (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	8.25 लाख
23	कृषि विज्ञान केंद्र कोटा में सड़क (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	18.82 लाख
24	कृषि विश्वविद्यालय बोरखेड़ा कोटा में आपूर्ति और अच्छी मिट्टी भरना	4.45 लाख
25	कृषि विश्वविद्यालय बोरखेड़ा कोटा में पार्किंग शेड का निर्माण	4.21 लाख
26	कृषि अनुसंधान उपकेंद्र अकलेरा में बाउंड्री वॉल का निर्माण (आरकेवीवाई के तहत)	2.01 लाख
27	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में कॉन्फेन्स हॉल, समिति हॉल एवं कुलपति महोदय के कार्यालय में फर्नीचर का कार्य	3.55 लाख



28	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में मशीनों द्वारा अयोग्य भूमि का लेवलिंग और ड्रेसिंग।	17.58 लाख
29	कृषि विज्ञान केंद्र बोरखेड़ा कोटा में बाउंड्री वॉल का निर्माण	4.36 लाख
30	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में आरसीसी एनीकट (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	8.18 लाख
31	कृषि अनुसंधान उपकेंद्र अकलेरा में आरसीसी सिंचाई चैनल का निर्माण	9.16 लाख
32	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में फार्म तालाब का संवर्धन (आरकेवीवाई के तहत)	5.00 लाख
33	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में थ्रेसिंग फ्लोर (ईबीएसपी के तहत) का विस्तार	2.24 लाख
34	कृषि महाविद्यालय उम्मेदगंज कोटा में बालिका छात्रावास (आईसीएआर के तहत) का बेलेंस रेनोवेशन वर्कस	19.59 लाख
35	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में प्राकृतिक और जैविक खेती मॉड्यूल इकाई का निर्माण	7.80 लाख
36	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में स्टोर रूम (आरकेवीवाई के तहत हनी बी प्रोजेक्ट) का निर्माण	2.46 लाख
37	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में आरसीसी सिंचाई चैनल-2 (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	8.63 लाख
38	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में कवर्ड थ्रेसिंग फ्लोर -2 (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	13.06 लाख
39	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में मशीनों द्वारा भूमि विकास (आरकेवीवाई के तहत) का कार्य	59.99 लाख
40	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में आरसीसी सिंचाई चैनल (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	11.63 लाख
41	कृषि विज्ञान केंद्र हिंडौन करौली में बकरी शेड (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	18.31 लाख
42	कृषि विज्ञान केंद्र सवाई माधोपुर में बाउंड्री वॉल-2 (अडरआरवीवाई) का निर्माण	17.59 लाख
43	कृषि अनुसंधान उपकेंद्र अकलेरा में फार्म एप्रोच रोड (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	13.09 लाख
44	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में दो सबमर्सिबल पुलों की बहाली और संरक्षण कार्य	13.07 लाख
45	कृषि विज्ञान केंद्र बोरखेड़ा कोटा में एप्रोच रोड (आरकेवीवाई के तहत) का शेष कार्य	18.82 लाख
46	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में बोरखेड़ा की ओर की चारदीवारी का निर्माण	3.68 लाख

8.2. वर्ष 2020 में प्रगतिरत कार्य

क्र.सं.	कार्य का विवरण	स्वीकृत राशि (रुपये लाखों में)
1	कृषि विज्ञान केंद्र कोटा में बीज गोदाम भण्डार का कार्य (आरकेवीवाई के तहत)	6.08 लाख
2	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में गैप और बाढ़ के पानी के आउटलेट स्ट्रक्चर (आरकेवीवाई के तहत) में चारदीवारी का निर्माण	4.11 लाख
3	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में एसी डीह्यूमिडीफाइड सीड स्टोरेज इन्फ्रास्ट्रक्चर का सिविल कार्य	14.52 लाख
4	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में A-C- dehumidified Storage (आरकेवीवाई के तहत) की आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशन	17.15 लाख
5	कृषि विज्ञान केंद्र कोटा में तिलहन हब सरसों के तहत बीज भंडारण गोदाम का निर्माण, फसल सुखाने क्षेत्र, एप्रोच रोड आदि का निर्माण	19.99 लाख
6	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में तिलहन बीज हब का निर्माण	10.58 लाख
7	कृषि विज्ञान केंद्र बूंदी में फार्म एप्रोच ड्रेवल रोड का निर्माण	0.09 लाख
8	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में ट्राइकोडर्मा लेब (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	5.58 लाख
9	कृषि अनुसंधान केंद्र उम्मेदगंज कोटा में रूफ टॉप वॉटिलेटेड सीड गोडाउन (आरकेवीवाई के तहत) का निर्माण	10.86 लाख



10	उद्यानिकी और वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में प्रायोगिक शिक्षण इकाई (आईसीएआर के तहत) का निर्माण	4.16 लाख
11	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में अनुसूचित जाति के लाभार्थियों के लिए कौशल विकास प्रशिक्षण केन्द्र का निर्माण	8.24 लाख
12	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में मंत्रिमंडलों, रिसोशन और क्यूबिकल फर्नीचर आदि का विनिर्माण।	5.01 लाख
13	प्रशासनिक भवन कृषि विश्वविद्यालय कोटा में डीजी सेट के एसआईटीसी आपूर्ति, स्थापना, परीक्षण और कमीशन	12.49 लाख
14	यांत्रिक कृषि फार्म उम्मेदगंज कोटा में कृषि क्षेत्र का सर्वेक्षण	1.12 लाख
15	प्रशासनिक भवन कृषि विश्वविद्यालय कोटा में पार्किंग रोड	4.45 लाख
16	कृषि विश्वविद्यालय कोटा में माननीय कुलपति निवास और उसके आसपास विद्युत संशोधन और रोशनी का निर्माण	3.61 लाख

9. मानव संसाधन

विश्वविद्यालय में स्वीकृत, भरे एवं रिक्त पदों का विवरण

विश्वविद्यालय में प्रशासनिक व अशैक्षणिक के स्वीकृत पदों की कुल संख्या 512 है। जिसमें से 257 पद भरे हुए हैं। इस प्रकार कुल 255 पद रिक्त हैं, जिनका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है :-

क्र. सं.	पद का नाम	स्वीकृत पद					भरे पद					रिक्त पद				
		आयोजना मिन	राज्य योजना	ICAR योजना (अनु.)	ICAR योजना (कैदीके)	कुल	आयोजना मिन	राज्य योजना	ICAR योजना (अनु.)	ICAR योजना (कैदीके)	कुल	आयोजना मिन	राज्य योजना	ICAR योजना (अनु.)	ICAR योजना (कैदीके)	कुल
1	प्रशासनिक पद	03	11	-	-	14	02	10	-	-	12	01	01	0	-	02
	कुल	03	11	-	-	14	02	10	-	-	12	01	01	0	-	02
2	शैक्षणिक पद															
i	प्राध्यापक	05	05	01	-	11	01	0	0	-	01	04	05	01	-	10
ii	सह प्राध्यापक	15	14	04	-	33	01	05	04	-	08	14	11	0	-	25
iii	वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यापक	-	-	-	06	06	-	-	-	02	02	-	-	-	04	04
iv	सहायक प्राध्यापक	46	48	21	18	133	18	16	21	13	68	28	32	00	05	65
v	विषय विशेषज्ञ				24	24				14	14				10	10
	कुल	66	67	26	48	207	20	19	25	29	93	46	48	01	19	114
3	अशैक्षणिक पद															
	मंजूर	25	43	2	12	82	9	19	1	4	33	16	24	1	8	49
	तकनीकी	44	25	18	36	123	21	15	17	15	68	23	10	1	21	55
	घनार्थ श्रेणी	34	36	4	12	86	25	17	01	08	51	09	19	03	04	35
	कुल	103	104	24	60	291	55	51	19	27	152	48	53	5	33	139
	सकल योग	172	182	50	108	512	77	80	44	56	257	95	102	6	52	255



मानव संसाधन विकास के अन्तर्गत आयोजित गतिविधियाँ

9.1 ऑनलाईन प्रशिक्षण

दिनांक 14 से 17 जुलाई 2020 (चार दिवसीय) तथा 23 से 26 सितम्बर 2020 (चार दिवसीय) को सम्पूर्ण भारत के युवाओं के अनुरोध पर उद्यमिता विकास हेतु 2 ऑनलाईन प्रशिक्षण किया गया। इसमें विभिन्न प्रदेशों राउरकेला (उड़ीसा), गुरुग्राम (हरियाणा), लुधियाना (पंजाब), मुंबई, नासिक (महाराष्ट्र), बड़ौदा (गुजरात), भावनगर (सौराष्ट्र) जहानाबाद (बिहार), इलाहाबाद (उत्तर प्रदेश), सतना व पन्ना (मध्य प्रदेश) व अजमेर, झुंझुनु, धौलपुर (राजस्थान) आदि के युवाओं ने ऑनलाईन प्रशिक्षण लिया।



कोटा: 16-07-2020

युवा उद्यमियों को दी सोया प्रोडक्ट की ट्रेनिंग

कोटा एग्री फोड्स अकादमी के माध्यम से युवाओं को सोया प्रोडक्ट की ट्रेनिंग दी गई। इस ट्रेनिंग में देश के विभिन्न राज्यों, राज्यों के 25 युवा अकादमी ट्रेनिंग में।

युवाओं ने सोया के बारे में जानकारी प्राप्त की। सोया एक पौधा है जो अनेक प्रकार के उत्पादों में बदल सकता है। इस ट्रेनिंग में युवाओं को सोया के उत्पादन, प्रसंस्करण, ब्रांडिंग, मार्केटिंग, वितरण, वित्त, और अन्य पहलुओं पर जानकारी दी गई।

9.2 टॉक शो

कृषि विश्वविद्यालय कोटा द्वारा कृषि आधारित कौशल उन्नयन में बदलाव हेतु राष्ट्रीय स्तर पर टॉक शो का आयोजन

टॉक शो में राष्ट्रीय स्तर पर 224 प्रतिभागी रहे जिसमें कि अनुसंधान प्रसार व अध्यापन के कृषि वैज्ञानिक, कृषि पर्यवक्षक उद्यमी, किसान, ग्रामीण युवा, कृषक महिलायें व कृषि क्षेत्र के विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस अवसर पर 31 रिसर्च पेपर व एब्सट्रेक्ट भी कम्पेडियम हेतु प्राप्त किये गए। उक्त टॉक शो का सम्पूर्ण विवरण व सिफारिश कम्पेडियम द्वारा जारी की गई तथा प्रतिभागियों को ई-सर्टिफिकेट वितरित किये गये।





9.3 वेबिनार

Growth of Micro Food Enterprises (Prime Minister Formalization of Micro Food Processing Enterprises (PM-FME) Scheme)

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के मानव संसाधन विभाग ने खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (पी.एम.एफ.एम.ई.) को प्रोत्साहन देने एवं आत्मनिर्भर भारत की ओर कदम उठाते हुए दिनांक 03.10.2020 राष्ट्रीय वेबिनार "ग्रोथ ऑफ माइक्रोफूड इंटरप्राइजेज" का आयोजन किया जिस के मुख्य अतिथि प्रोफेसर ए.के. सिंह महानिदेशक, (प्रसार शिक्षा) आई.सी.ए.आर. नई दिल्ली तथा विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर जितेंद्र सिंह डीन, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, शिलांग थे। वेबिनार की अध्यक्षता माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय कोटा, प्रोफेसर डी.सी. जोशी ने की।



9.4 कार्यशाला

"कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न" विशय पर ऑनलाइन कार्यशाला"

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा द्वारा दिनांक 03.10.2020 को विश्वविद्यालय की समस्त छात्राओं एवं महिला कर्मचारियों हेतु "कार्य स्थल पर यौन उत्पीड़न" विषय पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख वक्ता श्रीमती ममता तिवाड़ी कुलसचिव कृषि विश्वविद्यालय कोटा, सुश्री कल्पना सोलंकी उप पुलिस अधीक्षक कोटा सिटी तथा श्रीमती ललित भदारिया सहायक अभियोजन अधिकारी, गृह मंत्रालय, राजस्थान सरकार, उदयपुर रहे।





10. बजट : वित्त एवं लेखा विवरण

क्र. सं.	व्यौरा	आवंटित बजट 2020-21 (राशि रुपये लाखों में)	व्यय बजट दिसम्बर 2020 तक (राशि ₹0 लाखों में)
1	विश्वविद्यालय निजी आय	713.89	-
2	स्टेट नॉन प्लान (आयोजना मिनन राज्य सरकार)	900.00	815.65
3	स्टेट प्लान(आयोजना) राज्य सरकार	1090.00	1263.93
3.1	31213 कृषि शिक्षा (विश्वविद्यालय हेतु)		
3.2	राष्ट्रीय कृषि विकास योजना	-	437.22
3.3	31213 कृषि अनुसंधान (25 प्रतिशत राज्य सरकार)	160.00	87.38
4	कृषि अनुसंधान (आई.सी.ए.आर. 75 प्रतिशत)	208.52	282.13
4.1	कृषि विज्ञान केंद्र (आई.सी.ए.आर. 100 प्रतिशत)	405.92	451.08
4.2	NICRA, NAHEP, Strengthening & Development Grant & RAWE (ICAR- 100%)	42.43	25.37
4.3	अन्य परियोजना (आई.सी.ए.आर. 100 प्रतिशत)	56.17	-
5	निजी परियोजनाएँ	60.98	11.78
6	अन्य (State/ central & others)	-	49.07
7	कुल स्वीकृत बजट व व्यय	3635.91	3403.61

11. पुरस्कार एवं सम्मान

11.1. शिक्षक / वैज्ञानिक / अन्य कर्मचारी

क्र.सं.	पुरस्कार/सम्मान प्राप्त कर्ता का नाम व पता	पुरस्कार विवरण	पुरस्कार प्रदाता संस्था का नाम
1	डॉ. रामराज मीणा	प्रशस्ति पत्र 26 जनवरी, 2020	जिला प्रशासन कोटा
2	श्रीमति गुन्जन सनाढय	प्रशस्ति पत्र 26 जनवरी, 2020	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
3	श्रीमति गुन्जन सनाढय	यंग एचीवर जनवरी, 2020	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
4	डॉ हरीश वर्मा, कंदीके बून्दी	Reviewer Excellence Award	Agriculture Research Communication Centre.
5	सुश्री इंदिरा यादव	Certificate of Excellence in Reviewing	
6	डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, कंदीके, झालावाड़	कृषि क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार	जिला प्रशासन, झालावाड़
7	डॉ. सेवा राम रुण्डला, कंदीके, झालावाड़	कृषि क्षेत्र एवं कोरोना नियंत्रण कक्ष में उत्कृष्ट योगदान के लिए पुरस्कार	जिला प्रशासन, झालावाड़
8	Dr Ashok Kumar, Asstt. Prof., College of Horticulture and Forestry, Jhalawar	Awarded a Certificate and Memento for the outstanding contribution in Higher Education at District level on 26th January, 2020	District Administration, Jhalawar
9	डॉ. सुरेश कुमार जाट, सहायक प्राध्यापक कीट विज्ञान, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़	उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़ में मधुमक्खी फालन इकाई स्थापित करने पर प्रशंसा पुरस्कार माननीय कुलपति महोदय द्वारा 28 जनवरी 2020 को प्राप्त हुआ	कृषि विश्वविद्यालय, कोटा
10	Dr Ashok Kumar, College of Horticulture and Forestry, Jhalawar	Awarded 'Best Young Scientist' Certificate by International Virtual Conference on Engineering, Medical, Biomedical and Biological Sciences (IVCEMBBS-2020), Oct 24-26, 2020	Organized by SynBiogenica Labs, India, ACE International Pte Ltd, Singapore and Pegaso Canton, Compagnia delle Indie Orientali per Scienza E Tecnologia, Italy



12. प्रकाशन विवरण

12.1 शोधपत्र

S.No.	Title	Author (s)	Name of Journal/ Magazine/ book/ chapter	Year & month	Vol No.& page
1	Enhancement of Mustard (<i>Brassica juncea</i>) Productivity and Profitability through Front Line Demonstrations in Kota district of Rajasthan	Sharma, K.M., Goyal, M.C., Singh, M., and Sharma, A.K.	Ind. J. Pure App. Biosci.	2020	8(2), 108-113
2	Scaling-up of Chickpea (<i>Cicer arietinum</i> L.) Productivity and Profitability through Cluster Front Line Demonstrations and Pulse Seed Hub in Kota district of Rajasthan	Sharma, K.M., Singh, M., Goyal, M.C. and Sharma, A.K.	Ind. J. Pure App. Biosci.	2020	8(2), 212-218
3	Enhancement of yield and economic returns of Wheat (<i>Triticum aestivum</i> L.) through Frontline demonstrations in Kota district of Rajasthan.	Sharma, K.M., Singh, M., Goyal, M.C. and Meena R.R	Journal of Pharmacognosy and phytochemistry;	2020	9(3): 970-973
4	Assessment of water soluble NPK foliar nutrition in Wheat (<i>Triticum aestivum</i> L.) through on -farm testing for improving yield and economic returns.	Sharma, K.M and Singh, Mahendra	International Journal of Science, Environment and Technology;	2020	9(3):510-515
5	Impact of Front Line Demonstrations on Productivity and Profitability of Major Food Grain Crops at Tribal Farmers' Fields in Kota District of Rajasthan	M.C. Goyal, K.M. Sharma, Mahendra Singh, Akash Tariwar and A.K. Sharma	Ind. J. Pure App. Biosci.	2020	8(4), 215-220
6	Effectiveness of Farmer Producer Organization in Delivery of Services - A Case of KurelKisan Producer Company	Dhaka, B. L., Bairwa, R. K. and Kirti	International Journal of Science, Environment and Technology	2020	9(1): 55-60
7	Effect of supplement feeding of shatavari on lactating buffaloes.	Meena, G.S., Bairwa, R.K., Mahajani, K. and Meena, B.S.	Journal of AgriSearch	2020	7(3):182-184
8	Integrated management of bacterial wilt of ginger incited by <i>Ralstonia solanacearum</i>	Roop Singh	International Journal of Plant Sciences	2020	15(2):86-91
9	Effect of zinc and vermi compost on guava fruit productivity	S.K. Bairwa, Harish Verma and V.S. yadav (2020)	paper presented in NAHEP National Seminar on smart Horticulture held at college of Horticulture and forestry, Jhalawat,	January 30-31, 2020.	NAHEP National Seminar on smart Horticulture Souvenir



10	Impact of front line demonstration on production technology of round melon cv Golden set -1 in Sawai madhopur district of Rajasthan.	S.K.Bairwa, Hairsh Verma and V.S. Yadav	Horticulture summit 2020 Mitigating Climatic changes and Doubling farmer's Income through Diversification held at chitrakoot MP.	February 14-16 2020	Indian horticulture (Abstract) PP 224
11	Analysis of attitude of fruit grower towards guava (<i>Psidium guajava</i>) cultivation in Sawaimadhopur district of Rajasthan, India.	S.K.Bairwa, Navab Singh, Hairsh Verma and Ram Asarey	Current Horticulture	January to June 2020	8 (1) : 33-36
12	Physicochemical, Functional Properties and Proximate Composition of Tamarind Seed	K.Mahajani	Agri search	2020	7 (1)
13	Importance and scope of medicinal plants	D.Singh, B. Meena and Indira Yadav	National workshop of medicinal and under utilize plant species for health and nutritional securities	3-4 March , 2020	88-91
14	Potential of bio -control agents against <i>Ganoderma lucidum</i> causing basal stem rot in mesquite (<i>Prosopis cineraria</i>) in arid regions of India.	Mawar, R., Sharma, D and Ram, L.	Journal of forestry research	June, 2020	DOI: https://doi.org/10.1007/s11676-020-01161-3
15	Efficacy of bio-control agent on growth and flowering in chrysanthemum (<i>Dendranthema grandiflora</i> Tzvelev) cv. Marigold	Abhisheak Meena, Ashutosh Mishra, Prerak Bhatnagar, Ladhu Ram and Hanuman Singh	International Journal of Chemical Studies	August 2020	Vol. 8, Issue 5 (2020)
16	Correlation amongst yield and quality attributes of guava fruit in response to foliar feeding of zinc and iron in Vertisols of Jhalawar district.	Meena, L.K., Bhatnagar, P., Singh, J., Chopra, R. and Solanki, P.	The Pharma Innovation Journal;	2020	9(6): 349-351
17	Effect of foliar spray of zinc and iron on floral characters expression and yield attributing parameters of guava cv.L-49 in vertisols of Subhumid plains of South Eastern Rajasthan	L.K Meena, P.Bhatnagar, MK Sharma and J.Singh	International Journal of Chemical Studies	2020	8(4), 123-126.
18	Correlation dynamics among growth, development and soil parameters in response to Vermicompost and PSB on Jamun cv. Goma Priyanka in Vertisols of Jhalawar district	Ravindra Kumar Meena, P.Bhatnagar, J.Singh, Rahul Chopra and Hemraj Chhipa	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry	2020	9(4), 1950-1952
19	Multiple correlation studies among growth, development and soil parameters under utilisation of Vermiompost and PSB on Jamun cv.Goma Priyanka in Vertisols of South Eastern Rajasthan	Ravindra Kumar Meena, P.Bhatnagar, J.Singh, Rahul Chopra and Hemraj Chhipa	International Journal of Chemical Studies	2020	8(4), :3726-3728
20	Role of Ethnobotany on Indian society: A Review	Dr. Kanica Chauhan	Journal of Arts, Culture, Philosophy, Religion, Language and Literature	May-August, 2020	4 (2) 109-111



21	Variation in hot and cold water soluble extractive content in gymnosperms from Western Himalayas	Dr. Kanica Chauhan, Dr. K.R.Sharma & Dr. Bhupender Dutt	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry	September, 2020	9(5); 1151-1154
22	Variation in fibre dimensions of some angiosperm woods of South -east Rajasthan	Sarender Meghwal & Dr. Kanica Chauhan	The Pharma Innovation Journal	September, 2020	9(10) 557-559
23	Fruit bagging and bag colour affects physico-chemical, nutraceutical quality and consumer acceptability of pomegranate (<i>Punica granatum L.</i>) arils.	Asrey R., Kumar K., Sharma R.R., Meena, N. K.	Journal of Food Science and Technology,	2020	57(4): 1469-1476.
24	Effect of microbial consortia on growth and development of Jamun (<i>Syzygium cumini L.</i>) cv. Goma Priyanka.	Singh, J., Bhatnagar, P., Meena, N. K., Chopra, R. and Vijayan, A.	Hort Flora Research Spectrum.	2020	9 (1&2): 46-49
25	Vegetative and quality parameters of custard apple as affected by pruning intensities and time.	Choudhary, K., Dhakare, B.B. and Meena, N. K.	Journal of Crop and Weed.	2020	16(2):139-146.
26	Effect of chemicals treatment on keeping quality and vase life of gladiolus flowers.	Mohibe, N., Jain, S.K., Mishra, A. and Meena, N. K.	Alexandria Science Exchange Journal.	2020	41 (3): 285-293.
27	Phytodiversity Characterization of Mukundara Hills Tiger Reserve.	Kumar, D., Chauhan, P.S., Pandey, S.B.S., Bhatnagar, P., Sharma, M.K. and Nagar, B.	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences	2020	9(07): 2037-2047.
28	Effect of seed treatments on plus trees of <i>Buchanania lanzan</i> in South - Eastern Rajasthan.	Chauhan P.S., Sharma Minita, Pandey S.B.S., Bhatnagar P., Sharma M.K. and Nagar Bhuvnesh	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry,	2020	9(4): 301-303.
29	Effect of dates of transplanting and crop geometries on growth, yield and quality of cape gooseberry.	Sarita Bagri, J.Singh and Kalpana Choudhary	Indian Journal of Horticulture,	2020	77 (1): 101-05.
30	Chemical Composition of an Aphid Antifeedant Extract from an Endophytic Fungus, <i>Trichoderma</i> sp. EFI671	N Kaushik, CE Diaz, H Chhipa, LF Julio, MF Andrés, A González-Coloma	Microorganisms	2020	
31	Genotype x Environment Interactions, Adaptability with Sustainability Index and their Comparison in Release Varieties of Sugarcane (<i>Saccharum officinarum L.</i>) under South Eastern Plain Zone of Rajasthan	Koli N. R., Meena R. K., Manoj Kumar, Meena P. K. P., Meena S. N and Jatav R. S.	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences	2020	9(8):1143-1149



32	Seed germination behaviour and seedling attributes of <i>Buchanania lanzan</i> (Spreng.) in South-Eastern Rajasthan.	Sharma, Minita, Chauhan, P.S., Pandey, S.B.S., Bhatnagar, P, Sharma, M.K. and Nagar, Bhuvnesh.	The Pharma Innovation Journal	2020	9(1): 123-128.
33	Analysis of pomological traits amongst Jamun genotypes in scrub forests of Jhalawar district.	Bhatnagar Prerak, Sharma, M. K. and Singh Yogendra .	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry	2020	9(2): 1905-1910.
34	Effect of herbicidal weed control on growth and yield of soybean.	Meena, Bharat Lal, Meena, D. S., Ram Baldev, Sharma, M. K., Gautam Chirag and Nagar Gajendra.	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences.	2020	9(10): 2880-2884.
35	Effect of different tillage practices and cropping systems on crop productivity.	Arya, C. K., Singh Bhim and Sharma, M. K.	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences.	2020	9(10): 2880-2884.
36	Studies on Genetic Variability, Correlation and Path Analysis in Lentil (<i>Lens culinaris</i> Medik.) Genotypes	Jitendar Kumar Meena, Khajan Singh, PKP Meena, Rajesh Kumar and Deepak Meena	Int. J. Curr. Microbiol. App. Sci. (2020)	2020	9(9) 2078-2087
37	Yield, quality and economics of Indian mustard (<i>Brassica juncea</i>) under different nutrient supply in clay loam soils of Rajasthan.	Meena, B.S., Patidar, B.K., Meena, L.K., Meena, S.N. and Meena, K.C.	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry	2020	9(4): 656-659.
38	Evaluation of hydrogel and salicylic acid application effect on yield, quality, economics and water-use efficiency of Indian mustard (<i>Brassica juncea</i>) in restricted irrigation condition of S-E Rajasthan.	Meena, B.S., Narolia, R.S., Meena, L.K., Meena, K.C. and Meena, S.N.	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences	2020	ISSN: 2319-7706 Volume 9 (05):3274-3283.
39	Response of nitrogen, phosphorus and potassium on quality parameters and economics analysis of Indian mustard (<i>Brassica juncea</i> (L.) Czern and Coss).	Sharma, A., Meena, B.S., Meena, R.K., Yadav, R.K., Patidar, B.K., Dhayal, S. and Kumar, R.	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry	2020	9(5): 911-913.
40	Effect of different levels of nitrogen, phosphorus and potassium on growth, yield attributes and yield of Indian mustard (<i>Brassica juncea</i> (L.) Czern and Coss) in S-E Rajasthan.	Sharma, A., Meena, B.S., Meena, R.K., Yadav, R.K., Patidar, B.K., Dhayal, S. and Kumar, R.	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences.	2020	ISSN: 2319-7706 Volume 9 (09) :2216-
41	Productivity and profitability of mustard (<i>Brassica juncea</i>) and lentil (<i>Lens esculenta</i>) intercropping system influenced by different levels of fertility	Kumawat, R, Shivran, AC, Ram, Baldev, Tatarwal, JP, Yadav, BD and Bijarnia, A.	Annals of Agricultural Research New Series	2020	41 (1): 1-6



42	Effect of irrigation schedule, residue incorporation and nutrient management on system productivity and profitability of soybean-wheat cropping system in vertisols of Rajasthan	Narolia, R.S., Singh Pratap, Ram Baldev, Dhakar, R.R and Meena Harphool,	Indian Journal of Agronomy,	2020	65(1):17-24.
43	Comparative assessment of different methods of rice cultivation in relation to water management practices under vertisols of Rajasthan	Narolia, R.S., Ram Baldev, Meena, B.S. and P.K. Chacharya	Indian Journal of Pure and Applied Biosciences	2020	8 (3):685-692
44	Association Studies in Pigeonpea [<i>Cajanus cajan</i> (L.) Millsp.],	S.C. Sharma, Rajesh Kumar and Mohhamid Aarif	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry,	2020	9 (3): 1176-1178
45	Assessment of Correlation and Path Coefficient Analysis for Yield and it's Attributing Traits in Rice (<i>Oryza sativa</i> L.) Genotypes	Deepak Meena, Manoj Kumar, Sandhya, N. R. Koli, Yamini Tak and Ashok Kumar Meena	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences	2020	9 (7): 3845-3851
46	Studies on Genetic Variability and Character Association in Linseed (<i>Linum usitatissimum</i> L.) Genotypes	Ashok Kumar Meena), Sandhya Kulhari), Manoj Kumar, N. R. Koli, Yamini Tak, Deepak Meena and Neetu Meena	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences	2020	9(7): 3949-3957
47	Soil Pollution with Nickel, its Geochemistry, Health Issues and Reclamation: A Review.	Basu Devi Yadav, Neelam Yadav, Rajendra Kumar Yadav, Deep Mohan Mahala, Sharvan Singh Yadav, Roshan Kumawat, Vinod Kumar Yadav, Anju Bijamia, Gopal Lal Dhakar and Dhumi Lal Yadav	Chemical Science and News Letter	2020	9(34), DOI: 10.37273/chesci.cs20510135
48	Performance of Hybrid fodder sorghum (Sugargraze).	Meena, Harphool Pratap Singh, S.N.Meena, D. L. Yadav and N L Meena (2020)	Int.J.Curr.Microbiol.App.Sci.,	2020	9(5) 1601-1606
49	Dynamics of Boron in Soils and Plants.	Neelam Yadav, Basu Devi Yadav, Rajendra Kumar Yadav, Sharvan Singh Yadav, Karishma	Chemical Science and News Letter	2020	9(34), DOI: 10.37273/chesci.cs20510138



		Yadav, Malu Ram Yadav, Vinod Kumar Yadav, Anil Kumar Verma, Roshan Kumawat, Anju Bijarnia and Chiranjeev Kumawat 2020.			
50	Field efficacy of <i>Trichoderma viride</i> against <i>Fusarium wilt</i> of chickpea	Roop Singh	National webinar souvenir/ proceedings	8-9 May, 2020	67
51	Field performance of insecticides against pod borer in chickpea	Roop Singh	National webinar souvenir/ proceedings	8-9 May, 2020	68
52	Organoleptic and Nutritional evaluation of value added noodles from amaranth seed flour	Dr Priyanshu Tripathi and Dr RenuMogra	International Research Journal of Pure and Applied Chemistry	August ,2020	1167-1174
53	Correlation and path analysis studies in ashwagandha [<i>Withania somnifera</i>	Kapil Kumar Nagar, RB	International Journal of Chemical Studies	2020	8(5): 467-471
54	Genetic variability, heretibility, genetic advance analysis in Ashwagandha [<i>Withania somnifera</i> (L.) Dunal	Kapil Kumar Nagar, RB Dubey, Turfan Khan, HK Tank and Jitendra Kumar Tak	Journal of Pharmacognosy and Phytochemistry	2020	9(4): 1670-1672
55	Assessment of Genetic Divergence in Ashwagandha <i>Withania somnifera</i> (L.) Dunal	Kapil Kumar Nagar, RB Dubey, Turfan Khan, HK Tank and L.L. Bairwa	International Journal of current Microbiology and Applied Sciences	2020	9(2): 2319-7706
56	Immunity Booster: Curbing The Menace of Covid-19	Mamta Tiwari	International Journal of Current Microbiology and Applied Sciences	2020	9 (10)



12.2 अन्य प्रकाशन

(बुलेटिन फोल्डर book Chapter , Popular Article) विवरण

क्र. सं.	शीर्षक	लेखक	प्रकाशन विवरण	प्रकाशन अवधि
1	स्वयं सहायता समूह : ग्रामीण नारी आर्थिक उत्थान का सशक्त माध्यम	कमला महाजनी, एवं गुंजन सनाध्या	कृषि मंजूषा	अप्रैल 2020
2	SHG' Resort to mask making for additional income &social responsibility	Gunjan sanadhya	Innovative Agri-solution during covid-19 (ICAR booklet)	June 2020
3	Self Reliant India Through Value Addition in Farm Produce	Gunjan Sanadhya, K.Mahajani and Sarita	AUK Souvenir	2020
4	Covid-19 Reduce Your Risk of Infection	K.Mahajani Gunjan Sanadhya	AUK Souvenir	2020
5	e- Compendium of National Talk Show Skill Development Dynamics for Agro-preneurship in Post Pandemic India	Dr. Manita Tiwari Gunjan Sanadhya, K.Mahajani	AU Kota	Jun 29, 2020
6	सीयाबीन का पीथिक महत्व	Gunjan Sanadhya, K.Mahajani and Sarita	अभिनव कृषि	2020
7	प्रो ट्रे तकनीक: किसानों की दुगुनी आय का आयाम	इंदिरा यादव और कमला महाजनी	कृषक सुरक्षा	15-31 जनवरी, 2020
8	स्वयं सहायता समूह : ग्रामीण नारी आर्थिक उत्थान का सशक्त माध्यम	कमला महाजनी और गुंजन सनाध्या	कृषक मंजूषा	अप्रैल, 2020
9	कोरोना वायरस: कोविड -19 : रोग प्रतिरोधक क्षमता व खानपान	कमला महाजनी	कृषि मंजूषा	अप्रैल 2020
10	माइक्रो फाइनेंस : खेती का व्यावहारिक विकल्प	डॉ घनश्याम मीना एवं डॉ कमला महाजनी	मध्यभारत कृषक भारती	जनवरी 2020
11	संतरे में कीट रोग प्रबन्धन	डॉ हरीश वर्मा, डॉ राकेश बैरवा एवं अरविन्द नागर	फल-फूल पत्रिका	मई-जून 2020,
12	डेयरी उद्योगिता में कमलेश की सफलता	डॉ घनश्याम मीना	मध्यभारत कृषक भारती	जुलाई, 2020
13	मधुमक्खी पालन एवं प्रबन्धन	डॉ हरीश वर्मा, डॉ घनश्याम मीना, डॉ राकेश बैरवा, डॉ कमला महाजनी, डॉ श्रवणलाल जाट एवं महेन्द्र चौधरी	बुकलेट, कवीक, बून्दी	मार्च, 2020
14	मसालों की उन्नत उत्पादन तकनीकी	इंदिरा यादव, डॉ हरीश वर्मा, घनश्याम मीना, डॉ राकेश बैरवा, डॉ कमला महाजनी एवं महेन्द्र चौधरी	बुकलेट, कवीक, बून्दी	मार्च, 2020
15	उड़द उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन तकनीकी	डॉ कमला महाजनी, डॉ हरीश वर्मा, घनश्याम मीना, डॉ राकेश बैरवा, इंदिरा यादव एवं महेन्द्र चौधरी	बुकलेट, कवीक, बून्दी	2020
16	कोविड 19 महामारी से बचाव- हल्दी की खेती का सुझाव	इंदिरा यादव, कमला महाजनी, बी.एल. नागर	कृषक सुरक्षा	जुलाई 2020



17	घास फसलों, घासों एवं खरपतवारों में पाये जाने वाले रसायन तथा उनका पशु स्वास्थ्य पर प्रभाव एवं बचाव के उपाय-	डॉ घनश्याम मीणा, डॉ कमला महाजनी, डॉ राकेश बैरवा,इंदिरा यादव	कृषक सुरक्षा	जुलाई 2020
18	सीधी बुवाई द्वारा धान की खेती -	महेन्द्र चौधरी, डॉ राकेश कुमार बैरवा, डॉ कमला महाजनी, डॉ घनश्याम मीणा	अभिनव कृषि	जून 2020
19	अलसी का पोषण व महत्व, प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन,	डॉ कमला महाजनी, गुंजन सनादय, डॉ सुमित्रा कुमारी मीणा एवं डॉ राकेश कुमार बैरवा	अभिनव कृषि	जून 2020
20	सांयाबीन का पोषण महत्व व प्रसंस्करण व मूल्य संवर्धन-	गुंजन सनादय, डॉ कमला महाजनी एवं सरिता	अभिनव कृषि	जून 2020
21	खरीफ की फसलों में कीट प्रबन्धन-	डॉ देवकरण बैरवा, डॉ हरीश वर्मा एवं डॉ श्रवण लाल जाट	अभिनव कृषि	जून 2020
22	कोविड-19 से बचाव एवं आय का साधन टमाटर प्रसंस्करण,	डॉ कमला महाजनी, डॉ राकेश कुमार बैरवा एवं गुंजन सनादय	कृषक सुरक्षा	जुलाई 2020
23	न्यूट्री थाली कितनी भरी कितनी खाली	डॉ कमला महाजनी, गुंजन सनादय, डॉ सुमित्रा कुमारी मीणा	फोल्डर, केवीके बून्दी	सितम्बर, 2020
24	जनजाति उपयोजना गतिविधियाँ एक झलक	डॉ हरीश वर्मा, डॉ घनश्याम मीणा, डॉ कमला महाजनी, डॉ राकेश बैरवा,इंदिरा यादव	फोल्डर, केवीके बून्दी	अगस्त, 2020
25	समन्वित पोषक तत्व प्रबन्धन	डॉ राकेश कुमार बैरवा, डॉ सेवाराम रुण्डला, डॉ बी .एल. डाका, डॉ हरीश वर्मा, डॉ कमला महाजनी, इंदिरा यादव, महेन्द्र चौधरी	बुकलेट, केवीके बून्दी	फरवरी 2020
26	न्यूट्री गार्डन पोषण सुरक्षा का आवाम	डॉ घनश्याम मीणा, डॉ कमला महाजनी, डॉ राकेश बैरवा,इंदिरा यादव	बुकलेट, केवीके बून्दी	मार्च, 2020
27	पशुपालन दिग्दर्शिका	डॉ घनश्याम मीणा, डॉ कमला महाजनी, डॉ राकेश बैरवा,इंदिरा यादव	बुकलेट, केवीके बून्दी	मार्च, 2020
28	बकरी पालन	डॉ घनश्याम मीणा, डॉ कमला महाजनी, डॉ राकेश बैरवा,इंदिरा यादव	बुकलेट, केवीके बून्दी	मार्च, 2020
29	चना व सरसों की फसल में समन्वित कीट प्रबन्धन	डॉ हरीश वर्मा एवं डॉ देवकरण बैरवा	अभिनव कृषि	सितम्बर, 2020
30	वर्मीकम्पोस्ट प्रशिक्षण पुस्तिका	डॉ. सेवा राम रुण्डला, डॉ अर्जुन कुमार वर्मा, डॉ मोहम्मद युनुस, श्री अरविन्द नागर, सुश्री सुनीता कुमारी, श्री दिनेश चौधरी	तकनीकी बुलेटिन केवीके झालावाड	जनवरी, 2020



31	वर्मीकम्पोस्ट उत्पादन तकनीक	डॉ. सेवा राम रूपडला, डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, डॉ. मोहम्मद युनुस, श्री अरविन्द नागर, सुश्री सुनीता कुमारी, श्री दिनेश चौधरी	तकनीकी फोल्डर केंवीके, झालावाड़,	जनवरी, 2020
32	मधुमक्खीपालन प्रशिक्षण पुस्तिका	डॉ. सेवा राम रूपडला, डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, डॉ. मोहम्मद युनुस, श्री अरविन्द नागर, सुश्री सुनीता कुमारी, श्री दिनेश चौधरी	तकनीकी बुलेटिन केंवीके, झालावाड़,	फरवरी, 2020
33	मधुमक्खी पालन अपनावे आमदनी बढ़ावे	डॉ. सेवा राम रूपडला, डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, डॉ. मोहम्मद युनुस, श्री अरविन्द नागर, सुश्री सुनीता कुमारी, श्री दिनेश चौधरी	तकनीकी फोल्डर केंवीके, झालावाड़,	फरवरी, 2020
34	मधुमक्खी पालक	डॉ. सेवा राम रूपडला, डॉ. अर्जुन कुमार वर्मा, डॉ. मोहम्मद युनुस, श्री अरविन्द नागर एवं सुश्री सुनीता कुमारी	तकनीकी बुलेटिन केंवीके, झालावाड़,	जुलाई 2020
35	समन्वित पोषक तत्व प्रबंधन	डॉ. राकेश कुमार बैरवा, डॉ. सेवा राम रूपडला, डॉ. बी. एल. डांका, डॉ. हरीश वर्मा, डॉ. कमला महाजनी, डॉ. घनश्याम मीना, सुश्री इंदिरा यादव एवं श्री महेन्द्र चौधरी	पोपुलर आर्टिकल कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	2020
36	गर्मी में करे हरी खाद की खेती	डॉ. मोहम्मद युनुस	कृषि गोल्डलाईन	मई 2020
37	कचरा अपघटक जैविक खेती के लिए वरदान	सुनील कुमार, अर्जुन कुमार वर्मा, मोहम्मद युनुस, अरविन्द नागर	खेती	मई 2020
38	"बदलते जलवायु परिदृश्य में शून्य-जुताई तकनीक है कारगर"	गोपाल लाल चौधरी, पारस नाथ, राम स्वरूप बाना, कैलाश प्रजापत, सेवा राम रूपडला	खेती	जून, 2020
39	सतरे में समन्वित कीट एवं रोग प्रबंधन	हरीश वर्मा, शशि कुमार बैरवा और अरविन्द नागर	फल फूल	मई-जून 2020
40	Customized fertilizer - Smart way of nutrient management.	Chopra, R.	Agriculture & food e-Newsletter	2 (3): 432-434, 2020.
41	Drip fertigation in Vegetables -a novel approach to increase productivity and Resource use efficiency.	Chopra, R.	Agriculture & food e-Newsletter.	2 (2): 150-153,2020.
42	मिट्टी व पानी की जाँच, श्रम, धन व समय की बचत	नाना लाल माली और राहुल चौपड़ा	मरुमेघ किसान पत्रिका	2020
43	सतरे में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन	नाना लाल माली और राहुल चौपड़ा	अभिनव कृषि	वर्ष - 2, अंक - 1, 2020



44	Liquid Biofertilizers Boon for Farmers. Agriallis: Science for Agriculture and Allied Sector A monthly	Chopra, R. and Mali, N.L.	e-Newsletter,	Volume 2 – Issue 9, 2020
45	Organic Inputs: Nutritious Way for Sustainable Agriculture.	Chopra, R. and Singh, A.	Agriallis: Science for Agriculture and Allied Sector A monthly e-Newsletter	Volume 2 – Issue 8, 2020
46	कैसे तैयार करें ड्राईकोडर्स	लाघु राम एवं हनुमान सिंह	राजस्थान खेती प्रताप	April, 2020
47	Vaat, Pitt shamak, bhukh badhane ke sath sharer ko majbooti deta gehun.	Natthani, S. and Meena, N.K.	Rajasthan Patrika-health page,	21.03.20202
48	Hadoti anchal mein phalta phoolta sitaphal.	Choudhary, K., Meena, N.K., Bhatnagar, P. and Sharma, Y.	Abhinav Krishi.	2 (3): 34-36. 2020
49	Benefits of pruning in custard apple.	Choudhary, K. and Meena, N.K.	Indian Horticulture.	65 (4): 38-40:2020
50	राहद शिक्षासन, शोधन, पैकिंग एवं विपणन	डॉ. सुरेश कुमार जाट	Popular article	जून, 2020
51	नींबू प्रजाति के फलों में कीट प्रबंधन	डॉ. सुरेश कुमार जाट	Popular article	अगस्त 2020
52	मधुमक्खी पालन में पराग का महत्व	डॉ. सुरेश कुमार जाट	Popular article	जुलाई 2020
53	“Rnai TECHNOLOGY : a smart approach for crop improvement”	Ashok Kumar	Souvenir of National Seminar on smart horticulture,	January, 30-31, 2020
54	“In vitro micropropagation of rough lemon (citrus jambhiri lush.) Through nodal segment	Anil Kumar Gupta, Hemraj Chhipa, Ashok Kumar and Manish Kumar	Souvenir of National Seminar on smart horticulture,	January 30-31, 2020. Pp 431
55	“Bio-efficacy evaluation of diquat 20% sl applied in potato and their carry over effect on succeeding maize crop in chambal command area of rajasthan”	Ashok Kumar	Souvenir of National Seminar on smart horticulture,	January, 30-31, 2020.
56	Mass multiplication of horticultural crops by tissue culture.	Ashok Kumar, Anil Kumar Gupta, Hemraj Chhipa and Manish Kumar	Souvenir of National Seminar on smart horticulture,	January 30-31, 2020. Pp 335-342.
57	Effect of nanoparticles on germination and growth of Tomato abstract published	Shubham Kumar Meena, Rajesh Kumar Sharma and Hemraj Chhipa	Souvenir of National Seminar on smart horticulture,	January 30-31, 2020
58	व्यवसायिक मधुमक्खी पालन	एस. के. जाट, लाघु राम, हनुमान सिंह	Extension Bulletin	Feb. 2020
59	आंवले की फसल में कीट एवं रोग प्रबंधन	लाघु राम एस. के. जाट, हनुमान सिंह, योगेन्द्र कुमार शर्मा	Folder	Feb, 2020
60	कृषि रसायनों के भण्डारण एवं छिड़काव में सावधानियाँ	लाघु राम एस. के. जाट, हनुमान सिंह, योगेन्द्र कुमार शर्मा	Folder	Feb, 2020



61	डींगरी मशरूम की खेती	हनुमान सिंह , लघु राम , एस. के. जाट	Folder	Feb, 2020
62	पराग संवय, मण्डारण एवं उपयोग	एस. के. जाट , लघु राम , हनुमान सिंह	Folder	Feb, 2020
63	शहद निष्कासन, शोधन, पैकिंग एवं विपणन	एस. के. जाट , लघु राम , हनुमान सिंह	Folder	Feb, 2020
64	Poudhshala Prabandhan	Singh, J., Choudhary, K., Bhatnagar, P., Meena, N.K., Ram, L. and Sharma, Y.K.	Folder	2020
65	Amrood ki unnat utapadan teknik.	Sharma, Y.K., Meena, N.K., Ladhuram,	Folder	2020
66	Role of Herbal Tea in disease reduction	Dr Priyanshu Tripathi & Dr Vishakha Sharma	E-souvenir SWEFT	June,2020
67	Achieving food security through reducing food wastage	Dr Priyanshu Tripathi & Dr NishuBhati	E-souvenir SWEFT	June,2020
68	Functional Food: A modern approach to better health	Dr Priyanshu Tripathi & Dr Vishakha Sharma	E- compendium of International Webinar	June ,2020
69	Nutraceutical & Joint Health	Dr Vishakha Sharma & Dr Gitanjali & Dr Priyanshu Tripathi	E- compendium of International Webinar	June,2020
70	Extension through social media	Dr NishuBhati& Dr Priyanshu	E-souvenir SWEFT	June,2020
71	दुधारू पशुओं में खनिज मिश्रण का महत्व	Dr. Bacchu Singh, Roop Singh, Dr. Priyanshu Tripathi, Mohan Lal Jat, Mukesh Choudhary	मध्य भारत कृषक भारती	June, 2020
72	बाजरे की फसल में सफेद लट प्रबंधन	Roop Singh, Dr. Bacchu Singh, Mohan Lal Jat, Mukesh Choudhary	फार्म ऐन फूड पत्रिका	June, 2020
73	Tulsi: - A Boon Against Covid -19 And Viral Flu	Dr. Suresh Bairwa, Dr.Priyanshu Tripathi and M.L. Jat	COMPENDIUM, National Talk Show On Skill Development Dynamics For Agripreneurship In Post Pandemic India	July, 2020
74	Krishi evam Pasupalan ke uchit samanvyay se murari lal bane logon ke margdarshak	Dr. B.S. Meena	Khet-khajan	July
75	Income Generation through backyard poultry of tribal farmers: A success story.	Dr. B.S. Meena	Compendium of National Talk show Skill development dynamics for agripreneurship in post pandemic India	22.07.2020
76	प्रोटीन युक्त सोयाबीन का प्रसंस्करण, उत्पाद एवं उद्यमिता	Mamta Tiwari	राजस्थान पत्रिका	30.09.2020
77	Self-reliant India: Efforts since two decades	Mamta Tiwari	AUK Souvenir 2020	2020
78	आकक्षा	Mamta Tiwari	AUK Souvenir 2020	2020
79	आत्मनिर्भर भारत: दार्ढ़ दशकों से निरन्तर प्रयास विश्व	Mamta Tiwari	कृषि संचार द्वितीय पत्रिका	2020



Book Chapters

80	Ganoderma	Ritu Mawar, Ladhu Ram, Dipesh Sharma and Tanu Mathur	Beneficial microbes in agro-ecology, Bacteria and Fungi, Elsevier Science	May, 2020
81	Nutritional quality of stone fruits. In Shabir Khan (Eds.) production technology of stone fruits.	Meena, N. K. and Choudhary, K.	Springer publication. ISBN 978	2020
82	Orchard factors affecting quality of stone fruits. In In Shabir Khan (Eds.) production technology of stone fruits.	Choudhary, K and Meena, N. K.	Springer publication. ISBN 978	2020
83	Nano-carbon fertilizers: Implications of carbon nanomaterials in sustainable agriculture production	R.Aacharya, Hemraj Chhipa	Carbon Nanomaterials for Agri-Food and Environmental Applications, 297-321	2020

13 विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों द्वारा सेमिनार, कान्फ्रेंस, कार्यशाला/विन्टर व सगर स्कूल में भागीदारी का विवरण

S.No.	Name of Scientist	Title of event	Organised by	From	To
1	Smt. Gunjan Sanadhya	online training programme on Advances in smart food processing techniques	Mahatma phule krishi vidhyapeeth Rahuri (Maharashtra)	4.6.2020	15.6.2020
2	Smt. Gunjan Sanadhya	E-learning certificate-Physical activity Yoga& Physical activity Infant and young child feeding	Ministry of women and child development of India & ICMR-NIN,Hyderabad	12.6.20	
3	Smt. Gunjan Sanadhya	On line training-IIGneous2020	Indian institute of Geomegnatism	29.5.2020	7.6.2020
4	Dr. Harish Verma	Participation in state level work plan (2020) workshop for KVK's Rajasthan	Organized by Director ICAR-ATARI, Jodhpur at Agriculture University, Jodhpur	23.01.2020	24.01.2020
5	Dr. Harish Verma	Participation in National seminar on smart-horticulture (under NAHEP-IG, ICAR,New Delhi)	Organized by college of horticulture and forestry, Jhalawar	30.01.2020	31.01.2020
6	Dr. Harish Verma	Participation in review meeting of seed hub and international conference on pulse as the climate smart crops: changes and opportunities	organized by society of pulse research and development ICAR- Indian Institute of Pulse Research and Development – ICAR-Indian Institute of Pulses Research, Kanpur, at International convention centre (Minto Hall) Bhopal, MP	10.02.2020	12.02.2020
7	Dr. Harish Verma	Participation in Xth national KVK conference 2020 on Empowering youth for technology led farming	Organized by ICAR, New Delhi at Auditorium convention centre, NASC complex, New Delhi	28.02.2020	01.03.2020
8	Dr. Harish Verma, Dr. Ghanshyam Meena, Dr. K. Mahajani	Participation in online review workshop on ARYA under zone-II, Jodhpur.	Organized by DDG Ext. Education, ICAR, New Delhi online KVK, Bundi	16.06.2020	



9					
10	D. Harish Verma, Dr. R.K.Bairwa	Participation in Online annual zonal review workshop of KVK of Rajasthan, Haryana & Delhi	AU Kota	17.07.2020	19.07.2020
11	Dr. R.K.Bairwa	Workshop on FPO	KVK, Anta	11.08.20	
12	Indira Yadav	Virtual Sensitization Meeting on various programmes and initiatives by ICAR ATARI, Jodhpur	KVK, Bundi	18.09.2020	
13	Dr. Harish Verma, Dr.Ghanshyam Meena, Dr. Rakesh Kumar Bairwa, Dr. Kamla Mahajani	Participation In Online Annual Review Meeting Of TSP/SCSP Annual Progress Report 2019 And Action Plan 2020-21	KVK, Bundi	28.09.2020	
14	Dr. Harish Verma, Dr. Ghanshyam Meena, Dr. Kamla Mahajani, Miss Indira Yadav,	Online Webinar meeting on "Agricultural act 2020 for barrier free trade" organized with directorate of marketing and inspection regional office Jaipur (Raj.) and ATARI, Jodhpur	KVK, Bundi	12.10.2020	
15	Dr. Kamla Mahajani,	National Webinar on growth of micro food enterprises PM-FME	HRD , AU, Kota	3.11.2020	
16	Dr. Harish Verma	Virtual Zonal workshop cum training under National food security mission pulses	Organized ICAR- ATARI, Jodhpur, zone- II, Jodhpur	23.11.2020	24.11.2020
17	Dr. G.S Meena Dr. K. Mahajani Ms. Indira Yadav	National Seminar on SMART Horticulture	CH&F, Jhalawar	30.01.2020	31.01.2020
18	Dr. Arjun Kumar Verma	National Seminar on SMART Horticulture	CH&F, Jhalawar	30.01.2020	31.01.2020
19	Dr. Mohammad Yunus	State level workshop for Annual Action Plan	AU, Jodhpur	23.01.2020	24.01.2020
20	Dr. Arjun Kumar Verma	Neo-Conventional Approaches for Genetic Improvement of Perennial Horticulture Crops	Division of Fruits & Horticultural Technology, ICAR-IARI, Pusa, New Delhi	17.01.2020	06.02.2020
21	Mr. Arvind Nagar	International conference "Pulses as the climate smart crops: challenge and opportunities" (IC Pulse 2020)	Organized by ISPRD and IIPR, Kanpur at Bhopal, India	10.02.2020	12.02.2020
22	Dr. Arjun Kumar Verma, Dr. Mohammad Yunus, Mr. Arvind Nagar, Dr. Sewa Ram Rundala & Ms. Samita Kumari	Communication Skills for Effective Extension Services	KVK, Jhalawar	05.03.2020	07.03.2020
23	Dr. Arjun Kumar Verma, Dr. Sewa Ram Rundala	Online Review workshop meeting of ARYA by ICAR-ATARI and DDG-ICAR	KVK, Jhalawar	16.06.2020	
24	Dr. Arjun Kumar Verma, Dr. Mohammad Yunus and Dr. Sewa Ram Rundala	Project Monitoring Review Committee Meeting through video conferencing	KVK, Jhalawar	19.06.2020	



25	Dr. Mohammad Yunus	Six week online training cours on Employment generation among Rural Youth through Agripreneurship	agMOOCs, Department of Extension Education Bihar Agriculture University, Sabour	21.04.2020	14.06.2020
26	Dr. Mohammad Yunus	National Talk Show on Skill Development Dynamics for Agro-preneurship in Post Pandemic India	DPM&E, AU, Kota	29.06.2020	
27	Dr. Mohammad Yunus	Three days online training on covid-19 prevention & control	Conducted by RIPA, RTC, Kota through google meet application	05.08.2020	08.08.2020
28	Dr. Mohammad Yunus & Sh. Arvind Nagar	Annual Review Meeting of TSP & SCSP through online platform	KVK, Jhalawar	28.09.2020	
29	Dr. Mohammad Yunus, Sh. Arvind Nagar & Dr. Sewa Ram Rundala	"National Level consultation on Principles and Practices of Residue Management for Bharatiya Prakritik Krishi Paddhati (BPKP)- Natural Farming" through online platform	KVK, Jhalawar	29.09.2020	30.09.2020
30	Dr. Sewa Ram Rundala	Webinar on "Conservation Agriculture for Combating Climate Change"	KVK, Jhalawar	24.10.2020	
31	Dr. Sewa Ram Rundala	Webinar on "In-Situ Crop Residue Management for Reducing Environment Pollution"	KVK, Jhalawar	17.10.2020	
32	Dr Jitendra Singh Dr. A. Mishra Dr. P.S. Chahuhan Dr. SBS Pandey Dr Prerak Bhatnagar Dr. Kavita A. Dr Ashok Kumar Dr. Priyanka Solanki Dr. Rajesh Sharma Dr. Anil Gupta Dr. Anchal Sharma Sh. Nirmal Kumar Meena Dr Hemraj Chhipa Dr Bhuri Singh Dr Bhuvnesh Nagar Dr Hanuman Singh	Natinal Seminar on Smart Horticulture	CH&F, Jhalawar	30.01.2020	31.01.2020
33	Sh. Ladhu Ram	One day Brain storming session on Crop improvement of Arid Zone fruits.	SKNAU, Jobner	18.01.2020	
34	Sh. Nirmal Kumar Meena	Winter school on GAP and value addition in low volume high value crops.	NRCSS, Ajmer	01.02.2020	21.02.2020
35	Dr Hemraj Chhipa	21 days training on Advanced Bioinformatics Techniques mapping and GWAS using NGS data Training Programme during	ICAR-IASRI, New Delhi	06.02.2020	26.02.2020



36	Dr. P S Chauhan Dr. Suresh Kumar Jat	Sensitization Workshop entitled "NAHEP Component -2 Activities and Implementation" Academics Management System and Project Management System	College of Horticulture and Forestry at Agriculture University, Kota.	25.02.2020	26.02.2020
37	Sh. Ladhu Ram Sh. Nirmal Kumar Meena	XXIV Research Workers Group Meeting of AICRP on Arid Zone Fruits	TNAU, Coimbatore	28.02.2020	01.03.2020
38	Dr. Ashok Kumar	Workshop on Communication Skills for Effective Extension Services	sponsored by Extension Education Institute, Anand Agriculture University, Anand held at Krishi Vigyan Kendra, Jhalawar, Agriculture University, Kota	05.03.2020	07.03.2020
39	Sh. Nirmal Kumar Meena	online training programme on Protected cultivation technologies for climate smart agriculture	CAAST, MPKV, Rahuri	21.04.2020	29.04.2020
40	Dr. Hemraj Chhipa	Four day national e-workshop on corona virus ke saath manav leevan mai computer prodhyogiki: chunotiya aur roktham	Department of Higher education, Ministry of Human Resources development, New Delhi	26.05.2020	29.05.2020
41	Dr. Anil Kumar Gupta	Forthcoming challenges for food security in Indian context	SHUATS, Allahabad	17.06.2020	18.06.2020
42	Dr. Ashok Kumar	online training on Advanced Bioinformatics Tools and its Applications in Agriculture (SKILL -BIF, ICAR-NAARM)	organized by ICAR-NAARM, Hyderabad	16.09.2020	19.09.2020
43	Mr. Nirmal Kumar Meena	One week online training on Agriculture 4.0 Precision and automated Ag. Technologies	CAAST MPKV, Rahuri	28.09.2020	02.10.2020
44	Mr. Nirmal Kumar Meena	Faculty development programme on Emerging technologies in Post harvest management and value addition in horticultural commodities	NIFTEM, Sonapat	02.11.2020	05.11.2020



14. प्रतिष्ठित व्यक्तियों का विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाईयों का अवलोकन

S.No.	Name & Designation	Date of visit	Purpose	
1	श्री कैलाश चौधरी, माननीय कृषि राज्यमंत्री भारत सरकार	02.10.2020	कृषक संवाद, कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा	
2	डॉ. एस. एल. मेहता पूर्व कुलपति म.प्र.कृ. एवं प्रौ.वि., उदयपुर एवं अध्यक्ष क्यू.आर.टी.	10.01.2020	क्यू.आर.टी. विजिट, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	
3	डॉ. एस. एल. मेहता पूर्व कुलपति म.प्र.कृ. एवं प्रौ.वि., उदयपुर एवं अध्यक्ष क्यू.आर.टी.	10.01.2020	क्यू.आर.टी. विजिट, कृषि विज्ञान केन्द्र, बून्दी	
4	प्रोफेसर डी. सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	06.01.2020	वैज्ञानिक सलाहकार समिति बैठक कृषि विज्ञान केन्द्र कोटा	
5	प्रोफेसर डी. सी. जोशी, माननीय कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	29.07.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़ का अवलोकन	
6	डॉ. हेमन्त सिंह, डीसीएफ, झालावाड़	15.01.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं जीवत प्रदर्शन इकाईयों के भ्रमण एवं अवलोकन	
7	डॉ. वी.सी.गर्ग, सीओई, जिला परिषद, झालावाड़	20.01.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं जीवत प्रदर्शन इकाईयों के भ्रमण एवं अवलोकन	
8	ई.मधु सुदन, आचार्य, भूतपूर्व अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	21.01.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं जीवत प्रदर्शन इकाईयों के भ्रमण एवं अवलोकन	



9	डॉ. डी. एस. खंगारोट, एसएमओ, मेडिकल कॉलेज, झालावाड	22.01.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं जीवंत प्रदर्शन इकाईयों के भ्रमण एवं अवलोकन	
10	डॉ. एस. के. शर्मा, भूतपूर्व अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड.	31.01.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं जीवंत प्रदर्शन इकाईयों के भ्रमण एवं अवलोकन	
12	श्री आर. डी. सिंह, संयुक्त निदेशक, सीओई, मेन्डेरिन, झालरापाटन, झालावाड	03.03.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं जीवंत प्रदर्शन इकाईयों के भ्रमण एवं अवलोकन	
13	श्री दाताराम, एम.डी. एन, झालावाड	20.10.2020	कृषि विज्ञान केन्द्र की गतिविधियों एवं जीवंत प्रदर्शन इकाईयों के भ्रमण एवं अवलोकन	
14	<p>Padma Shree Dr. Bharna Singh, Ex-Director, DRDO, New Delhi,</p> <p>Dr. K.K. Singh Ex-DDG- Horticulture ICAR, New Delhi</p> <p>Dr. Vishal Nath, Director ICAR-NRC on litchi</p> <p>Dr. Gopal Lal, Director NRCSS, Tabiji Ajmer</p> <p>Dr. G.L. Keshwa, Ex HVC, Agriculture University Kota</p> <p>Prof. D.C. Joshi, HVC, AU, Kota</p> <p>Dr Ulrich Berk, Germany</p>	30-31 Jan 2020	Distinguish guests in National Seminar organized by College of Horticulture and Forestry, Jhalawar	



15. कोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विश्वविद्यालय की गतिविधियाँ

विश्वविद्यालयनेकोविड-19 लॉकडाउन के दौरान विभिन्न कार्यों को समयबद्ध एवं सफलतापूर्वक सम्पादित करने के लिए तीन कोर ग्रुपों का गठन किया गया जो कि निम्न प्रकार हैं:-

- (I) प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रबंधन
- (II) शैक्षणिक प्रबंधन
- (III) अनुसंधान, प्रसार एवं फार्मप्रबंधन

विश्वविद्यालय स्तर पर माननीय कुलपति द्वारा समय समय पर कोरग्रुपों द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा की गई जिसका ब्यौरा निम्न प्रकार है -

(I) प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रबंधन

- कृषि विश्वविद्यालय के स्तर पर कोविड-19 से सम्बन्धित प्रशासनिक आदेश, परिपत्र औरदिशा निर्देशों को समय पर लागू करना।
- वित्तीय स्वीकृति और बिल सम्बन्धी कार्य।
- कोविड-19 के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष के अंतर्गतविश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियोंद्वारा 1-5 दिन का वेतन दिया गया।
- केरियर एडवान्समेन्ट स्कीम (CAS) आवेदकों की स्क्रीनिंगका कार्य किया गया।
- आरक्षण रोस्टर तैयारी का कार्य किया गया।

(II) शैक्षणिक प्रबंधन

कोर ग्रुप का गठन - कोविड -19 लॉकडाउन अवधि के दौरान इस विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए ऑनलाइन शिक्षण की नीतियों का गठन करने और लागू करने के लिए अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा एवं उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़, निदेशक शिक्षा तथा परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा का एक कोर ग्रुप बनाया गया एवं समय समय पर ग्रुप की समीक्षा बैठके आयोजित की गई। इस ग्रुप द्वारा निम्न कार्य किये गये :-

- स्नातकोत्तर/विद्यावाचस्पति के छात्रसमूहों के लिए व्हाट्सएप समूह, ई-ब्याख्यान, गूगल, जूम, वीडियो क्लिप, पीपीटी, पीडीएफ अध्ययन सामग्री, ईमेल, यूट्यूब, और मोबाइल कॉल के रूप में विभिन्न तरीकों का उपयोग करके ऑनलाइन शिक्षण किया गया।
- कॉलेज की वेबसाइट पर सभी अध्ययन सामग्री की पीडीएफ अपलोड की गई।
- सभी यूजी और पीजी कक्षाओं के शैक्षणिक सत्र 2019-20 के प्रथम सेमेस्टर के परिणाम अप्रैल, 2020 में घोषित किये गये।
- ऑनलाइन शिक्षण द्वारा स्नातकोत्तर छात्रों का शोध कार्य एवं निरंतर रूप से थीसिस समय पर प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया गया।
- ऑनलाइन माध्यम से सभी पात्र पीजी छात्रों की मौखिक परीक्षाओं का आयोजन किया गया।
- ऑनलाइन माध्यम से प्री एंड पोस्ट थीसिस सेमिनारआयोजित किये गये।

अन्य किये गये कार्य

- उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय, झालावाड़ द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना निदेशालय, जयपुर, राजस्थान सरकार के साथ संपर्क में रहना।
- निबंधन के लिए कोरोना उपायों के साथ लोगों को जोड़ना।
- कोविड-19और रोकथाम उपायों पर आत्म जागरूकता।
- आरोग्य सेतु ऐप डाउनलोड करने के लिए लोगों को प्रोत्साहनकरना।



- प्रतिरक्षा बढ़ाने, योग्य, स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए बड़े पैमाने पर संदेश प्रसारण ।
- कोविड-19के बारे में छात्रों, कर्मचारियों और अन्य समुदायों के साथ ऑनलाइन एवं टेलीफोनिक बातचीत ।
- विभिन्न तकनीकी, कैरियर एवं प्लेसमेंट मुद्दों पर कोविड-19 के दौरान छात्रों की काउंसलिंग ।
- प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु आयुष मंत्रालय द्वारा विभिन्न प्रकार के पेय पदार्थ एवं अन्य प्रतिरोधक पदार्थों की जानकारी आम नागरिकों को देना
- विभिन्न फोटोग्राफी और नारा लेखन प्रतियोगिताओं में छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित करना ।
- 31 मई, 2020 को एनसीसी कैंडिडेटों के लिए COVID-19 प्रशिक्षण में 9 एनसीसी कैंडिडेट्स की भागीदारी कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ।
- कृषि विश्वविद्यालय, कोटा के शैक्षणिक प्रबंधन प्रणाली पर पंजीकरण कार्य ।

(III) अनुसंधान, प्रसार एवं फार्म प्रबंधन

विश्वविद्यालय के अनुसंधान केन्द्रों, फार्मों एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों पर किये कोविड-19 के दौरान गये कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है-

- सभी केन्द्रों पर विभिन्न फसलों का बीज उत्पादन हेतु तैयार बीज की कटाई व गहाई कार्य पूर्ण कराया गया साथ ही भण्डारण भी कर लिया गया, ताकि आगामी सत्र में इसको उपयोग में लाया जा सके ।
- जायद फसल मूंग, उड़द की विभिन्न केन्द्रों पर बुवाई की गई एवं स्प्रिंकलर द्वारा सिंचाई का प्रबंधन किया गया ।
- इसके साथ किसानों एवं श्रमिकों को केन्द्र व राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार कोरोना के बचाव हेतु जागरूक किया गया एवं मौसम भविष्यवाणी के अनुसार कार्य करने हेतु एडवाइजरी जारी की गई एवं समसामयिकी सलाह लगातार दी गई ।
- विश्वविद्यालय के सभी केन्द्रों के फार्मों पर खरीफ 2020 में बोई जाने वाली फसलों की रूपरेखा भी तैयार की गई ।
- कृषि प्रसार शिक्षा के अन्तर्गत कृषि विज्ञान केन्द्रों व अनुसंधान केन्द्रों द्वारा ग्रामीण मौसम सेवा सलाह किसानों को लगातार बताया गया ताकि वे वर्षा तापक्रम, आद्रता इत्यादि द्वारा तदनुसार बचाव कार्य कर सकें ।
- विभिन्न समाचार पत्रों, आकाशवाणी, दूरदर्शन इत्यादि माध्यम द्वारा कृषकों को गर्मी में हरा चारा उगाने व समसामयिकी सलाह दी गई साथ ही कोविड-19 से बचाव हेतु मास्क पहनकर कार्य करने, सेनेटाइजर का प्रयोग करने, सोशियल डिस्टेंसिंग का ध्यान रखने के साथ-साथ बार-बार साबुन से हाथ धोने एवं साफ सफाई हेतु लगातार जागरूक किया गया ।
- गर्मी की गहरी जुताई व समतलीकरण करने एवं फसलों के अवशेषों को न जलाने की भी लगातार सलाह दी गयी ।
- विश्वविद्यालय के विभिन्न इकाईयों में लगातार सेनेटाईज करने हेतु सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया गया ।
- लॉक डाउन अवधि के दौरान कृषि विज्ञान केन्द्रों द्वारा किये गये कार्यों की प्रशंसा केन्द्रीय कृषि व कल्याण मंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने भी भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की समीक्षा बैठक के दौरान की ।
- केंवीके द्वारा स्वयं सहायता समूहों को मास्क बनाने का प्रशिक्षण दिया गया एवं लगभग 5000 मास्क तैयार कर किसानों एवं अन्य संस्थाओं को उपलब्ध कराये गये ।
- आरोग्य सेतु एप को मोबाइल में डाउनलोड करने हेतु कृषक समुदाय को प्रेरित किया गया ।
- केंवीके कोटा द्वारा रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने हेतु उत्पाद तैयार कर उपलब्ध कराया गया ।
- केंवीके कोटा द्वारा पपीता के 5000 पौधे किसानों को उपलब्ध कराये गये ।



अन्य कार्य

- सभी बीज उत्पादन इकाइयों पर बीज उत्पादन गुणवत्ता हेतु मॉनिटरिंग टीम द्वारा निरीक्षण किया गया तथा फसलों में रोगिग कार्य करवाए गये।
- सभी केंद्रों पर सरसों फसल (86.5 है.) की सम्पूर्ण कटाई व गहाई कर गोदामों में सुरक्षित भंडारित किया गया।
- घना फसल के कुल बोये गये क्षेत्रफल 100 है. की कटाई एवं गहाई पूर्ण की गई।
- अन्य फसलों जैसे धनिया, मटर व मेथी की भी शत प्रतिशत कटाई एवं गहाई पूर्ण की गई।
- फली झड़ने वाली प्रकृति की फसलों को प्राथमिकता के आधार पर गहाई किया गया।
- कृषि अनुसंधान केंद्र कोटा, उपकेंद्र खानपुर व अकलेरा, यात्रिक कृषि फार्म कोटा पर लगभग 12.5 है. में मूंग, उड़द जायद की बुवाई की गई इसमें स्प्रिंकलर से सिंचाई की व्यवस्था की गई।
- विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं के अंतर्गत प्रयोगों के फसलों की कटाई गहाई का कार्य पूर्ण किया गया।
- राज्य सरकार के दिशा निर्देशानुसार कृषकों एवं कृषि श्रमिकों को कोरोना के प्रति जागरूक किया गया तथा कृषि सलाह भी अखबार के माध्यम से लगातार जारी की गई।
- अप्रैल माह में गेहूँ कुल क्षेत्र 242 है. की कटाई कार्य ज्यादातर कम्बाईन से सम्पन्न हुआ। खरीफ फसलों हेतु रबी फसलों उपरांत खेतों की जुताई कार्य किये गये कृषकों को सामयिक कृषि सलाह तथा कोरोना से बचाव की जानकारी भी प्रदान की गई।
- पशुओं को हरा चारा हेतु बरसीम व चरी की बुवाई भी की गई।



विश्वविद्यालय

दीक्षान्त समारोह

कृषि विश्वविद्यालय का चतुर्थ दीक्षान्त समारोह 28 नवम्बर 2020 को वर्चुअल मोड पर आयोजित किया गया। जिसकी अध्यक्षता श्री कलराज मिश्र माननीय राज्यपाल राजस्थान एवं कुलाधिपति कृषि विश्वविद्यालय ने की। समारोह के दीक्षान्त अतिथि पदम भूषण डॉ. आर. एस. परोदा पूर्व महानिदेशक भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद, नई दिल्ली एवं सचिव कृषि अनुसन्धान एवं शिक्षा विभाग भारत सरकार रहे।

इस समारोह में प्रो. डी.सी. जोशी माननीय कुलपति ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया।

दीक्षान्त समारोह में सत्र 2018-19 में उत्तीर्ण विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) उद्यानिकी में 51, विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) वानिकी में 15 छात्रों विज्ञान स्नातक (ऑनर्स) कृषि में 54 छात्रों को एवं विज्ञान स्नातकोत्तर (उद्यानिकी) में 15 छात्रों सहित कुल 135 उपाधि प्रदान की गई। साथ ही दीक्षान्त समारोह में एक कुलाधिपति स्वर्ण पदक, एक कुलपति स्वर्ण पदक व 4 अन्य स्वर्ण पदक प्रदान किये गये।





परिशिष्ट-1

प्रबंध मंडल के सदस्य

क्र.सं.	नाम सदस्य एवं पता	पदेन
1	प्रो.डी.सी. जोशी, कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2	श्री रामनारायण मीणा, माननीय विधायक पीपल्स विधानसभा क्षेत्र	विधानसभा अध्यक्ष द्वारा मनोनीत सदस्य
3	प्रमुख शासन सचिव, वित्त राजस्थान सरकार	पदेनसदस्य
4	प्रमुख शासन सचिव, कृषि राजस्थान सरकार	पदेनसदस्य
5	प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन राजस्थान सरकार	पदेनसदस्य
6	सचिव, उच्च एवं तकनीकी शिक्षा, राजस्थान सरकार	पदेनसदस्य
7	डॉ. ओ.पी.यादव, निदेशक, ICAR-CAZRIजोधपुर (भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के प्रतिनिधि)	सदस्य
8	प्रो.अयूब खान, गणित विभाग, जय नारायण विश्वविद्यालय जोधपुर प्रख्यात शिक्षाविद	सदस्य
9	प्रो.डी.पी. जारोली, जयपुर प्रख्यात शिक्षाविद	सदस्य
10	श्री चौधमल नागर, प्रगतिशील किसान	सदस्य
11	श्री बजरंग कुमार साबू, कोटा प्रतिष्ठित कृषि उद्योगपति	सदस्य
12	श्रीमती रुकमणी मीणा, कोटा महिला समाज सेविका	सदस्य
13	डॉ. एम.सी.जैन, अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
14	डॉ. एस.के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
15	डॉ. विरेन्द्र सिंह, प्रोफेसर, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
16	श्रीमती ममता तिवाड़ी, कुलसचिव, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट- 2

अकादमिक परिषद के सदस्य

क्र. सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो.डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2.	डॉ. वीरेन्द्र नेपालिया, पूर्व परीक्षा नियंत्रक एम.पी.यू.ए.टी.	बाह्य सदस्य
3	डॉ. प्रताप सिंह निदेशक अनुसंधान कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
4.	डॉ. एस.के. जैन निदेशक प्रसार शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
5.	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन विकास कृ.वि. कोटा	सदस्य
6.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.एण्ड ई कृ.वि. कोटा	सदस्य
7.	डॉ. जितेन्द्र सिंह निदेशक छात्र कल्याण कृ.वि. कोटा एवं विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग सी.एच.एफ. झालावाड़	सदस्य
8.	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
9.	डॉ. आई.बी.मौर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य
10	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
11	डॉ. आशुतोष मिश्रा विभागाध्यक्ष पुष्प एवं भूपरिदृश्य विभाग उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य



12	डॉ. बलदेव राम विभागाध्यक्ष (शस्य विज्ञान) कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
13	डॉ. सुभाष शर्मा विभागाध्यक्ष आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन विभाग) कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
14	डॉ. डी.के. सिंह, प्रोफेसर उद्यान विज्ञान के.वी.के. अन्ता (बाराँ)	सदस्य
15	डॉ. एस.बी.एस. पाण्डेय, विभागाध्यक्ष सिल्वीकल्चर एण्ड एग्रोफोरेस्ट्री, सी.एच.एफ. झालावाड	सदस्य
16	डॉ. पी.एस. चौहान, विभागाध्यक्ष (फोरेस्ट बायोलोजी एण्ड ट्री इम्प्रूवमेन्ट) सी.एच. एफ. झालावाड	सदस्य
17	श्रीमति ममता तिवारी, कुलसचिव कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
18	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	आमंत्रित
19	डॉ. एल.के. दशोरा, आई.सी.ए.आर., एमेरिटस प्रोफेसर कृषि विश्वविद्यालय कोटा	आमंत्रित
20	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-3

अनुसंधान परिषद के सदस्य

क्र.स.	नाम एवं पद	पदेन
1.	प्रोफेसर डी. सी. जोशी माननीय कुलपति महोदय कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2.	आयुक्त/निदेशक (कृषि) पन्त कृषि भवन जयपुर (नामित सदस्य)	सदस्य
3.	निदेशक (उद्यानिकी) पन्त कृषि भवन जयपुर (नामित सदस्य)	सदस्य
4.	मुख्य संरक्षक वानिकी जयपुर (नामित सदस्य)	सदस्य
5.	डॉ. एस. के. जैन, निदेशक प्रसार शिक्षा, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6.	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
7.	डॉ. मुकेश चन्द गोयल निदेशक पी0एम0ई	सदस्य
8.	डॉ. आई. बी. मोर्या, अधिष्ठाता, वानिकी एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, झालावाड	सदस्य
9.	डॉ. एन. सी. जैन, अधिष्ठाता, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
10.	डॉ. जे. एम. धाकड़, अतिरिक्त निदेशक बीज एवं फार्म, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
11.	डॉ. एन.एल. मीणा, क्षेत्रीय निदेशक अनुसन्धान, कृ.अनु. केन्द्र, कोटा	सदस्य
12.	डॉ. एस. बी. एस. पाण्डेय, वानिकी एवं उद्यानिकी महाविद्यालय, झालावाड (विभागाध्यक्ष)	सदस्य
13.	डॉ. आर. के. सिंह, निदेशक ICAR-IIS&WC, कोटा	सदस्य
14.	प्रख्यात वैज्ञानिक (कुलपति द्वारा नामित)	सदस्य
15.	प्रख्यात वैज्ञानिक (कुलपति द्वारा नामित)	सदस्य
16.	डॉ. बलदेव राम, कृषि महाविद्यालय एवं कृषि अनु. केन्द्र, कोटा विभागाध्यक्ष (शस्य)	सदस्य
17.	डॉ. सी. बी. मीणा, कृषि अनु. केन्द्र, कोटा	सदस्य
18.	डॉ. महेन्द्र सिंह, कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	सदस्य
19.	डॉ. बी. एल. मीणा, कृषि विज्ञान केन्द्र, सवाई माधोपुर	सदस्य
20.	डॉ. एच. पी. मीणा, प्रभारी अधिकारी, सुल्तानपुर फार्म	सदस्य



21.	डॉ. एस.एल. यादव, प्रभारी अधिकारी, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, खानपुर	सदस्य
22.	श्री प्रदीप कुमार, प्रभारी अधिकारी, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र, अकलेरा	सदस्य
23.	डॉ. जे. पी. तैतरवाल, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	सदस्य
24.	डॉ. चमन जादीन, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	सदस्य
25.	डॉ. डी.एल. यादव, कृषि अनुसंधान केन्द्र, कोटा	सदस्य
26.	डॉ. प्रताप सिंह, निदेशक अनुसंधान, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-4
प्रसार शिक्षा परिषद के सदस्य

क्र. सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो. डी. सी. जोशी माननीय कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2	सचिव कृषि विभाग राजस्थान सरकार	सदस्य
3	निदेशक कृषि/उधान/पशुपालन/मत्स्य/मुख्य वन संरक्षक राजस्थान सरकार	सदस्य
4	विश्वविद्यालय के सभी निदेशक	सदस्य
5	सभी संकायों के अधिष्ठाता	सदस्य
6	विश्वविद्यालय के सभी विभागाध्यक्ष	सदस्य
7	प्रसार शिक्षा के दो प्रख्यात वैज्ञानिक कुलपति द्वारा नामित	सदस्य
8	तीन प्रगतिशील किसान कुलपति द्वारा नामित	सदस्य
9	निम्न संस्थाओं से एक प्रति निधि कुलपति द्वारा नामित 1. ग्रामीण विकास विभाग 2. सहकारिता विभाग 3. राज्य कृषि उद्योग 4. सिचाई विभाग 5. इफको 6. राष्ट्रीय बीज निगम 7 अन्य कृषि उद्योग आधारित संस्था	सदस्य
10	निदेशक प्रसार शिक्षा	सदस्य सचिव



परिशिष्ट-5

वरिष्ठ अधिकारी परिषद के सदस्य

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो.डी.सी. जोशी, माननीय कुलपति	पदेन अध्यक्ष
2	श्रीमति ममता तिवारी, कुलसचिव कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
3	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
4	डॉ. प्रताप सिंह निदेशक अनुसंधान कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
5	डॉ. एस.के. जैन निदेशक प्रसार शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
6	डॉ. जितेन्द्र सिंह निदेशक छात्र कल्याण कृषि विश्वविद्यालय कोटा	सदस्य
7	डॉ. ममता तिवारी, निदेशक मानव संसाधन विकास कृ.वि. कोटा	सदस्य
8	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
9	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
10	डॉ. आई.बी.मौर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य
11	ए.के.सक्सेना सम्पदा अधिकारी	सदस्य
12	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
13	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.एण्ड ई कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य सचिव
14	डॉ. एल.के. दशोरा, आई.सी.ए.आर., एमेरिटस प्रोफेसर कृषि विश्वविद्यालय कोटा	आमंत्रित
15	डॉ. के.एम. गौतम, तकनीकी सलाहाकार कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित
16	ई. आई.एन. माधुर, नोडल अधिकारी वेबसाइट कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	आमंत्रित
17	डॉ. जे.एम. धाकड़ अतिरिक्त निदेशक बीज एवं प्रभारी अधिकारी एम.एफ. कोटा	आमंत्रित
18	डॉ. एन.एल. मीना, क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान, कृषि अनुसंधान केन्द्र कोटा	आमंत्रित
19	डॉ. महेन्द्र सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र, कोटा	आमंत्रित
20	डॉ. हरिश वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र बून्दी	आमंत्रित
21	डॉ. डी.के. सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र अन्ता (बारों)	आमंत्रित
22	डॉ. बच्चू सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र हिण्डौन (करीली)	आमंत्रित
23	डॉ. अजुन वर्मा, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र झालावाड़	आमंत्रित
24	डॉ. बी.एल. मीना, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष कृषि विज्ञान केन्द्र सवाई माधोपुर	आमंत्रित
25	डॉ. एस.एल. यादव, प्रभारी अधिकारी, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र खानपुर	आमंत्रित
26	डॉ. प्रदीप चौधरी, प्रभारी अधिकारी, कृषि अनुसंधान उपकेन्द्र अकलेरा	आमंत्रित
27	डॉ. हरफूल मीना, प्रभारी अधिकारी, सुल्तानपुर फार्म बीज उत्पादन	आमंत्रित

परिशिष्ट-6

शिक्षा परिषद के सदस्य

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	डॉ. आशुतोष मिश्रा निदेशक शिक्षा कृषि विश्वविद्यालय कोटा	अध्यक्ष
2	डॉ. आई.बी.मौर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड़	सदस्य
3	डॉ. एम.सी. जैन, अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय कोटा	सदस्य
4	डॉ. जितेन्द्र सिंह निदेशक छात्र कल्याण कृ.वि. कोटा एवं विभागाध्यक्ष फल विज्ञान विभाग सी.एच.एफ. झालावाड़	सदस्य
5	डॉ. विरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य
6	पुस्तकालयाध्यक्ष, कृषि विश्वविद्यालय, कोटा	सदस्य

**परिशिष्ट-7****वित्त समिति के सदस्य**

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	माननीय प्रो. डी.सी. जोशी, कुलपति	अध्यक्ष
2.	श्री के.सी.मीना, संभागीय आयुक्त	प्रतिनिधि वित्त विभाग
3	निदेशक अनुसंधान/प्रसार शिक्षा	सदस्य
4.	श्रीमती ममता तिवारी, कुलसचिव	विशेष आमन्त्रित
5.	श्री रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-8**भवन समिति के सदस्य**

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	प्रो. दिनेश चन्द जोशी, कुलपति	अध्यक्ष
2	श्रीमती ममता तिवारी, कुलसचिव	सदस्य
3	रामधन रेगर, वित्त नियंत्रक	सदस्य
4	डॉ. मुकेश चन्द गोयल, निदेशक पी.एम.एण्ड ई.	सदस्य
5	अतिरिक्त मुख्य अभियंता, पी.डब्ल्यू. कोटा	सदस्य
6	डा.एम.सी.जैन, अधिष्ठाता, कृ.महाविद्यालय कोटा	सदस्य
7	ए.के.सक्सेना सम्पदा अधिकारी	सदस्य सचिव

परिशिष्ट-9**बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड**

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	डॉ. आई.बी.मौर्या, अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड	पदेन अध्यक्ष
2	निदेशक शिक्षा	सदस्य
3	निदेशक छात्र कल्याण	सदस्य
4	परीक्षा नियंत्रक	सदस्य
5	सभी विभागाध्यक्ष	सदस्य
	सब्जी विज्ञान विभाग (डॉ. आई.बी. मौर्या)	सदस्य
	फसलोत्तर तकनीक (डॉ. एस.के. जैन)	सदस्य
	फल विज्ञान विभाग (डॉ. जितेन्द्र सिंह)	सदस्य
	पुष्प एवं भूपरिदृश्य विभाग (डॉ. आशुतोष मिश्रा)	सदस्य
	वन जीव विभाग एवं वृक्ष सुधार (डॉ. पी.एस. चौहान)	सदस्य
	सिल्वीकल्चर एण्ड एग्रोफोरस्ट्री (डॉ. एसबीएस पाण्डेय)	सदस्य
6.	समस्त प्रोफेसर विभागाध्यक्ष के अतिरिक्त	सदस्य
7.	टीचर्स कुलपति महोदय द्वारा नामित	
	डॉ. के.एन. ओझा	अन्त सदस्य
	डॉ. बलदेव राम, ए.आर.एस. कोटा	अन्त सदस्य
8.	बाह्य विशेषज्ञ	
	डॉ. अनिल नेगी वैज्ञानिक, आई.सी.एफ.आर.ई. देहरादून	बाह्य सदस्य
	डॉ. एस.के. शर्मा, अधिष्ठाता, उद्यानिकी महाविद्यालय, सिक्किम	बाह्य सदस्य



परिशिष्ट-10

बोर्ड ऑफ स्टडीज के सदस्य, कृषि महाविद्यालय, कोटा

क्र.सं.	नाम व पद	पदेन
1	डॉ. एम.सी.जैन संकाय अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, कृषि महाविद्यालय, कोटा	पदेन अध्यक्ष
2	डॉ. आई.बी.मीया, अन्य महाविद्यालय के अधिष्ठाता, उद्यानिकी एवं वानिकी महाविद्यालय झालावाड	पदेन सदस्य
3	डॉ. आशुतोष मिश्रा, निदेशक शिक्षा	पदेन सदस्य
4	डॉ. जितेन्द्र सिंह, निदेशक छात्र कल्याण	पदेन सदस्य
5	डॉ. बीरेन्द्र सिंह, परीक्षा नियंत्रक	पदेन सदस्य
6	सभी विभागाध्यक्ष	सदस्य
	i. डॉ. एम.सी.जैन, उद्यानिकी	सदस्य
	ii. डॉ. बलदेव राम, शस्य विज्ञान	सदस्य
	iii. डॉ. सुभाष चन्द शर्मा, आनुवांशिकी एवं पादप प्रजनन	सदस्य
7	विभागाध्यक्ष के अलावा दो प्राध्यापक कुलपति द्वारा नामित	
	i. डॉ. एस.के. जैन (उद्यानिकी)	सदस्य
	ii. डॉ. महेन्द्र सिंह (पशु विज्ञान)	सदस्य
8	कुलपति द्वारा नामित दो सहायक प्राध्यापक	
	i. डॉ. सी.बी.मीना (पीघव्याधि)	सदस्य
	ii. डॉ. एम.के. शर्मा (मूदा विज्ञान)	सदस्य
9	दो बाह्य सदस्य (कोऑप्टेड)	
	i. डॉ. एस.एस. यादव प्राध्यापक एवं अधिष्ठाता कृषि महाविद्यालय, लालसोट (दौसा)	बाह्य सदस्य
	ii. डॉ. वाई.एम. शुक्ला, प्राचार्य कृषि महाविद्यालय, आनन्द कृषि विश्वविद्यालय, गुजरात	बाह्य सदस्य



कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन एवं गुणवत्ता सुधार केन्द्र

(Agriculture Technology Management and Quality Improvement Center-ATMQIC)

प्रसार शिक्षा निदेशालय

कृषि विश्वविद्यालय, कोटा







कृषि विश्वविद्यालय, कोटा

बारौ रोड़, बोरखेड़ा, कोटा - 324001 (राजस्थान)

Ph. : 0744-2321204

E-mail : aukota2013@gmail.com, Website : <http://aukota.org>